हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

2 सितम्बर, 1993

खण्ड 2, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 2 सितम्बर 1993

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)28

ध्यानकर्शण प्रस्ताव–

लोहारू नहर तथा अन्य उठान सिचाई योजनाओं से बह निकलने वाले पानी से खड़ी फसल को भारी हाानि सम्बन्धी	(4)34

वक्तव्य–

सिचाई मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी वि ोशाधिकार भंग का प्र न	(4)35
श्रीमती चन्द्रावती के साथ 14.07.1993 को एस0 डी0 एम0 दादरी द्वारा किये गए दुर्व्यवहार सम्बन्धी	(4)38
नारनौल में पुलिस द्वारा गोली चलाने सम्बन्धी ध्यानकर्शण प्रस्ताव पर मुख्य मंत्री द्वारा	(4)39

विभिन्न ध्यानकर्शण सूचनाओं सम्बन्धी मुख्य मंत्री/मन्त्रियों द्वारा संक्षिप्त वक्तव्य	(4)42
वैयक्तिक स्पश्टीकरण–	
(i) लोक निर्माण मंत्री द्वारा	(4)63
(ii) बिजली मंत्री द्वारा	(4)55
विशेषाधिकार भंग का प्रश्न	(4)63
स्थगन प्रस्ताव की सूचना	(4)63
कार्य सूची की मदों में परिवर्तन	(4)63
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(4)63
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव	(4)63
वाक आउट	(4)64
शिक्षा प्रणाली में सुधार गैर सरकारी संकल्प (पुनराम्भ)	(4)67

हरियाणा विधान सभा

वीरवार 2 सितम्बर, 1993

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन,सैक्टर–1 चण्डीगढ़ में प्रात 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगे।

O.T. Classes

581. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to start O.T. classes in the Haryana Sanskrit Vidhiyal Peeth Bagola in Tehsil Palwal, District Faridabad during the current financial year?

Education Minister (Sh. Phool chand Mullana): Yes Sir.

श्री कर्ण सिंह दलाल: स्पीकर साहब, पहले मतो मै मंत्री महोदय का इस बात के लिए धन्यवाद करता हूं कि उन्होने यहां कहा है कि हम पलवल में हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बगोला में ओ0 टी0 कक्षाएं आरमी करने के लिए सोच रहे है। मै मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि यह जो ओ0 टी0 कक्षाए भाुरू

करने जा रहे है, ये कितने स्टुडैट्स की क्लास होगी ओर कौन से सन् से यह क्लासिज भाुरू हो जायेगी?

श्री फूलचन्द्र मुलानाः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैने अपने जवाब में हां कहा है। इनका सवाल था कि क्या सरकार के पास प्रस्ताव विचारधीन है? हमने कहा है कि हां, इसलिए जब सारी भार्ते पूरी हो जायेगी, हम वहां पर क्लासिज चालू कर देगे। जहां तक इस सवाल का ताल्लुक है क सीटे कितनी होगी, इस वक्त हमारे पास प्रांत में इस प्रकार की ट्रेनिक देने के लिए 8 तो डाईट इंस्टीच्यू ान है ओर 9 जी0 ई0 टी0 टी0 आईज0 है। इनके अलावा, जे0 बी0 टी0 ट्रेनिग के लिए 8 जिलों में क्लासिज और खोल रहे है। स्पीकर साहब, जे0 बी0 टी0 ट्रेनिग के लिए के लगभग 1860 सीटे है। हमारी रिवायरमैंट के मुताबिक काफी है और पूरी इन्होने यह भी पूछा है कि कितने बच्चे दाखिल करेगे, हम भाुरू में तो 50 बच्चों की ही इजाजत देगे लेकिन अगर बाद में और की जरूरत पड़ी तो और बढ़ा देगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने दलाल साहब के सवाल के जवाब में कहा है कि पलवल में हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बगोला के अन्दर ओ0 टी0 कक्षाए भाुरू करने जा रहे है। मै उनको यह बताना चाहता हूं कि हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बगोला उत्तरी भारत की एक बहुत ही र्पस्टिजीयस एजेके ानल संस्था है और हमारे जिले में है। वयहां पर ओ0 टी0 क्लासिज भाुरू करवाने के लिए तमाम गणमान्य लोग

और विधायक हरियाणा भवन के अन्दर पिछले दिनों मुख्यम ंत्री महोदय से मिले भी थे और इसी बात को ध्यान में रखते हुए मंख्य मंत्री महोदय ने क्विट इंडिया के फंक ान पर वहां पर यह आ वासन भी दिया थ कि पलवल, जिला फरीदाबाद में यह क्लासिज जल्दी ही भाुरू हो जायेगी। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्य मुख्य मंत्री महोदय क आ वासन को ध्यान में रखते हुए इसी सत्र से और इसी महीने सह`वहां पर यह क्लासिज भाुरू हो जायेंगी?

श्री फूलचन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मैने कहा है कि मामला विचाराधीन है इसकी भूमिका जैसे आदरणीय सदस्य महोदय ने बतायी है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए मामला विचाराधीन है। ज्यों ही भार्ते पूरी हो जायेंगी, हम वहां पर यह क्लासिज भाुरू करा देगे।

श्री कर्ण सिंह दललाः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने भार्तो के बारे में यह कहा है कि जब भार्ते पूरी हो जायेगी। तब हम वहां पर यह क्लासिज भाुरू करा देगे। वह भार्ते क्या क्या है। अगर मंत्री जी ठीक समझे तो कालेज लैवल की बाते है, वह भार्ते पूरी करवाने में भाायद हम कुछ उनकी मदद कर सकते है, तो वह बताये और यह भी बताये कि आखिर वह भार्ते क्या-क्या है जो इस बात में रूकावट है?

श्री फूलचन्द मुलानाः स्पीकर साहब, भार्ते तो बहुत सी है। पहले तो हमारी सरकार यह सोच रही है। कि इस बारे में जो नीति है, उसमें कुछ चेंज लायी जाये। आज तक समूचे हरियाणा में कभी भी किसी प्राइवेट संस्था को इस प्राकर की इजाजत नही दी गयी है। इस प्रकार की इजाजत दिये जाने का मामला विचाराधीन है। उस के लिए जो भार्ते इन्होने पूछी है, वह मै बता देता हूं। वे भार्ते इस प्रकार से है:—

(1) प्राइवेट संस्थानों में, यह कक्षाएं किसी अन्य स्थापित स्कूल के साथ न चलाई जाए, वरन् स्वतन्त्र रूप में स्थापित किय जाए, जिनका प्राईवेजट अदारे के नाम के साथ ई0 टी0 टी0 आई0 जोड़ा जाएं।

(2) इन संस्थानों में वर्तमान मापदण्डों के अनुसार निम्नलिखित पद स्वीकृत हो:—

बी0 एड0

1.	मुख्याध्यापक	1
2.	मास्टर्ज	4
3.	सी0 एण्ड वी0	2
4.	पी0 टी0 आई0	1

ओ0 टी0 यूनिट के लिए		
5.	सम्बन्धित भाशा अध्यापक	
6.	लिपित	1
7.	चतुर्थ श्रेणी	4

(3)	प्राइवेट संस्थान इस बात के लिए भापथ पत्र दें कि वे इस संस्थान को चलाने के लिए सरकार से कोई अनुदान प्राप्त नही करेगा।
(4)	इस संस्थान को चलाने के लिए उपयुक्त भवन उपलबध हो।
(5)	निदेशालय स्तर से एक समिति इस संस्थान को निरीक्षण करे ओर उसकी रिपोर्ट के आधार पर स्वीकृति प्रदान की जाए।
(6)	यह संस्थान उपरोक्त वर्णित स्टाफ की छः मास का वेतन जिला शिक्षा अधिकारी के नाम प्लैज करें।
(7)	संस्थान के लिए उपयुक्त खेल का मैदान हो।
(8)	यह संस्थान विभाग द्वारा मान्य पाठ्यक्रम एवं परीक्षा प्रणाली को अपनाए।

(9)	इस संस्थान में चलने वाली कक्षाओं की परीक्षा शिक्षा विभाग द्वारा ली जाएगी।
(10)	इस संस्थान में प्रवेश हेतु योग्यता प्रणाली की भार्तें वही अपनाई जाएं तो इस प्राकर के अन्य संस्थानों (सरकारी) के लिए उपलब्ध हो।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, जहां तक मुझे पता है कि भवन, खेल का मैदान ओर जो दूसरी भार्ते है, वे वहां पर मौजूद है। ये सारी भार्ते वह विद्यालय पूरी करताहै। एक बात मंत्री जी ने कही है कि ये क्लासिज सरकार प्राईवेट संस्था को नही देखते। स्पीकर साहब,यह संस्था तो प्राईवेट है लेकिन जब सरकार ने इस संस्था के मैनेजमैंट को हां की है तथा क्या उन कठिनाइयों को दूर करने में मंत्री महोदय जल्दी करेगे? दूसरा मेरा प्रश्न यह है कि क्या विभाग ने इस संस्थान को लिखा है कि वह सारी भार्तो को पूरा करें?

श्री फूलचन्द्र मुलानाः स्पीकर साहब, जैसा कि मैने बताया है कि यह संस्था वाकई बहुत अच्छी संस्था है। इसमें कोई दो राय नही है। आदरणीय सदस्यों ने कहा है कि वे मुख्य मंत्री जी से इस बारे में मिले थे। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए विचार करे रहे है। नीति में ढील देने की आवश्यकता हुाई तो ज्यों ही इसबारे में निर्णय लिया जाएगा, इस ओर पूरे कदम उठाकर इस संस्थान में क्लासिज चलाने के बारे में विचार करेगे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने ठीक ही कहाहै कि बगोला का संस्कृत विद्यापीठ बहुत ही ऊंचे स्तर का है। और श्री राजेन्द्र सिंह जी ने भी इसकी प्र ांसा की है, ि ाक्षा मंत्री जी ने भी माना है कि यह संस्था राश्ट्रीय स्तर की है। हरियाणा में जे0 बी0 टी0 और ओ0 टी0 चर्ज की आठ हजार की कमी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इन हालात को देखते हुए बगोला में इसी साल ओ0 टी0 की क्लासिज भारू करने का कोई निर्णय प्राथमिकता के आधार पर लेगे। स्पीकर साहब, मेहन्द्रगढ़ में डाइट के दे। यूनिट है जिनमें सौ सीटे है बाकी सब जगहों पर दो सौ—दो सौ है। क्या मंत्री महोदय महेन्द्रगढ़ में भी दो यूनिट ओर देने की कृपा करेगे?

श्री फूलचन्द्र मुलानाः स्पीकर साहब, हमारे स्कूलों के लिए टीचर्ज की मांग ज्यादा है। इस चीज को ध्यान में रखते हुए हमने पचास पचास सीट्स इन इंस्टीच्यू ंज में बढ़ाई हैं और अगर और जरूरत हुइ तो और सीटे भी बढ़ाएंगे।

श्री अध्यक्षः एक यूनिट में कितनी सीट्स होती है?

श्री फूलचन्द्र मुलानाः एक यूनिट में पचास सीट्स होती है।

श्री अध्यक्षः वे सौ बता रहे है।

श्री फूलचन्द्र मुलानाः स्पीकर साहब, 'डाइट' में पचास ोती है और 'जीट' में सौ होती है।

Dadri Bye-Pass

589. Sh. Ram Bhajn Aggarwal: Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state—

(a) Whether ther eis any proposal under considerationof the Govt. to construct a bye-pass in Dadri City; and

(b) If so, the time by which it is likely to be constructed?

लोक निर्माण भवन तथा सड़क मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) जी, नही।

(ख) (क) के उत्तर को देखते हुए प्र न ही पैदा नही होता।

श्री रामभजन अग्रवाल: अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मत्री महोदय का ध्यान इस और आकर्शित करना चाहता हूं कि इसी सड़क के ऊपर पांच तो स्कूलम है और 10 हजार से ज्यादा स्टुडैन्ट्स पढ़ने के लिए जाते है। इस सड़क पर ट्रकों व बसों के कारण काफी हैवी लोड रहता है। पहले कई हादसे भी इससड़क पर हो चुके है। ओर बच्चों की जाने जाने काखतरा भी है, इसलिए वह बाई–पास बहुत जरूरी है। क्या सरकार मेरे प्र न पर दोबारा विचार करेगी और यह आ वासन देगी कि यह बाई–पास इस समय तक बन जाएगा।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, दादरी शिक्षा समिति की मांग पर, चरखी दादरी का बाई–पास बनाने के लिए विभाग द्वारा सर्वे किया गया था और यह अनुमान किया गया है कि गांधी महाविद्यालय चरखी दादरी के समक्ष बाई पास की आवश्यकता नही है क्योंकि नारनौल, दिल्ली और भिवानी का यातायात यहां पर इनता नही है।

श्री रामभजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेगे कि बाई–बास बनाने का सरकार का क्या क्रायटरिया है और क्या प्रावधान है?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मै आनरेबल मैम्बर्ज को बताना चाहता हूं कि जो भी बाई–पास सड़के नैशनल हाईवे बनती है, उसके ट्रैफिक लोड बगैरह को आंका जाता है और रोड़ की स्ट्रैथनिग वगैरह का भी हिसाब किताब लगाया जाताहै जिसके बारे में ये बता रहे है, उस सड़के पर इतना लोड नही है। कि उसको शिफ्ट करके इसको बाई–पास बनाया जायें क्योंकि रोहतक साईड पर पहले ही बाई–पास बना हुआ है और उधर से भिवानी बाई–पास भी बना हुआ है ट्रेफिक ज्यादातर बाहर का बाहर ही निकल जाताहै।

चौधरी सूरजभान काजलः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि कई भाहरों के अन्दर कई बाई–पास अधूरे पड़े हुए है जैसे कि जींद ओर कैथल भाहर है।

क्या इन बाई पासिज का पूरा करने का सरकार को कोई प्रस्ताव विचारधीन है? अगर है तो कब तक बना कर पूरा कर दिया जाएगा?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, जो बाई–पास अधूरे पडत्रे हुए है, उन परकाम चालू है लेकिन धन का अभाव है, धन की उपलब्धि पर इन का काम पूण्र कर दिया जाएगा।

सरदार जयविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र में माननीय मंत्री महोदय ने यह आ वासन दिया था कि जहां जहां स्कूलज है, धार्मिक स्थान है, चाहे कही गुरूद्वारा है, चाहे मन्दिर है, उन सबको सड़कों के साथ जोड़ दिया जाएगा। मै इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या पेहवा हल्का में इन्होने आत तक किसी हाई स्कूल या किसी धार्मिक स्थान को किसी सड़क के साथ जोड़ा गया है?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, जहां तक धार्मिक स्थलों, स्कूलों व अन्य संस्थाओं के लिए सड़के बनाने का सवाल है, इस बारे में सरकार का यह फैसला है कि उन को पी0 डब्ल्यू0 डी0 विभाग नही बनायेगा बल्कि पंचायत विभाग बनायेगा। जो छोटे छोटे एक–एक, दो–दो, किलोमीटर के टुकड़े है और जहां ज्यादा जरूरत है, वहां श्रद्धालुओं की संख्या के हिसाब से कि फलां धार्मिक स्थान पर कितने श्रद्धालु रोजाना आते जाते है।, इस

क्रायटेरिया के हिसाब से सड़के बनाने का प्रावधान सरकार के पास है।

सरदार जयविन्द्र सिंहः क्या किसी धार्मिक स्थन को आपने आज तक सड़क से जोड़ा है?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः इसके लिए मै माननीय सदस्य से कहूंगा कि अगर वे किसी पर्टीकूलर धार्मिक स्थलों के बारे मैं पूछते है तो मै बता दूंगा। वे मेरे पास आ जाए, मै डिटेल में बता दूंगा।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि दादरी बाई–पास के लिए जमीन एक्वायर कही हुई है हां पहले भी इस्तेमाल के लिए रास्ता छोड़ा है। पांच हाई स्कूलों, तीन कालेजों में कम कम 10 हजार स्टूडैन्ट्स उस सड़क पर आमदोरफत रहती हैं कई बार वहां पर ऐक्सीडैन्ट्स भी हुए है। इन बातों का ध्यान में रखते हुए, क्या सरकार दोबारा सर्वे करवाने का कश्ट करेगी? स्पीकर साहब, वां पर बाई–पास बनना बहुत जरूरी है।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, यह बात माननीय सदस्य ने ठीक कही है। यह सर्वे हमने बहुत पहले करवाया था। फिरभी अगर इस बात की आव यकता है तो हम दोबारा सर्वे करवा लेगे कि वहां बाई–पास की आव यकता है या नही।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, घग्गर के साथ 6 फुट चौडा और 8 फुट ऊंचा बांध बनाया गया है। अगर सड़क बना दी जाए तो हससे सारे भाहर का बचाव हो सकता है। दूसरी सड़क जो भाहर से होकर रणखेड़ा पंजाब की ओर जाती है, उस से भी रास्ता खुल जाएगा और सारा रतिया का इलाका बच जाएगा। अगर वहां पर बाई–पास बना दिया जाए तो बेहतर रहेगा। टोहाना से लेकर पंजाब तक सारा रास्ता साफ होगा। क्या उसको बनाने का सरकार का कोई विचार है?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, जो बात माननीय सदस्य ने कही है, इसके बारे में सर्वे करवा लेगे। अगर आ यकता हुई तो आगे इस पर विचार कर लेगे।

श्री अध्यक्षः क्या मंत्री जी ने नोटिस में है कि ढांढ मं 28 लाख बोरिया का, एफ0 सी0 आई0 का गोदाम है और कैथल ढांढ–कुरूक्षेत्र सड़क पर ट्रैफिक का बहत लोड़ है? उस पर हर समय 100–200 ट्रक खड़े रहते है और रास्ता ब्लाक कर देते है। चीफ मिनिस्टर साहब ने एक पब्लिक जलसे में ऐलान किया था कि यह बाई–पास 31 मार्च तक बनाया जाएगा। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इसको कब तक बना दिया जाएगा?

चौधरी आनन्द सिंह ढांगीः स्पीकर साहब, ढांढ के बाई–पास का मसला अभी विचारधीन है।

श्री अध्यक्षः जब चीफ मिनिस्टर साहब, ने अनाउस कर दिया तो फिर क्या विचारधीन है?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) अध्यक्ष महोदय, वैसे तो अच्छी बात है कि स्पीकर साहब को भी अपने इलाके का ध्यान रखना चाहिए। हमने वहां पर ऐसा कहा था कि और जो कहा है उसको बहुत जल्द पूरा करेगे।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः स्पीकर साहब, वैसे वह सड़क 18 फुट चौड़ी है और स्टेट हाई वे के बराबर है। चूंकि चीफ मिनिस्टर साहब ने कह दिया है, इसलिए अगर उसकी जरूरत है तो बना देगे।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, दादरी बाई पास के बारे में मै प्रार्थना करना चाहता हूं कि मंत्री जी यह न सोचे कि अपोजी ान वाले वैसे ही ज्यादा जोर दे रहे है, ऐसी बात नही है। वहां पर दस हजार स्टूडैटस आते है। कालेज के पूर्व में रास्ता है। इसलिए बाई पास बनाने में कोई दिक्कत नही होगी। ऐसा होने से रोहतक से आने वाली बसें भी वहां से चली जाएंगी। मै एक निवेदन और करना चाहता हूं ओर मुख्य मंत्री जी तथा पी0 डब्ल्यू0 डी0 मिनिस्टर साहब को ध्यान दिलाना चाहता हूं कि उन्होने मार्च में एक वायदा किया था कि बौदखुर्द जो पक्की सड़क से नही जुडा हुआ हे, उसको तीन महीने से जोड़ देगे। उस बारे में मै जानना चाहता हूं कि उस टुकड़े को कब तक बना देगे?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: स्पीकर साहब, यह सड़के आधे किलोमीअर की पड़ती है। इस पर 2 लाख 52 हजार रूपया खर्च आने थे। उस पर दो लाख रूपया खर्च हो चुके है, उसका थोड़ा या काम बाकी रहता है जो जोरों पर चल रहा है।

Government Ploytecnic for Women, Radaur

632. Sathi Lehri Singh: Will the Minister of state for Technical Education be pleased to state—

(a) Whether there is any proposla under consideration of the Government to open a, Government Polytechnic Institute for Woment at Radaur; and

(b) If so, time by which it is likely to be opened?

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो0 छत्तर पाल सिंह):

(क) जी नही, रादौर में राजकीय महिला बहुतकनीकी खोलने का कोई प्रस्ताव विचारधीन नही।

(ख) प्रश्न नही उठता।

साथी लहर सिंह: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री रादौर गए थे। वहां पर अनाउस करके आए कि इस सैशन से वहां पर महिलाओं का पालिटैक्निक शुरू कर देगे। हम 35 लाख रूपए की बिल्डिग बना कर सरकार को देना चाहते है और वह बनी हुई है। उसके बावजूद भी सरकार को क्या दिक्कत है?

प्रो0 छत्तर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो प्र न किया है, वह रादौर से संबंधित है। इन्होने यह प्र न पूछ कर यहां पर कन्फयूजन पैदा किया है। इन्होने हवां पर एक प्राइवेट बिल्डिग की बात कही थी। इन्होने जो संस्था बनाई है, वह रादौरी में बनाई है, न कि रादौर में। ये विधान सभा में गवर्नमैंट पोलिटैकिन्क बनाने की बात कर रहे है जबकि इन्होने मेरे से प्राइवेट पोलिटक्निक के बारें में दिया था, उससे मै बैक आउट नही करता। मै तो हर पब्लिक मीटिग में बात किया करताथा क्योंकि इस बारे में मुझे मुख्य मंत्री जी ने प्रोत्साहन दिया है कि टैक्नीकल एजूक ान को हमने ज्यादा से ज्यादा सप्रैड करना है और इसके लिए हमारे हरियाणा में जितने यूथस मोबालाइज हो सके, उनको किया जाए। उनके लिए में एम्पलायमैंट ओरिएन्टिड कोर्स चलाने चाहिए। आज हमारे सामने बेरोजगारी की बड़ी भारी समस्या हैं इस बात को दिमाग में रखते हुए मैने रादौर में यह आ वासन दिया था। माननीय सदस्य ने रादौरी में एक बिल्डिग दिखाई थी। उस सम इन्होने ंमुझे यह आ वासन दिकया थाकि हम सारे इक्विपमैंट देगे और जितना स्टाफ लगेगा। उसको सेलरी हम देगे। हरियाणा सरकार के पास प्रस्ताव भेजे। उसको एग्जामिन करके आपकीो मंजूरी देंगे। इस विशय में 28.04.93 को इनकी एक एप्लीके ान हरियाणा सरकार को मिली। हरियणा सरकार 14.06.93 को वह एप्लीके ान अपने डायरक्टौरेट को भेज दी ताकि उसको एग्जामिन कर सके। डायरैक्टोरेट ने इन्हें 23.08.93 को चिट्ठी लिखी कि आप अपने पूरी प्रोजैक्ट रिपोर्ट आएगी नि चत

तौर पर हम वहां पर एक टीम भेज कर एग्जामिन करवाएंगी। एग्जामिन करवाने के बाद आल इंडिया टैक्नीकल एजूक ान से भी हमें एक अनिवार्य परमि ान की आव यकता होती है, वह भी हम बहजुत जल्दी ले करके देगे।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, जो टीम इन्होने वहां पर भेजनी थी वह टीम सारा सर्वे करके ले आई है। वह बिल्डिंग 35 लाख रूपए खर्च करके बनाई है। मंत्री जी उस बिल्डिग से सैटिस्फाइड है। यदि मंत्री जी कोई और बिल्डिंग बनवानाचाहते है तो हम 10–12 लाख रूपए खर्च करके उसको और बड़ी बना देगे। हम सभी भार्तें पूरी करने के लिए तैयार है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस साल वहां पर पढ़ाई भाुरू हो जाएगी?

प्रो0 छत्तर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने अभी जो जवाब दिया है, उसमें मैने माननीय सदस्य को पूर्ण तोर पर सन्तुश्ट करने की कोि ा ा की है। मनै यह बताया है कि अब यह मामला इन के पार्ट पर डिले हो रहाहै, हमारे पार्ट पर डिले नही हो रहा है। यदि वे हमें प्रोजैक्ट रिपोर्ट ही सबमिट नही करेगे तो पढ़ाई कैसे चालू होगी? आप उसकी प्रोजैक्ट रिपोर्ट सबमिट कराएं हम 'विद इन ए वीक टीम' भेज कर, उसका सर्वे करवाएंगे और नि चत तौर पर उसे बहुत जल्दी स्करूटनाइज करेगे।

श्री हरि सिंह नलवाः स्पीकर साहब, जैसे मंत्री जी ने बताया है टैक्नीकल एजूके ान का विस्तार करने से अनएम्लयामैंट

खत्म करने में बहुत बड़ा सहयोग होगा लेकिन इसमें बहुत सी डिफिकलटीज हैं लहरी सिंह जी ने एक सप्लीमैंटरी किया है कि हमने उसकी सारी फारमैलिटीज पूरी कर दी है, सरकार उसकी मंजूरी दे। मै कहता हूं कि सभी फारमैलिटीज पूरी करना कोई खालाजी का बाड़ा नही है, आसान काम नही हैं मेरे यहां भी मुख्य मंत्री जी 20.11.1993 कोएक पोलिटैक्निक इंस्टीच्यू ान की मंजूरी दे करे आऐ है, उसके लिए मै मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हू। उसके बाद मै मंत्रीजी से मिला। मै मंत्री जी का भी धन्यवाद करता हूं कि इन्होने बड़ी हमदर्दी के साथ उस एप्लीके ान को डील किया अैर डिपार्टमैंट को आर्डर किया और मै यह एप्लीके ान लेकर टैक्नीकल एजूके ान डिपार्टमैंट में गया। स्पीकर साहब, मै आपने एरिया में एजूके ान में बड़ा इंट्रैस्ट रखता हूं लेकिन आपका तो कोई मुकाबला नही है क्यों आप तो बहुत बड़े एजूके ानिस्ट हो। उस एप्लीके ान को पूरा करके तीन बार डसरैक्टोरेंट में दे चुका हूं। वह एप्लीके ान यहां हरियाणा गवर्नमैंट से मंजूर हो करके सैट्रल गवर्नमैंट में दे चुका हूं। वह एप्लीके ान यहां हरियाणा गवर्नमैंट से मंजूर हो करके सैट्रल एजेके ान अकेले स्टेट का मुद्दा नही है स्पीकर साहब, अब साई का जमाना है, हर चीज बदलती जा रही है। सैट्रल गवर्नमैंअ की ओर से एक बहुत लम्बा चौडा परफार्मा भेजा गया कि इसको भर कर भेजों। उस परफार्म को भरते हुए मुझे और मेरे प्रिसिपल को एक महीना हो गया, वह आज तक हमसे पूरा नही हुआ। यही चण्डीगढ़ में भी टी0 टी0 टी0आई0 सैट्रल एडमिनिस्ट्रैटिड

इन्स्टीच्यूट है जो टीचरर्ज को टैक्नीकल ट्रैनिक देता है, मै इस इन्स्टीच्यूट के प्रिंसीपल श्री चौपडा से मिला। श्री चौपड़ा बहुत अच्छे आदमी है ओर उन्होने टैक्नीकल ट्रेनिग के बारे में मुझे प्रौपर गाईड भी किया, उनसे परफोरमा के बारे में भी पूछा (विध्न) अपनी स्टेट के अन्दर जब मै इस परफोरमें के बारे में पता करने के लिए डायरैक्टोरेट में गया और बताया कि ये कोसिज परफोर्मा गवर्नमैंट वाले मांगते है ताक प्रोजेक्ट रिपोर्ट परी हा सके। मैन `उनसे पूछा कि क्या कोर्सिज है, इसमें क्या सिलेबस है, क्या प्रोग्रामज है, इस बारे मं बताईये। तो डनहोने कहा कि हमारे पास कोई कोर्सिज नही है। जहां जहां पोलिटैक्नीक कालेज खुले हुए हे, आजप वहा पर कर पता कीजिए। स्पकीर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से हाउस में य आ वासन चाहूंगा कि क्या वे ऐसा प्रबन्ध करेगे कि पोलिटैक्नीक के बारे में क्या नामर्ज है, क्या सिलेबस है और क्या प्रोग्रामज है ताकि डयरैक्टोरेट से पूरी इन्फर्मे ान मिल सके?

प्रो0 छत्तर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, नलवा जी ने बड़ी तफलीम देते हुए, अपनी बात को कहते हए प्र न पूछा है। पोलिटैक्नीज कालेजों के बारे में सरकार की भी अपनी लिमिटे ान्ज है, यह स्वाभाविक है। जो पालिटैक्नीकज कालेजों के बारे सरकार की भी अपनी लिमिटेन्ज है, यह स्वाभाविक हैं जो पोलिटैक्नीज कालेज चलाए जा रहे हे, पूरे न्दिुस्तान में बहुत लम्बा चौडा व्यापार बन गए, वि ोश तौर पर पिछली सरकार ने

हरियाणा के अन्दर पोलिटैक्नीज संस्थाओं में एडमिशन के नाम पर धांधली मचाई हुई थी ओर जोवीजर और इनके साथी, हरियाणा सरकार में थे, उन्होने दाखिले के नाम पर टैक्नीकल ऐजूकेशन स्प्रैड करने के नाम, अपनी जेबें ओर तिजोरियां भी ली थी। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, जब से वर्तमान सरकार आई, उसके बाद विशेश तौर पर जो दाखिले हुए है, उनको सैट्रलाईज किया गया है। एक भी दाखिला ऐसा नही हुआ है जो मैरिट के आधार पर न हो। (विध्न) जो प्राईवेट संस्थओं द्वारा केपिटेशन फीस ली जाती थी, उसके बारे में आल इण्डिया टैक्नीकल एजुकेशन की अपील पर सुप्रीमकोर्ट ने गाईड लाईन्ज दी है कि कैपिटेशन फीस को कन्ट्रोल किया जाए।

श्री अध्यक्षः जो सवाल उन्होने पूछा है, उसका जवाब दीजिए कि क्या डायरैक्टोरेट में गाईड करने के लिए आपके पास इन्तजाम है या नही?

प्रो0 छत्तरपाल सिंहः जिन अधिकारियों से नलवा साहब मिले, हो सकता है उनको इस बारे में पूरा ज्ञान न हो। आज भी डायरैक्टोरेट में चले जाएं तो पूरी सिलेबस, गाईड लाईन्ज तथा प्रोग्रामज के बारे में पूरी जानकारी एक घण्टे के अन्दर अन्दर मिल जाएगी, इसका पूरा इन्तजाम डायरैक्टोरेट में किया हुआ है।

डा0 राम प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय राज्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि कुरूक्षेत्र जिले

के ऊपरी गांव में लोगों ने स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्य स्मृति में एक देहामह पोलिटैक्नीक बनाने का प्रस्ताव पास करके भेजा है, गांव वालों के पास धनराश भी है। 24.11.1991 को मुख्य मंत्री जी वहां पर पधारे थे और इस बारे में मैने उनसे चर्चा भी की थी, जैसे उन्होने निर्देशक दिए थे उसी तरह से किया गया है। मै राज्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो प्रस्ताव पास करके भेजा है कि वहां परपोलिटैक्नीक बनाया जाए, उसकस क्या बना?

प्रो0 छत्तरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में अभी मेरे पास लेटेस्ट पोजीशन नही है। मै डाक्टर साहब को लेटेस्ट इनफर्मेशन लाकर बता दूंगा। लेकिन कुरूक्षेत्र के अलावा जो हमरे बचे हुए डिस्ट्रिक्ट है उनके बारे में हरियाणा सरकार की नीति है। कि हरेक जिले के अन्दर एक पोलीटैक्नीक कालेज खोले। अध्यक्ष महोदय, जैसे इन्होने एक व्यवस्था बताई है, वह हम करने के लिए तैयार है। इस बारे में सरकार को पौजिटिव रूख रहेगा तो हम जल्दी ही इसको बनाने का विचार करेगे।

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै इनसे पूछना चाहूंगा कि वे कोन कौन सी संस्थाए ंळैं जिनमें चन्द्र से काम होता था? ये उनके नाम बताएं। इसके अलावा, जो ये पोलिटैक्निक कालेज खोलने जा रहे है, क्या वहां पर डोनेशन लेकर एडमिशन दिया जाएगा या मैरिट बेस पर दिया जाएगा?

प्रो0 छत्तर पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, एक तो इन्होने यह सवाल पूछा है कि उन संस्थाओं के नाम बताए जाएं जिनमें चन्दा लिया जाता था। सर, वे हैः हिन्दू कालेज आफ फारमेसी करनाल, महाराजा अग्रसेन तकनीकी संस्था अग्रोहा ओर लॉर्ड शिवा कालेज आफ फारमेसी सिरसा। ये प्राईवेटली मैनेजड इन्स्टीच्यूटस है। अध्यक्ष महोदय, इनके साथी जो सरकार में रहे ि उनके साथ मिलकर शिक्षा बेचने की गडबड़ी करते रहते थे। हमें इस बात का फख्र है कि हमने गड़बड़ी पर पूरा कंट्रोल कर लिया हैं अध्यक्ष महोदय, मै इनको यह बताना चाहता हूं कि जब से चौधरी भजन लाल जी की सरकार हरियाणा में आई है, उसी दिन केबाद एक भी कैपीटेशन फीस लेकर दाखिला नही हुआ। पूरे इंडिया में, 17 जुलाई को, सैन्ट्रल मिनिस्टर की अध्यक्षता में, आल इंडिया टैक्नीकल ऐजूकेशन वालों की मीटिग हुई थी। अध्यक्ष महोदय, जो डारैक्शन आज सुप्रीम कोर्ट देने जा रही है, वह 1992 में चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने आते ही दी थी इनकी अध्यक्षता में यह फैसला कर लिण था और आज हम मैरिट पर ही दाखिला दे रहे है।

Posting of a Lady Doctor to the C.H.C. Kalayat

642. Ch. Bharath Singh: Will the Minister for Health be pleased to state whether it is fact that there is no lacy doctor in community Health Centre at Kalayat; if so, the time by which the lady doctor is likely to be posted in the said C.H.C.?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी): हां। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कलायत में दिनांक 28.08.93 को एक महिला चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है।

चौधरी भरथ सिंह: अध्यक्ष महोदय, कैथल और नरवाला के बीच एक डिसपैन्सरी है लेकिन उसमें सिर्फ एक ही डाक्टर है और दवाई की भी व्यवस्था नही है। क्या मंत्री महोदया इस डिस्पैन्सरी की व्यवस्थ ठीक करेगी?

श्रीमती भाान्ति देवी राठी: अध्यक्ष महोदय, वहां पर महिला डक्टर लगा दी गई हैं उस डाक्टर का नाम मनप्रीत कौर है। और उसे 28.08.93 को लगाया है।

चौधरी जिले सिंह जाखड़ा: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि कलायत सी0 एस0 सी0 में कितने डाक्टरों की पोस्टे है? मंत्री महोदया ने जवाब में कहा कि लेडी डाक्टर 28.08.93 को लगायी गई है अज्ञैर उससे पहले यह पोस्ट खाली पडी थी। वहां पर अब डाक्टरो कि कितनी ऐसी पोस्टे है जो खाली पड़ी है। अध्यक्ष महोदय, सी0 एच0 सी0 जमालपुर का मुख्य मंत्री जी ने फाउन्डे ान स्टोन रखा था। वहां पर 7 डाक्टर्ज, दो लेडी डज्ञक्टर्ज और एक मोटर व्हीकल का प्रोविजन किया गया था। आज वहां पर पूरे डाक्टर्ज नही है लेकिन उनकी तरख्वाहे जमालपुर सी0 एस0 सी0 से निकलती है और कार्य किसी दूसरे हास्पीटल में कर रहे है।

श्रीमती भाान्त देवी राठीः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि बहुत सारे होस्पीटल्ज में डाक्टर्ज और महिला डाक्टर्ज की रिक्तिया थी लेकिन आपको जानकार खु ी होगी कि अगस्त के फर्स्ट वीक में हमने सभी खाली वेकेन्सीज को भी दिया है और इस समय केवल हमारे पास 23 वकेन्सीज रह गई है। इनके लिए भी चयन सूचि बनी हुइ है और इनको बहुत भीघ्र भर दिया जाएगा। स्पीकर साहब, अगर आप टोटल पोस्टे पूछना चाहे तो मै बता सकती हूं कि कितनीपोस्टे सैक ान्ड है और कितनी पोस्टे भर दी गई है?

चौधरी जिले सिंह जाखड़ः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि कई जगहों पर डाक्टर्ज सेलरीज ले रहे ह। लेकिन वहां पर कोई डाक्टर नही है। जैसे एक डाक्टर सिविल होस्पीटल रोहतक में, एक डाक्टर बहादुरगढ़ में, एक डाक्टर कलानौर में, और एक डाक्टर झज्जर में, कार्य कर रहे है। लेकिन उनकी तनख्वाह सीण् एच0 जमालपुर से जा रही है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि जब डैपूटे ान ही खत्म हो गया है तो वेतन भी वही से मिलेगा जहां पर डाक्टर की पोस्टिग हुई है। स्पीकर साहब, अगर आप कहें तो मै सब दस्यों की जानकारी के लिए बताना चाहूंगी ओर आंकड़े देना चाहूंगी कि अब हमारे पास टोटल सैक ानड पोस्टस 1902 है। इनमें से 1818 पोस्टस भरी हुई है। इस वक्त खाली पोस्टे केवल 84 है और इन 84 पोस्टों में

से 61 पोस्टे वरिश्ठता के आधार पर डिपार्टमैंट प्रोमोशन से भरी जाएगी। इस तरह से केवल 23 पोस्टे बची है। इनके लिए भी प्रतीक्षा सूची बनी हुई ळैं जिनका जल्दी ही फिलअप कर देंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरे हल्के में नकीपुर प्राइमरी हैल्थ सैन्टर है, उसको आर्डनरी डिस्पैन्सरी में कंवर्ट कर दिया गया है। और वहां पर कोई डाक्टर भी नही है। इसके अलावा, लोहारू में भी एक ड्रगिस्त डाक्टर को लगा रखा है, जिससे लोग बहुत तंग है। उसकस वहां से ट्रांस्फर भी नही करते। स्पीकर साहब, इसी तरह से नकी पुर ओर गोपी में भी डाक्टर्ज नही है। रूरल एतिरयाज में बारे में मुझे पता है कि वहां पर कोई डाक्टर नही है। मै चाहती हूं कि आप वहां पर जल्दी से जल्दी डाक्टर लगाये। इसके अलावा वहां पर दवाईया ओर पट्टियों को भी इंतजमा करना चाहिए?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से बहन जी से जानना चाहूंगी कि जिस डाक्टर से वे दुखी है मुझे उसका नाम बात दे। हम उसको किसी और जगह शिफ्ट कर देगे। डाक्टर्ज की जितनी पोस्टस खाली थी उन सभी को भर दिया गया है, केवल 23 पोस्टस खाली है जिनके लिए चयन सूची तैयार है। उनको भी हम निकट भविश्य में भरते जा रहे है। वहां पर दवाईयों और पट्टियों की बात है, मेरा पूरा प्रयास होगा कि जितनी दवाईया बांटेगे, वे पूरी ईमानदारी के साथ बांटेगे। अगर कही पर इनको कोई शिकायत हो या कही से कोई शिकायत

इनके पास आयी है तो यह मुझ बात दे, जो भी दोशी होगा उसको बख्भाा नही जाएगा।

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मै इस बात के लिए मंत्री जी की प्र ांसा करूंगा कि इन्होने डैपुटोन की प्रथा को खत्म कर दिया है। यह अच्दी बात है वरना गांव के होस्पीटलर्ज में डाक्टर्ज के नम दर्ज हो जाते थे और उनकी दूसरी जगह पोस्ट कर दिया जाता था। लेकिन स्पीकर सर, आज मेरा एक अनस्टार्ड क्वै ाचन था उसमें मैने पूछा थ्क जो सी0 एस0 सी0, पी0 एच0 सी0 सरकारी बिल्डिंगर्ज मे ंचल रहे है, उनकी कंडी ान क्या है। इन्होने बताया था 281 पी0 एचण सी0 में से 151 प्राईवेट बिल्डिंग में है, उनमें से 113 गवर्नमैंट और प्राईवेट दोनों मिलाकर बैड कंडी ान में है इसका मतलब यह है कि वे बडत्री अलांगि सिचवे ान में है। मै जानना चाहूंगा कि इस के बारे में मंत्री महोदया क्या स्टेप उठा रही है।

श्री अध्यक्ष: यह क्वै ाचन पोस्टिंग आफ डाक्टर्ज के बारे में है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठी: स्पीकर सर, वैसे तो इनके प्र न का उत्तर सदन के पटल पर रखा जा चुका है। परन्तु फिर भी यिद आपकी अनुमति हो तो मै आंकड़े बता देती हू़ं। इस बारे में मेरा प्रयास यह है कि सबसे पहले हम उन बिल्डिंगी को देखेगे जो अनसेफ घोशित हो चुकी है दूसरा प्रयास यह होगा कि हमारेय

यहां के अस्पताल जो प्राइवेट बिल्डिंगज में चल रहे है, धन की उपलब्धाता के आधार पर उनके लिए हम बिल्डिंगज बनाएंगे। वैस आपका सुझाव स्वागत योग्य है।

श्री सम्पत सिंहः धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदया यह भी बताएं कि जो डक्टर या उससे नीचे का स्टाफ विद पोस्ट शिफ्ट कर दिया गया है, क्या वे भी वापस भेजा जाएंगे?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर सर, ऐसी जानकारी मै विभाग से ले लूंगी। जहां ऐसी अनियमितता हुई है, उसे हम ठीक करेगे।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, बहिन जी स्वास्थ्य विभाग की बड़ी की काबिल मंत्री महोदया है, क्यो वे बताने का कश्ट करेगी कि मेरी कांस्टीचुएंसी में बवानी खेड़ा तहसील हैडक्वाटर पर आज तक कोई लेडी डाक्टर लगायी है?

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदया, ने अभी आश्वासन दिया है कि सारा स्टाफ पूरा कर देगे।

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, टोटल 23 पद खाली है जिन में से 3 पद मेरे ही क्षेत्र में खाली है। एक सिवानी सब

डिवीजन में, दूसरा बड़वा में और तीसरा बवानी खेड़ा में खाली है उन्हें अब तक भर देगे?

श्रीमती भाान्ति देवी राठी: स्पीकर सर, मेरे वरिश्ठ सदस्य की यह बात ठीक नही है। मैने कब कहा कि यह सब मैने कर दिया है, यह तो बहिन करतार देवी जी के टाईम से ही प्रोसैस चल रहा था, देरी होने की वजह से एक एड़हाक पर हमें निर्णय लेना पड़ा। जहां तक आपने दूसरा मुद्दा उठाया है, उस पर विचार किया जाएगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल: स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के की पी0 एच0 सी0 और सिविल हौस्पीटल का इंजैक ान लगाने वाला स्टाफ कई महीने से हड़ताल पर है। उनकी कुछ मांगे है। स्टाफ की हड़ताल से आम लोगों को बड़ी कठिनाई हो रही है।

Mr. Speaker: This question does not arise out it.

Loan given by Haryana State Finacial Corporation

624. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Indsutries be please to state the total amount ofloand given by the Haryana State Finacial Corporation to the Industries during the year 1992-93, toghether withthe names of such Industrics to which an amount of rupees more than fify lakhs has been given during said period?

Industries Minister (Sh. Lachhman Dass Arora): During the year 1992-93 anamount of Rs. 172.46 crores was

sancitioned as loan to 990 units and Rs. 91.82 crores disbursed to 650 units by Haryana Financila Corporation. An amount of Rs. 77.85 crore was sanctioned to 98 industrical units in which the loan amount was more than Rs. 50 lakhs. Further an amount of Rs. 28.86 crore was disbursed to 41 units n which loan amount was more than Rs. 50 lakhs. The names of these industrial units are given in Annexure I & II respectively which are laid on the table of the House.

ANNEXURE-1

List of Cases sanctioned during 1992-93 (Above Rs. 50 Lacs)

SR.	CN-NAME-AB	B-ADDRESS-IA	DOS-R-AB	AMT-SCNC-AD
1	Shivalik Prints Pvt. Ltd.	Plot No. 43, Sect, 6 Faridabad	14-05-92	9000000.00
2	Himanshu Dyeing Mills	Plot No. 18, Sect, 6 Faridabad	01-07-92	5146000.00
2	D&D Organicw Pvt. Ltd.	Plot No. 18, Sect, 25 Faridabad	25-08-92	9000000.00
4	Venus Metal (Regd.)	262-G, 262-H Sect. 24 Faridabad	30-09-92	5350000.00
5	Petcom Thrmal (P) Ltd.	Plot No. 70, Industrial Area, Faridabd	22-02-93	670000.00
6	Gwalior Smokeless Fuels	Vill. Gharot. Teh. Hathin, Faridabad	05-01-93	8500000.00
7	Rajdhan Extraction PVt. Ltd	Vill. Prithal, Teh, Palwal, Faridabad	19-11-92	9000000.00

8	Eokay Stricps Ltd.	Plot No. 169, Sector 24, Faridabad	22-02-93	5800000.00
9	Indo Fin Proucts Pvt. Ltd.	342, Sector 14, Faridabad	31-03-93	6440000.00
10	Marcanda Cermic Pvt. Ltd.	Bevali Mandkot Road, Palwal, Faridabad	05-01-93	6300000.00
11	Ina Polyster Button Ltd.	Vill Dundsa, Teh. Palwal Distt. Faridabad	22-03-93	6800000.00
12	Ind PloyBlanks Ltd.	Vill, Dundsa, Teh. Palwal, Distt. Faridabad	22-03-93	7000000.00
13	Gapps Industries	Vill. Mohammadpur, Dhandsa raod, Gurgaon	05-01-9	60600000.00
14	Rawalwasis Steel Plant (P) Ltd	6th Km Stone, DL Rd. Behind Jindal St. Hisar	14-05-92	7910000.00
15	Bhanu Steel (P) Ltd.	10th Km. Stone, Delhi Rd Hisar	25-08-92	7815000.00
16	Arcee Pipes (P) Ltd.	7th Km. Barwala Rd. Hissar	11-08-92	9000000.00

17	Hisar Cement (P) Ltd.	16th Km. Sirsa Road, Chiknawas, Hisar	30-09-92	8210000.00
18	Bhanu Industries Pvt. Ltd.	10th Km Stone, Delhi Road, Hisar	22-02-93	9000000.00
19	Nutex Duro Elast (P) Ltd.	HSIDC Indl. Area, Kunli, Sonepat	14-05-92	62000000.00
20	Jyoti Oil Inds (P) Ltd.	5th Km Stone, Vill. Sultanpur, Bahalgarh, Sonepat	01-07-92	9000000.00
21	Dinar Spinning Mills (P) Ltd.	V. & P.O. Kundli Sonepat	19-11-92	8439000.00
22	S.R. Oil & Fat Ltd.	Delhi-52 Depalpur Road Bahalgarh, Sonepat	05-01-93	9000000.00
23	Jyoti Vanaspati & Alliod Inds. Ltd.	5 Kms, Vill. Sultanpur, Behalgarh, Sonepat	05-01-93	9000000.00
24	Goel Spinning & Weaving Mills.	35.8 Km. G.T. Road Vill. Rasoi, Sonepat	30-12-92	6000000.00

25	Toyo Spring Ltd.	20th M.S.G.T. Road, Vill, Rasoi, Sonepat	19-11-92	8350000.00
26	Laj Smokeless Fuel Co. Pvt. Ltd.	V.&P.O. Farmanat, Guhana, Distt. Sonepat	19-11-92	7460000.00
27	S.V.B. Woolen (P) Ltd.	V. Chidana Gohana, 127/5 Gur Mandi, Panipat	14-05-92	8200000.00
28	Riba Processers	Panipat Gohana Road, Vill, Chidana	11-08-92	6000000.00
29	Advance Cement Co. (P) Ltd.	V. Ratour, Teh. N. Garh Ambala	11-08-92	9000000.00
30	Gold Laminates (Inida) (P) Ltd.	V.&P.O. Sabapur, Panchkula.	05-01-93	9000000.00
31	Malook chand Agroils Ltd.	Dabwali Road, Sirsa	14-05-92	7000000.00
32	Universal Enterprises	Adjoining IDC Hissar Road,	22-02-93	5816000.00

		Rohtak		
33	R.K. Insulation (P) Ltd.	1302, MIE Bahadurgarh, Rohtak	30-09-92	6360000.00
34	Arti Solves Pvt. Ltd.	Village-Jakhoda. Bahadurgarh, Rohtak	19-11-92	9000000.00
35	Karan Fabrics Ltd.	Khewant No. 36, Khatauni No. 68, MIE B/Garh	19-11-92	6300000.00
36	Aravali Alloys Ltd.	V.& P.O. Ratera, Teh. Bawani Khera Distt. Bhiwani	19-11-92	9000000.00
37	R.K. Inspat (P) Ltd.	51, Adarsh Nagar, Bhiwani	30-09-92	8165000.00
38	Gaba Overseas (P) Ltd.	Opp, Beas Project GT. Road, Sewah, Panipat	01-06-92	9000000.00
39	K.K. Spinners	57, Uggarsain colonly, Assandh Road, Panipat	14-05-92	9000000.00
40	Rajfibres (P) LTd.	85 KM. Stone, G.T. Road, Dewah, Panipat	21-07-92	6309000.00

41	Jai Parkash solvents (P) Ltd.	KarmalTrading Co. Saffidon Mandi Jindi	01-07-92	85000000.00
42	Sonil Brake Linings (P) Ltd.	55, Dhajuhera, Indil. Area, Rewari	01-07-92	7150000.00
43	Amar Suiting Ltd.	Industrial Area, Dharuhera	22-02-93	5475000.00
44	Sri. Baba Rupa Dass Spg. Mills Povt. Ltd.	P.O. Dungerwas Rewari	25-01-93	8500000.00
45	V.P.S. Agro Oils(P) Ltd.	V.Khanpur Kalan, The. Thanesar, KKR	14-05-92	7000000.00
46	Goyal Solvents (P) Ltd.	Cheeka Mandi, Kaithal	01-07-92	9000000.00
47	Vitrang Extracton	S.K. Jain Model Town, Jind Road Kaithal	01-07-92	6000000.00
48	Mahadev Solvent (P) Ltd.	G.T. Road Villa. Mansna, KKR	11-08-92	8900000.00
49	Pen India Consultants P.	Plot No. 105, Udyog Vihar, P-IV,	14-05-92	8300000.00

	Ltd.	Gurgaon		
50	Narain Jewels International (P) Ltd.	Plot No. 39-40, Udyog Vihar P-IV, Gurgaon	14-05-92	9000000.00
51	Bakshi Engineers Ltd.	240-41, Udyog Vihar Indl. Area. Ph-IV , GGN	27-04-92	6100000.00
52	Shree Vijay Dycing and Prining Mill (P) Ltd.	929/2, Khandsa Road, Gurgaon	01-07-92	8920000.00
53	Shiv Jyoti Cements (P) Ltd.	Teh. Taoru, Gurgaon	14-05-92	9000000.00
54	Dhanuka Pesticides Ltd.	V.Atta, P.O. Sohna, Sohna Mankola Road, GGN	14-05-92	7500000.00
55	Super Wood Craft (P) Ltd.	V.Atta Sohna Manakala, Gurgaon	11-08-92	5030000.00
56	Classic Dials (P) Ltd.	367, Ph-II, Udyog Vihar Gurgaon	14-05-92	9000000.00
57	Mangla Refineries (P) Ltd.	V.Atta, Sohna Mangkala, Gurgaon	30-09-92	9000000.00

58	P.M.G. Hotels (P) Ltd.	Plot No. 866, Udyog Vihar, Gurgaon	11-08-92	9000000.00
59	Pushp Chem. PLast Ltd.	Rep. Ka Meo,Guraon	01-07-92	8190000.00
60	Chawla Enterpriese Pvt. Ltd	Plot No. 14, Sector 18, Maruti Complex Gurgaon	11-08-92	9000000.00
61	Shiva Tapes (P) Ltd.	Plot No. 44, Rozka-Meo, Sohan, Gurgaon	25-08-92	7025000.00
62	Discover Prints (India) Pvt. Ltd.	133, Roz-Ka-Meo, Sohna, Gurgaon	19-11-92	9000000.00
63	R.S. Lables Pvt. Ltd.	198, Udyog Vihar Indl. Area, Gurgaon	19-11-92	9000000.00
64	Sohna Construction Pvt. Ltd	Sohna Indri Road V. Att, The. Nuh,Gurgaon	05-01-93	8018000.00
65	Uma Fabrics Pvt. Ltd.	102, Roz-Ka-Meo, Sohna Gurgaon	19-11-92	7045000.00
66	Raghbeer Machinery Pvt.	Chander I.E. Gurgaon	28-12-92	9000000.00

	Ltd.			
67	Ranee Polymers Pvt. Ltd.	202, Udyog Vihar Phase-1, Gurgaoon	05-01-93	7375000.00
68	G.T.I. Agro Tech. Pvt. Ltd.	Gurgaon	05-01-93	9000000.00
69	Prasha Electronice Ltd.	249-C, Phase-IV, Udyog Gurgaon	22-02-93	9000000.00
70	Krishn Kanahiya Milk Food (P) Ltd.	V. Sana, Distt. Ambala	16-04-92	8140000.00
71	Mamta Cement Co. (P) Ltd.	Vill. Khera The. Bara, Distt. Ambala	14-05-92	9000000.00
72	Barara Cement Co. (P) Ltd.	V.Pourion. P.O. Sohna Distt. Ambala	14-05-92	9000000.00
73	High Madri Wood Products (P) ltd.	Saha, Ambala	30-09-92	9000000.00
74	M.D.F. Wood Preducts (P)	V. Saha Ambala	30-09-92	9000000.00

	Ltd.			
75	Shree Swastika Agro Oil Inds. (P) Ltd.	V. Dhakola	19-11-92	7880000.00
76	B.R. Industries (P) Ltd.	Near Poja Filling Station, Jagadari	19-11-92	8545000.00
77	Surya Buttons (P) Ltd.	V.Khema Ahmedpur, Distt. Ambala	14-05-92	7460000.00
78	Adiyta Polyblanks (P) Ltd.	V.Khans, Ahemdpur Distt. Ambala	14-05-92	6000000.00
79	Ambala Coments (P) Ltd.	V.Ratewali, The. Kalka Distt. Ambala	01-07-92	9000000.00
80	Pee Pee Agro Inds. (p) Ltd.	V.Durkera, Hsr. Road, Ambala City		
81	Vallabhi Narrow Fabreis Pvt. Ltd.	Village & P.O. Durkra Hisar Road Ambala		
82	Chandigarh Ceramics Pvt.	Village Mouli, Ambala		

83	Surya Pipes (P) Ltd.	Vill. Saha (Ambala)		
84	Subhari Papers (P) Ltd.	V. Khansapur, Ambala		
85	Prim Remedies (P) Ltd.	Prime House, Chaura Baza, Karnal		
86	Prem Chand Food Industries (P) Ltd.	Outside Jundla Gate, Karnal		
87	Swastik Fats(P) Ltd.	Rama Motor G.T. Road Karnal		
88	Chhattar Chemical Ltd.	6th Kilometre Kaithla Road, Karnal		
89	Shrishti Agro Products Pvt. Ltd.	Barwala Distt. Ambala		
90	Riken Instrumentation Ltd.	1109. Sectpr 7. Panchkula		
91	Contour CNC Products P. Ltd.	296-P- Sect. 8 Panchkula Distt. Ambala		
92	Paramount Paper Mills	316. 9-A, PH-1, Panchkula-134108		

93	Paawan Agro Foods Ltd.	Kheranwala, Teh. Kalka, Distt. Ambala		
94	Roland Rubber Company Pvt. Ltd.	Kothi No. 78 A. Sector-17, Panckula		
95	Surya Pharmaceuticals	383 Indl. Area Panchkula		
96	Maa Bhagwati Oils & Fats Pvt. Ltd.	Plot No. 301, Indl. Area, F-II, Panckhla		
97	Polo Hotels Ltd.	Vill chowki, The. Kalka, Panchkula		
98	R.H. Meehatronice Pvt.	354, Phase-II, Indistrila Area Panchkula		

Annexure-II

List of Cases Disbursed/Give during 1992-93 (Above Rs. 50 Lacs) (Rs. In Lacs)

Sr. No.	Name of the Concern	Date of Sanction	Amount Sanctioned	Amount Disbursed
1	Competent Allys Pvt. Ltd. FBD.	04-02-92	90.000	66.999
2	Shivalik Prints (P) Ltd. FBD	14-05-92	90.000	90.000
3	Gee Kay Textiles (P) Ltd. Hisar	15-11-91	90.000	90.000
4	Gupta Indl. Gases (P) Hisar	04-02-92	83.700	51.320
5	Hisar Med. Diagnostic & Hospital (P) Ltd.	04-02-92	68.000	57.310
6	Bhanu Steel (P) Ltd. Hisar	25-08-92	78.150	72.900
7	Arce Pipes (P) Ltd. Hisar	11-08-92	90.000	70.210
8	Bhupesh Steel (P) Ltd.	23-12-91	86.000	67.650
9	Nutex Duro Plast (P) Ltd., Sonepat	14-05-92	62.000	62.000
10	Shaktiman Cement (P) Ltd.	23-12-91	90.000	90.000

	Jagdhari			
11	Sadhuara Extractions (P) Ltd., Sadhura	23-03-92	90.000	58.709
12	Shri Sunder Dass Setia SPG Sirsa	15-11-91	90.000	81.410
13	Malook Chand Vanspati Proucts Sirs	23-12-91	75.600	68.010
14	SSB Packagings (P) Ltd., B. Garh	16-09-91	70.640	60.547
15	Zodiac Cements (P) Ltd., Rohtak	23-12-91	90.000	90.000
16	Neohy Lampinates (P) Ltd., Rohtak	15-11-91	90.000	70.718
17	Sohna Cements (P) Ltd., Rohtak	04-02-92	90.000	81.000
18	Arihant Solvant Inds Pvt. Ltd., Rohtak	04-02-92	88.000	76.239
19	Aravali Alloys (P) Ltd., Bhiwani	19-11-92	90.000	53.800

20	Mahalakshmio Spinners (P) Ltd., Panipat	23-03-92	90.000	90.000
21	K.K. Spinners (P) Ltd., Panipat	14-05-92	90.000	57.100
22	Sainsons Papers Inds (P) Ltd., GGN	16-09-91	90.000	55.809
23	Mahadev Solvent (P) Ltd., KKR	11-08-92	89.000	53.070
24	Klapp Ploypack Inds. (P) Ltd., GGN	15-01-91	78.000	62.855
25	Omax Fusions Ltd., GGN	16-09-91	90.000	58.440
26	Deepika Extractins (P) Ltd., Gurgaon	15-11-91	79.970	63.270
27	Jyotika Granitles (P) Ltd., Gurgaon	23-12-91	83.200	71.320
28	Narain Jewels International (P) GGN	14-05-92	90.000	71.440
29	Dhankuka Pesticies Co (P) Ltd., Gurgaon	14-05-92	75.000	60.350

30	Pushp Chem. Plast Ltd., GGN	01-07-92	81.760	81.760
31	Kishan Kanahiya Milk Food (P) Ambala	15-04-92	81.400	79.770
32	Nitika Cements (P) Ltd., Ambala	23-03-92	90.000	79.499
33	Pee Pee Agro Inds (P) Ltd. Ambala	11-08-92	86.000	51.201
34	Goyal Solvents (P) Ltd., Panchkula	01-07-92	90.000	58.530
35	Karnal Milk Foods Ltd., Karnal	04-02-92	90.000	85.000
36	Sudha Food Pack (P) Ltd., Panchkula	23-12-91	85.000	82.270
37	Arun Poly Packs (P) Ltd., PKL	23-12-91	87.500	78.024
38	Apex Multitech Engg. (P) Ltd. PKL	23-03-92	72.620	72.620
39	Contour CNC Products (P) Ltd., PKL	14-05-92	90.000	82.909
40	Surya Pharmaceutical (P) Ltd., PKL	19-11-92	90.000	62.488

41	Golden Laminates (P) Ltd., PKL	15-11-91	90.000	69.630
			Total	**2886.117**

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मत्री महोदय ने बताया है कि 1992–93 में 990 इकाईयों को 172.46 करोड़ रूप्या सैक ान किया है। आउट आफ दी सैक ान्ड अमाउन्ट 91.82 करोड़ रूपया 650 यूनिट्स को दिया हैं दूसरी तरफ 98 औद्योगिक इकाईयों को जिनकी ऋण राि ा 50 लाख रूप्ये से अधिक है, 77.85 करोड़ रूप्ये सैक ान किये गये हैं इनमें से 41 इकाईयों को केवल 28.86 करोड़ रूप्ये वितरित किये हैं पहली बात तो यह है कि जब उनकी डिमांड थी और उनको लोने आपने आलरैडी सैक ान कर दिया तो यह कम पैसा देने की क्या वजह थी, क्या रीजन थे जिनकी वजह से इतना कम पैसा उन्होने दिया है या कोई और लैकूना है जिसकी वजह से लोन की पूरी अमाउन्ट सैक ान होने के बाद भी नही दी जाती है? एक बात और मैं पूछना चाहता हूं कि आप भी लोन देते है, एच0 एस0 आई0 डी0 सी0 भी लोन देती है। और बैक्स भी लोन देते है इन में से कोई आदमी/यूनिट एच0 एस0 आई0 डी0 सी0 या किसी दूसरे बैक्स का डिफाल्टर तो नही है या उसका उनके साथ कोई डिस्यूट तो नही है या कोई उनकी कम्पलेंट तो नही हे, क्या इस बारे में वेरीफाई करते है? स्पीकर साहब, एन0 आर0 आईज0 के बारे में मुख्य मंत्री जी बाहर भी जाकर आये है और उनसे मिले भी है। उद्योग मंत्री जी ने ब्यान भी दिया था। मै उनसे यह जाानना चाहता हूं कि इनमें कोई एन0 आर0 आईज0 भी है। जिनको लोन मिला है, अगर नही है तो क्यो नही है?

श्री लछमन दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, मेरे आदरणीय दोस्त ने पहल बात तो यह पूछी है। कि क्या ऐसे नार्म्ज है कि एच0 एस0 आई0 डी0 सी0 या किसी दूसरे बैक्स का अगर किसी पार्टी के साथ कोई डिस्यूट है या कोई डिफाल्टर है, हम उसके वेरीफाई करते है। बोर्ड आफ डयरैक्टर्ज उसके वेरीफाई करता है। वैरीफाई करने के बाद लोन सैक ान किया जाता हैं, फिर उसकी डिस्बर्सैमैट की जाती हैं माननीय सदस्य ने इस बात का भी जिकर किया कि कितने एन0 आर0 आईज0 को लोन दिया जाता है, इस बारे में बताना चाहता हूं कि हमने दिल्ली और रोहतक में भी कैप्स लगाये है। वहां पर ये लोग आते है। काफी तादाद में एम0 ओ0 यू0 साईन हो चुके है। इस तरह से हमारे पास लोग स्टैपवाईज आ रहे है।

प्रो0 सम्पत सिह: क्या इनमें से कोई आपके पास लोन लेने के लिए आया है? (व्यवधान व भाोर) स्पीकर साहब, मैने दो बातें और पूछी थी। लेकिन उनका जवाब भी नही आया है। कृपया करके उनका जवाब भी दे दें। दूसरे क्या इन (एन0 आर0 आईज0) में से कोई लोन लेने के लिए आपके पास आया है? दूसरे यह कि सैक ान्ड मनी तो बहुत ज्यादा है लेकिन जो दिया गया है, वह बहुत ही कम है। इसका क्या कारण है? इनका जवाब तो रह ही गया है।

श्री लछमन दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, यह बात तो ठीक है कि सैक ान्ड मनी काफी ज्यादा है। मै आपको यह बताना

चाहूंगा कि पहले थोड़ा दिया जाता है। इसके प्रोसैस में थोड़ा सा टाईम लग जात है। 3–4 महीने का टाईम लग जात है। इसके बाद स्टैप वाईज हम पैसा देते रहते है। इसके बारे में कोई अड़चन नही है।

प्रो0 सम्पत सिंहः क्या किसी एन0 आर0 आई0 को भी अपने लोन दिया है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः किसी एन0 आर0 आई0 की हमारे पास डिमांड ही नही है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मुझे आप माफ करेगे मै आपीन बात को फिर दोहरा रहा हूं। इन्होने विदे ाों में जाकर एन0 आर0 आईज0 को परसू करने की बहुत कोि ा ज्ञ की है। मुख्य मंत्री लेवल पर भी कोि ा ा हुई हैं इंडस्ट्रीज मिनिस्टर श्री अरोड़ा और सैकेट्री, इंडस्ट्रीज लेवल पर भी उनकी परसूए ान के बावजूद किसी भी एन0 आर0 आई0 ने डिमांड नही की, इसका क्या कारण है? क्या कही पर कोई रूकावट तो नही है?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई बात नही हैं हरियाणा फाइनैि ायल कारपोरे ान लिमिटिड लोन देती है जबकि एन0 आर0 आईज0 जो बाहर से आते है उन को बड़ा लोन चाहिए हातहै। बड़ा लोन एच0एफ0सी0 से मिलता नही हैं, वह आई0 डी0 बी0 आई0 से लेते है। हां, अगर किसी को छोटी इंडस्ट्री लगाने के लिए चाहिए, तो हमारे पास आसकता है।

श्री लछमन दास अरोड़ाः सर, वैसे तो यह क्वैश्चन इनका रिलेटिड ही नही हैं मगर जैसे कि मुख्य मंत्री जी ने अब जवाब दे दियहै लेकिन फिर भी अगर इनको और डिटेल्ज चाहिए, तो यह नोटिस दे दे, बता देगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः मै मत्री महोदस ये आपके द्वारा यह पूछना चाहता हूं कि एच0 एफ0 सी0 की तरफ से जो लोन दिया जाता है, उसको देने के लिए क्या क्राइटेरिया है? क्या–क्या कंडीशन्ज उसको पूरी करनी होती है, जब जाकर हमारी कस कारपोरेशन लोन देती हैं वर्श 1992–93 में जो लोन दिया गया है, वह कितने यूनिट्स ने एप्लाई किया, उनमें से कितनों को लोन दिया गया है, कितनों को इग्नोर किया गया और क्यों इग्नोर किया गया। क्या वे प्रस्क्राईब्ड क्राइटेरिया पूरा नही करते थे? अगर वे भी काइटेरिया पूरा करते थे तो क्या उनको भी चालू वर्श में लोन दिया जायेगा?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, मेरे साथी ने किसी को इग्नोर करने की बात कही है। मै उनको बताना चाहता हूं कि किसी को भी इग्नोर नही किया गया। यह प्रश्न वर्श 1992–93 के बारे में है और मै बताना चाहता हूं कि 990 यूनिट्स को लोन स्वीकर किए किए और 650 यूनिट्स को डिसबर्समैंट की गई है। प्रश्न में यह भी पूछा था कि जिनकों पचास लाख रूपए से अधिक ऋण दिया गया, उनके नाम बताए जाएं। उसका रिप्लाई दे दिया है।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः मैने ये पूछा है कि कितने लोगों ने ऐप्लाई किया और उनमें से कितने लोग इग्नोर हुए है।

श्री लछमन दास अरोडाः स्पीकर साहब, जो लोग भार्त पूरी करते थे, उन सब को पूरा लोन दिया है। कोई जैनविन केस ऐसा नही होगा, जिसको लोन सैक ान न हुआ हो और डिस्बर्समैंट न हुई हो।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, वर्श 1992–93 में 990 यूनिट्स को एच0 एफ0 सी0 ने लोन सैक ान किया और उनमें से 650 यूनिट्स को लोन दिया है। मै कैटिगोरिकली स्पैसिफिक एक सवाल आपके माध्यम से उद्योग मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि एच0 एफ0 सी0 के पास वर्श 1992–93 में कितने ऐप्लकेट्स आए और एच0एफ0सी0 ने लोगन सैक ान करते समय क्या क्राईटेरिया रखा? लोन सैक ान करते समय किस बात को इन्होने प्राथमिकता दी? क्या जो यूनिट चालू थे उनको प्राथमिकता दी या जिन यूनिट्स की प्रोजेक्ट रिपोर्ट आ गई थी उनको प्राथमिकता दी? मै मंत्री जी से यही पूछना चाहता हूं कि लोन सैक ान करते समय किस बात को इन्होने प्राथमिकता दी और इनके पास कितने ऐप्लीकेट्स आए?

श्री लछमन दास अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, मै इस बात का जवाब तकरीबन दे चुका हूं। मै एक बार फिर बता देता हूं कि जिनहोने नार्म्ज पूरे किए, उनको प्रायरिटी पर लिया गया है। कोई

भी ऐसा कैंडीडेट नही है जो नार्म पूरे करता हो और उसको छोड़ा गया हो।

Digging of Chatang Drain

613. Sh. Ram Kumar Katwal: Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether the digging work of chatang Drain (from Nilokheri to Khargadia) has been completed; if not, the reason thereof?

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): Chatang drain is functioning form Nilikheri to Nisshing and water is being drained to reiver Yamuna throught Indri drain. From Nissing to Khargadis, scheme is under investigation.

श्री राम कुमार कटवालः स्पीकर साहब, मंत्री जी न जवाब दिया है कि निसिग से खारगादिया तक स्कीम जांच पड़ताल अधीन है। स्पीकर साहब, यह कोई कत्ल को केस नही है जिसको जांच पड़ताल की जा रही हैं यह तो चतांग ड्रेन का केस है। इस ड्रेन से चवालीस गांव बाढ़ से पीड़ित हुए है और जो नुकसान हुआ है वह मै बता देता हूं 19121 एकड़ में जीरी का नुकसान है। 3120 एकड़ में कपास का नुकसान 1300 एकड़ में चारे का नुकसान 900 एकड़ में अरहर का नुकसान 2300 एकड़ में बाजरा का नुकसान और वहां पर 3000 मुगे मरे है। औश्र एक गांव का पंडित था, वह मर गया। इसलिए वहां पर जांच पड़ताल की जरूरत नही है वहां पर तो तसला कस्सी की जरूरत है। तसला कसी लेकर उस ड्रेन को बनवाओ।

श्री अध्यक्षः आप क्वै चन पूछिए।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मै इनकी सभी बातों का जवाब दे देता हूं।

श्री अध्यक्षः आप अलाइनमैंट के बारे में बताए। आपने कहा है यह जमुना में डाल दी गई हैं जमुना में तो डाल दी है, यह ठीक है लेकिन इसका दूसरा हिस्सा इनके साईड में जाता है।

चौधरी जगदी ा नेहराः इस ड्रेन में जो पानी चलता है। वह सढौरा की तरफ से चलता है, वह पानी रादौर, नीलोखेड़ी से नीसिग इधर जींद साईड में जो खरगा दिया कह रहे है और फिर हांसी ब्रांच जो बनी हुई है, उसमें से होकर हांसी को फलड करती हैं यह नेचुरल तरीका था। आज सिचुऐ ान यह है कि सड़के बन गई है, नहरे बन गई है। निसिग में इन्दी ड्रैन आउट करने के लिए 20 क्यूसिक का पप्म लगा हुआ है। यह इसलिए किया गया है कि जो हांसी ब्रांच के पास पम्प लगा हुआ है, वहां अब ग्रेवटी का फलो नही रहा हैं पहले तो ग्रेवटी से जाता था लेकन अब वहां पर हांसी ब्रांच बहुत बड़ी बन गई है। पहले तो ग्रेवटी से जाता थ्झा लेकिन अब वहां पर हांसी ब्रांच बहुत बड़ी गन गई है। इसलिए इसको 1960 में डाईवेर्ट करके यमुना में डाला गया था क्योंकि यह सारा फलड इन एरियाज औरहांसी एरियाज को खरबा करता था और आगे हांसी की तरफ ग्रेवटी की फलों नही थी। इसलिए यह निसिग से कंवर्ट करके यमुना में डाला

गया। अब इनका मतलब यह है कि निसिग से दतरथ और खगादिया तक नहर पूरी बननी चाहिए ताकि जो पानी इस बार बोवर फलो हुआ है, वह कई जलगहों पर आउट हो गया और उस पानी ने बहुत सी जगहों पर नुकसान भी किया और इनका मतलब यह भी है कि इस ढंग की ड्रेन हांसी ब्रांच तक ओर खरगादियां तक बननी चाहिए। यह जो स्कीम है, यह पले की हैं मन्जूर की हुई थी लेकिन इसकी खुदायी दो अढ़ाई किलोमीटर के करीब हुई है। आगे दतरथ की अलग हुई है। दतरथ से निर्सिग तक का 32 किलोमेंअर एरिया का है, वह जींद जिला में पड़ता है ओ वहां के लोगों ने इसका विरोध किया और इस बार जब मुख्य मंत्री महोदय निसिग गये ओर फ्लड की स्थिति का उन्होने निरीक्षण किया तो लोगों ने उन से कहा ओर ि ाकायत भी की जैसा कि राम कुमार जी कह रहे है कि इस इलाके में भी पानी दिया जाए। जितना पानी इससाल में अयाहै पिछले सालों में आत क कभी ऐसा नही आय, जिसने स्पैल आउट करके हांसी ब्रांच तक मार्क किया हो। इससे पहले कभी ऐसा नही हुआ। यह मामला अन्डर कंसिड्रेरे ान है। इसलिए वहां के लोग जो इसका विरोध करते थे, उनसे भी में इस बारे में पूछना पड़ेगा और इस सारे मामले को इवेस्टीगे ान करके इसकी कार्यवाही करेगे।

Damage caused due to Hailstorm in District Panipat

638. Sh. Satbir Singh Kadian: Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) Whether is is a fact that the crops of District Panipat damaged due to hailstorm duirng the moth of March, 1993; and

(b) If so, whether any relicy/compensation has been given to the affected farmers for the said loss?

राजस्व मंत्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) जीं हां।

(ख) जिन किसानों की फसलें मार्च, 1993 में हुई ओलावृश्टि से क्षतिग्रस्त हुई थी, उन्हें 14357/– रूपये दिऐ जा चुके है।

श्री सतबरी सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस 14 हजार रूपये में कितने गांव आते है ओर क्या मार्च से अब तक कोई पैसा बांटा भी गया है या नही? यदि बांटा है तो पर एकड़ कम स कम और ज्यादा से ज्यादा कितना पैसा दिया गया है।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपने साथी को यह बताना चाहता हूं कि खरबाबा सातपुर, पालई व खेड़ी में हुआ है। और किस किस रे ों में यह पैसा बांटा गया है, वह मै बता देता हूं। स्पीकर साहब, जां खड़ी फसलों में 75 परसैन्ट से अधिक नुक्सान हुआ है, वहां 400 रूपया पर एकड के हिसाब से दिया गया है। जहां सब्जियों में 75 परसैन्ट नुक्सान हुआ है। वहां 600

रूपये प्रति एकड़ और जहां 50 से 75 परसैन्ट के बीच में हुआ है, वहां 300 रूपये प्रति एकड़ और सब्जियों पर नुक्सान होने पर 500 रूपये प्रति एकड़ और जहां 25 परसैन्ट से अधिक और 50 परसैन्अ से कम नुक्सान हुआ है, वहां 200 रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से दिया गया है। ओर सब्जियों के लिए 400 रूपये प्रति एकड़ का दिया गया है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः पानीपत अकेले में कितना नुकसान हुआ है?

श्री निर्मल सिंहः पानीपत अकेले में 71 गांवों में नुक्सान हुआ है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मै इनको बताना चाहता हूं कि पैसा आज तक नही बंटा है। यह सारी रिपोर्ट झूठी और गलत है। मंत्री जी हाउस को गुमराह कर रहे हैं बंटना और भेजना यहा दो अलग अलग चीजे है। आप स्थिति क्लीयर करें।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस सारे मामले को मै दोबारा चैक अप करवा लूंगा।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Desilting of Dulehra Distributary

629. Sh. Dhirpa; Singh: Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) Whether there is anhy proposal under consideration of the Govt. to desilt the Dulehra Distributary during the year 1993-94; and

(b) If so, the total amount allocated for the purpose as referred to above?

Irrigation Minister (Ch. Jagdsih Nehra):

(a) Yes.

(b) 6.50 lacs.

Milk Plants in the State

619. Dr. Ram Parkash: Will the Minister for Cooperation be pleased to state—

(a) The number of Milk plants alongwith their locations under the Cooperative Sector in the State together with the capacity of each plant as at present; and

(b) Whether these plants are running in profit or loss at present?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया):

(क) तथा (ख) ब्यौरे का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(अ) राज्य में सहकारी क्षेत्र के अन्तर्गत 7 दुग्ध संयंत्र कार्य कर रहे है ओर उनकी स्थिति एंव क्षमता निम्न प्रकार से हैः–

जींद	1,00,000 लीटर प्रति दिन
भिवानी	15,000 लीटर प्रति दिन
अम्बाला	70,000 लीटर प्रति दिन
रोहतक	1,00,000 लीटर प्रति दिन
बल्लभगढ़	1,00,000 लीटर प्रति दिन
हिसार	30,000 लीटर प्रति दिन
सिरसा	1,00,000 लीटर प्रति दिन

(ब) सिरसा दुग्ध संयंत्र अभी निर्माणधीनहैं अतः इसे कोई लाभ या हानि नही हुई हैं कन्डैसड मिल्क प्लांट भिवानी, अप्रैल, 1986 से बन्द पड़ा है। वर्श 1992–93 में इसको मूल्यह्यस ब्याज तथा रखरखाव के कारण 6.67 लाख रूपये की हानि हुई हैं हिसार दुग्ध संयंत्र भी इससमय बन्द पड़ा है, परन्तु इसकी लाभ हानि हिसार–जींद दुग्ध संघ के लेखों में दर्शाई जाती है।

01.04.92 से और सभी प्लांट जो इस वक्त चल रहे है विभिन्न दुग्ध संघों को पट्टे पर दिये गये थे। दुग्ध संयंत्रों के

कार्य की अलग बैलेंस भीट नही बनाते बल्कि संघ के कार्य की और प्लांट के कार्य की इक्टठी ही बैलैस भीट बनाते है क्योंकि एक ही बही खाता रखा जाता है। उन दुग्ध संघों को जिनके पास दुग्ध संयंत्र पट्टे पर है, वर्श 1992–93 का लाभ हानि का ब्यौरा इस प्रकार हैः–

(i) अम्बाला दुग्ध संघ जिसके पास दुग्ध संयंत्र अम्बाला पट्टे पर है, ने 1.25 लाख रूपये का लाभ कमाया है।

(ii) हिसार–जींद दुग्ध संघ, जिसके पास जींद तथा हिसार प्लांट पट्टे पर है, ने 21.42 लाख रूपये की हानि उठाई है।

(iii) गुडगांवा–रोहतक दुग्ध संघ, जिनके पास दुग्ध संयंत्र बल्लभगढ़ तथा रोहतक प्लांट पट्टे पर है, नें 79.47 लाख रूपये की हानि उठाई है।

653. Ch. Zile Singh Jakhar: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state—

(a) Wheter there is ony proposal under consideration of the Government to repari and widen the Chhuhhakwas narnaul Road and to trepair the Salhawas to Sudhrana road, and

(b) If so, the time by which the said roads are likelyu to be repaired/widened?

लोक निर्माण भवन तथा सड़क मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) तथा (ख) छूछकवास–नारनौल सड़के को चौड़ा करने का कोई प्रस्ताव नही है। सड़क की मुरम्मत का कार्य प्रगति पर है। साल्हावास–सुधरान सड़के की मुरम्मत को कार्य भी प्रगति पर है। मुरम्मत के कार्य को पूरा करना धन राशि की उपलब्धि पर निर्भर होगा।

Profit Earned by Haryana Seeds Development Coroporation Limited

652. Sh Jai Singh Rana: Will the Minister for Agricultre be pleased to state the total profit earned and loss suffered by Haryana Seeds Development Corporation Ltd., during the year 1991-92, 1992-93 and 1993-94?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिह) हरियाणा बीज विकास निगम द्वारा अर्जित लाभ का विवरणी सदन के पटल पर रखी जानी हैं

विवरणी

हरियाणा बीज विकास निगम द्वारा अर्जित लाभ की विवरणी

वर्श	मूल्य हास से पूर्व लाभ	(रूपये लाखों में) मूल्य हास के बाद

		लाभ
1991—92 (वास्तविक)	111.76	66.77
1992—93 (अस्थाई)	116.00	76.00

वर्श 1993—91 31मार्च, 1994 को समाप्त होगा।

Supply of Electricity

643. Sh. Krishan Lal: Will the Minister for Power be pleased to state the number of hours for which electricity is being supplied daily to the farmers in Madlauda sub-division?

बिजली मंत्री (श्री0 ए0 सी0 चौधरी): मडलौडा उप—मण्डल के किसानों को प्रतिदिन 7 घण्टे बिजली दी जा रही है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Construction of water Works

120. Sh. Mani Ram Rupawas: Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) Whether ther is any proposal under consideration of the Government to construct the following water works:—

(i) At village Gusiyana in district Sirsa.

(ii) At village Shahpuria in district Sirsa.

(iii) At village Irniyawali in district Sirsa.

(iv) At village Narailkhera in district Sirsa.

(b) If so, the time by which the aforesaid water works are likely to be constructed?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर):

(क)	1 से 3	जी हा।
	(4)	जी नही।
(ख)	1—गुसीयाना	6/94 तक
	2— शाहपुरिया	12/94 तक
	3—इरनियावाली	3/94 तक
	4—नरेल खेड़ा	जल पूर्ति पहले से ही पाटली डावर जलघर से की जा रही है। तथा अलग में जलघर बनाने की योजना नही है।

Opening of New Primary Schools

135. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for education be pleased to state whether any new primary schools have been opened in the state during the period from

1st April, 1993 to date; if so, the district wise number and location thereof?

शिक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): कोई नया राजकीय प्राथमिक विद्यालय नही खोला गया है।

Accidents occurred in the state

136. Sh. Sampat Singh: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The total number of motor vehicles and other accidents occurred in the state during the period form 11-08-92 to 10-08-93;

(b) The total number of persons died or injured in the abvoe siad accidents during the said period separately; and

(c) The amount of compensation; if any, paid by the Govt. to the persons injured and the families of the deceased involoved in the said accidents?

Interim Reply

“D.O. No. 52/5/93-7HGII

Bhajan lal Chief Minister,

Haryana Chandigarh

Dt. 01-09-93

Subject: Unstarred Assembly Question No. 136 fixed for reply on 02-09-93.

My Dear Speaker Sabhi,

The unstarred Assembily Question No. 136 relates to motor vehicle and other accidents that occured in the state durig the period from 11-08-92 to 10-08-93. Information relating to this question will have to collected from all the District Police Offices and District Tansport Offices which is a lengthy exercise. It is, therefore, not possible to submit the reply at a short notice by 2nd September, 1993.

I, therefore, request you to kindly grant extension of time for replying to this un-starred Assembly question.

with regards

Yours Sincerely,

(Bhajan Lal)

Sh. Ishwar Singh,

Speaker,

Haryana Vidhal Sabha

Chandigarh.

Building of P.H.C., C.H.C. and Hospital

137. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Health be pleased to state the number of Govt. P.H.C., C.H.C. Hospitals working in the building which are not in good condition or in private building which are not in good condition or in private building separately at present?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती भाान्दि देवी राठी):

	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र		हस्पताल	
	अच्छी हालत	खराब हालत	अच्छी हालत	खराब हालत	अच्छी हालत	खराब हालत
सरकारी भवन	130	35	45	14	37	10
प्राईवेट भवन	151	78				

Power Sub Station

138. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Power be pleased to state the number of pleace of power sub-station set up during the years 1990-91, 1991-92, 1992-93 to date in the state?

बिजली मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी) विवरण इस प्रकार है:—

	1990—91	1991—92	1992—93	1993—94
				(7/93 तक) (4 माह की अवधि)

चालू किए गए नए उप–केन्द्र	15	13	12	9

Repair of Rohana and Sardara Minors

124. Sh. Suraj Mal: Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) Whethere the Govt. intend to repair defective lining of Rohana and Sardara minor; and

(b) If so, the time by which the work referred to in part (a) above is likely to be completed?

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) हां जी।

(ख) यह कार्य धन की उपलब्धि पर वर्श 1994–95 के दौरान पूर्ण किया जाना सम्भावित है।

Construction of Hassangarh, Nuna Majra and Mandonthi Minors

125. Sh. Suraj Mal: Will the Minister for Irriation be pleased to state—

(a) Whethere ther eis any proposal under consideration of the Govt. for early construction of Hasangarh minor, NunaMajra and Mandonthi minor; and

(b) If so, the time by which the work is likely to be started constuction thereon?

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) हां जी।

(ख) हसनगढ माइनरका निर्माण कार्य पहले ही आरम्भ हो चुका है ओर नूना–माजरा माइनर तथा मान्डोंठी माइनर को आगे बढ़ाने का कार्य धन की उपलब्धि पर वर्श 1994–95 के दौरान आरम्भ किया जाना प्रस्तावित है।

ध्यानकर्शण प्रस्ताव–

लोहारू नहर तथा अनय उठान सिंचाई योजनओं से बह निकलने वाले पानी से खड़ी फसलों को भारी हानि सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon'ble members, I have received a Calling Attention Notice from Saryshri Dharam Pal Singh, Chhattar Singh and Amar Singh. M.L.As, regarding great loss being caused to the standing crops by the water of Escapes from Loharu Canal and other lift irrigation schemes. I admit it. Sh. Dharam Pal may read his notice and the concerned Minister may make the statement there after.

श्री धर्म पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ध्यान कए अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलानाचाहता हूं कि लोहारू नहर तथ अन्य उठान सिंचाई योजनओं से बह निकलने वाले पानी से खड़ी फसलों को भारी

नुक्सान होता है अथवा पानी खडत्रा रहने के कारण जमीन पर खेती नही होती है। अतः मै सरकार से निवेदन करता हूं कि वह इस संबंध में एक वक्तव्य दें।

सिचाई मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): The Hight lands Bhiwnai, Mohindergarh, Rewari and part of Rohtak are being irrigated by the Lift canals of J.L.N. Loharu, Sewani and Jui Systems. The water is lifted to maximum of 464, on JLN Canal, 140 ft. on Sewani Canal 130 ft. on Jui Canal System and 215 ift. on Loharu Canal throught a series of Pump Houses provided at various locations for irrigation purposes. All these pumps are electrically operated. In case of electric break-dwon the water between the two pumphouses escapes so that there is no mishap in the channel. Escapes are intergral part of Lift Irrigation System and this act as safety valves for channels. Total number of Pump Houses is follows:—

Loharu	20
J.L.N	98
Siwani	9
Jui	16
Total	143

Escapes have been providing upstream on various pump houses on all the Lift Irritation Systems mentioned above. At some of these escapes, storage reservoirs have been

constructed after acquisition of land at the cost of the Government. The escaped water is stored in these reservoirs and is pumped back into the channels, when the electricity is restored. As far as possible, the escapes are allowed to run for the minimum possible period by prompt coordination with H.S.E.B Officers and the faults are got repaired at the earliest. Moreover the pump Houses on Major chances of power failure. But still there are instances when the water escapes on the adjoining private lands as and when there is any power failure/breakdown.

In case there is any damage to standing crops due to flooding from escaped waters, crop compensation is paid after due verification by the /Revenue Staff and sanction from the competent authority. Since the Lift Irrigation Schemes irrigate undulating sandy areas escaped water is useful for irrigation and recharge of the ground water is helpful to the land owners.

श्री धर्मपाल सिंह: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पम्प हाउस नम्बर दो के पीछे कामोद और रोहड़ गांव के पास, क्या एस्केप बनाया हुआ है? वहां पर पानी से फसले बर्बाद हुई हैं जमीन बर्बाद हुई है, क्या उन किसानों को आज तक कोई मुआवजा दिया गया है, अगर नही दिया गया है तो कब तक देने का विचार है?

चौधरी जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, माननीय सदस्यने जिस गांव का नाम लियाहै उसके बारे में तो मै इस समय कुछ नही कह सकता क्योंकि टोटल 143 पम्प हाउसिज लगे हुए

है। इस समय एक एक पम्प हाउस के बारे में मेरे पास डिटेल नही है। स्पीकर साहब, लौहारू माइनर 1150 क्यूसिक्त की हैं जे0 एल0 एन0 3200 क्यूसिक्स की है ओर सिवानी माइनर 300 क्यूसिक्स को है। माननीय सदस्य ने रेलेवैंट सवाल पूछा है। स्पीकर साहब, बिजली ब्रेक डाउन होती है, इसमें कोढ दो राय नही हैं मैने आपने जवाब में भी बताया है कि बिजली ब्रेक डाउन के कई कारण हो सकते है। जैसे इनडिपैडैट फीडर थे, उनमें से लोगों ने बिजली ले ली तो ओवर लोड की वजह से बिजली का ब्रेक डाउन हो जाता है। इसके अलावा, माननीय सदस्य ने कम्पनसे ान देने के बारे में पूछा हैं वहां पर किसानों को दो दफा कम्पनसे ान दिया गया। एक दफा 128380.30 रूपए दिया गया और दूसरी दफा 142680 रूपए दिया गया।

श्री धर्मपाल सिंहः यह पैसा कब दिया गया था?

चौधरी जगदी ा नेहराः 12.03.1987 को दिया गयाथा। इसी तरह से 5 लाख रूपए का एस्टिमेंट है, अलग अलग तो नही कह सकता कि कौन कौन से पप्म होउस को है क्योयं टोटल 143 पम्प हाउसिज है लेकिन 5 लाख रूपए कम्पनसे ान देने का एस्टिमेंट बना रखा है। वहां पर कई जगह गवर्नमैंट की जमीन है ओर कई जगह प्राईवेट लैंड हैं जहां पनर गवर्नमैंट की जमीन है उसमें पानी स्टोर करके वापिस चैनल में डालते है। जहां जहां प किसानों का नुक्सान होता है, अथोरिटीज उसको चैक करके कम्पनसे ान देने की बात करती हैं कई जगहों पर किसानों को

उस पानी से फायदा भी होता है क्योंकि कई जगहो ंपर टिब्बे है, यदि टिब्बे के एरिया में पानी जाएगा तो उससे किसानों को बहुत फायदा होता है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जवाब दिया है। "At some of these escapes, storage reservors have been constrncted after acquisition of land at the cost of the Government." मै यह जानना हूं कि क्या किसी जगह पर अब तक कोई रिजरवायर बनाया गया है, उअगर नही बनाया गया तो क्या सरकार वहां पर रिजरवायर बनाने की आव यकता नही समझती और यदि बनाए है तो कहां कहा पर बनाए है? स्पीकर साहब भााहड़वा सिवानी माइनर पर 9 पम्प हाउसिज लगे हुए है। उनके लिए बिजली बहुत कम उपलब्ध है। जहां एस्केप में पानी खड़ा है, उसके और भााहड़वा गांव के बीच में एक टिब्बा हैं अगर वह टिब्बा होता तो वहा पानी आए साल किसानों की फसलों को बर्बाद करता। यदि किसानों की फसले होती तो सरकार को मुआवजा देना पड़ता। वहां पर जो पानी इकट्ठा हाता है, उसके लिए एक नाला बनाकर टिब्बे को क्रोस करके आगे पानी दिया जा सकता है। उससे आबपा ी बढ़ेगी और सरकार कम्पनसै ान देने से बच जाएगी। स्पीकर साहब, मै यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार वहां पर नाला बनाने के बारे में विचार करेगी और इस बारे में एग्जामिन करवा करके नाला बनाने का काम कब तक भाुरू करवाऐं?

चौधरी जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, इनका पहला सवाल यह है कि क्या गवर्नमैंट ने जमीन ऐक्वायर की है और वहां पर स्टोरिया कैपेसिटी बनाइ हैं गवर्नमैंट ने 5 जगहों पर जमीन ऐक्वायर की हैं जहां जमीन ऐक्वायर की हे, वहां 5 जगहें ऐसी है जहां स्टोरिग कैपेसिटी कुछ नेचुरल बनी हुई है और कुछ सरकार ने बनाई है। (विध्न) टोटल 145 जगहें ऐसी है लेकिन मै उनके नाम इस वक्त नही बता सकता। (विध्न) ये जो पांच नाम है, ये भी मैं इस वक्त नही बता सकता। स्पीकर साहब, हम यह चाहते है कि ओर जगहों पर भी जहां पानी से ज्यादा नुकसान होता है, जमीन ऐक्वायर करके स्टोरिग कैपेसिटी बनाएं दूसरा सवाल इन्होने यह पूछा है कि क्या ऐसे सम्भावना को एग्जामिन करेगे कि जहां पानी स्टोरड है, वहां आग्र चैलन बना करके पानी जा सके। हम इसको एग्जामिन कर लेगे और अगर उससे किसान को सुविधा हो सके तो उसको करान की पूरी कोशिश करेगे।

श्री धर्मपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै आप के माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि फीडर नं0 –1 ओर फीडर नं0–2 जो लोहारू की है, क्या उस को भी एग्जामिन करवाएंगे?

चौधरी जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, इन्होने जो फीडर नं0 1 और फीडर नं0 2 के बारे में कहा है, उसको भी एग्जामिन करवाएंगे और जो किसान की सुवधिा के लिए ओर सरकार के जो साधन है, उनके मुताबिक जो होसकता है जरूर करेगे।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि ऐस्केप होना जरूरी है, मंत्री होदय की इस बात से तो मै सहमत हूं। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम सें मंत्री जी से प्रार्थना करनाचाहता हूं और बताना चाहता हूं कि जुई कैनाल को जो ऐस्केप है, लुहानी गांव के करीब जा कर देख लें पानी वहां पर भरा रहता हैं जिससे फसल बरबाद होती हैं लोहारू कैनाल के पम्प हाउस नं0 1 पर काफी फसल बर्बाद होती है लेकन सरकार इस और ध्यान नही देती। मै मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वे रैवेन्यू डिपार्टमैंट या आपने विभाग के अफिसर्ज से स्पैशल गिरवादवी करवाने का कोई पबन्ध नकरये जो अभी ताक तक नही किया गया औश्र न ही किसानों को मुआवजा दिलाने का कोढ प्रोविजन किया है। जिससे किसान आज बुरी तरह से परेशान है। आज सेवेरे हमारा सवाल भी था ओर मत्री महोदय कम से कम यह तो पता लगा कर आते कि टोटल कितनी रिजरवायर है और कहां क्या होनाहैं वहां परन तो पानी पम्प आउट किया जाता है। ओर न ही किसान को कक्पनीसे न दिया जाता है। (विध्न) यह ठीक है। कि जैसा सवाल का जवाब महकमा तैयार कर के दे देता है, वैसा आप हमें यहां आकर, उसके मुताबिक गुमराक करने की कोशिश करते हैं हम दुखी तो है लेकिन गुमराह नही हो सकते। हम पीड़ितहै। इस लिए आपसे केवल प्रार्थना ही कर सकते हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से गुजारिश करूंगा कि वे हमारी प्रार्थना पर ध्यान देते हुए कदम उठाए।

चौधरी जगदीश नेहराः स्पीकर सर, जैसे इन्होने कहा कि जुई के पास लौहानी गांव है ओर लोहारू पम्प हाउस के बारे में, जैसे श्री धर्मपाल जी ने भी कहा है, नं0–1 और नं0–2 पर मै खुद जा कर देखूंगा और जो सरकार कर सकती है, वह करेगी। इसके साथ ही साथ इन्होने यह भी कहा कि पानी को वापिस डालने का प्रबन्ध करे, वह भी हम कर रहे है। कि जहां पानी ज्यादा है, अगर वह एस्केप में डाला जाए तो उसे दोबारा भी वापिस डालने की कोशिश करेगे ओर जो भी हो सकता है, वह सरकार करने की पूरी कोशिश करेगी।

विशेषाधिकार भंग का प्रश्न

श्रीमती चन्द्रावती के साथ 14.07.93 को एस0 डी0 एम0 दादरी द्वारा किये गये दुर्व्यवहार सम्बन्धी

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब स्पीकर साहब, कल आपने मेंरा ब्रीच आफ प्रिविलेज का मोशन पैडिंग रखा था, उसकी अब क्या स्थिति है।

श्री अध्यक्षः वह अभी पैडिग है।

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब हाउस की कार्यवाही तो आज तक चलने के लिए हीसुन रहे है, क्या हाउस कल चलेगा?

श्री अध्यक्षः हाउस से इस बात का कोई ताल्लुक नही हैं अगर इसको ऐडमिट करना है तो किसी वक्त भी ऐडमिट किया जा सकता है।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या आप इसको सुवो–मोटो प्रिविलैज कमेटी को दे सकते है?

हम चाहते है कि आगे से ऐसी बात न हो। यह भी कोई अति योक्ति नही होगी, अगर मै यह कहूं कि एस0 डी0 एम0 श्री अरूझा कुमार बहत गलत आदमी है। कोई अनपालियामैंटरी भाब्द में इसके खिलाफ इस्तेमाल नही करना चाहती लेकिन मै चहाती हूं कि उस को कोई और जिम्मेदारी दी जाए, वह इसक काबिल नही है, जब कि उसकी तरक्की करक उसे वहां भेज दिया गया है। इस तरह का जो उसका रवैया है, वह बहुत खराब है। सारी दादरी इससे तंग है, एक बकील से उसने थप्पड मारा, मिस्त्रियों को टोली का पैसा नही दिया। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आपकी सारी बातें कल आ चुकी हैं इसलिए आप आप बैठिए।

(इस समय कोई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए।)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाएं।

श्रीमती चन्द्रावती: अध्यक्ष महोदय, मिट्टी के तेल को डीजल में मिलाने के बारे में भी मेरा नोटिस था, उसकस क्या बना?

श्री अध्यक्ष: यह आपको बता दिया जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावती: आप मेरी प्रिविलेज मोशन का क्या कर रहे है?

श्री अध्यक्ष: अभी गवर्नमैंट से कमन्ट्स तो आने दे।

नारनौल में पुलिस द्वारा गोली चलाने सम्बन्धी ध्यानकर्शण प्रस्ताव पर मुख्य मंत्री द्वारा और जानकारी

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय माननीय राम बिलास भार्मा जी ने 31.08.93 को कहा था कि राज कुमार भार्मा की मृत्यु नारनौल में 10.08.93 को पुलिस की गोली लगने से हुई। अध्यक्ष महोदय, मै सदन की जानकारी के लिए बाना चाहता हूं कि राज कुमार की लाश 11.08.93 को दोपहर बाद, 1.20 बजे पुलिस थाने पहुंची और 11.08.93 को 5.30 पर तीन डाक्टरों की टीम ने उसकस पोस्टमार्टम किया। उनकी रिपोर्ट के अनुसार उसकी लाश पर कोई भी बाहरी ओर अन्तरिक निशान नही था। दरअसल उसकी मौत डूबने के कारण, दम घूटने से हुई है। उसक बाप ने भी ब्यान में दिया कि वह आरे पर काम करता था। वह क्भी तो राम को घर आ जाता था और कभी नही भी आता था। उसने यह भी कहा कि उसको तैरना नही

आताथा। वह वहां से साईकल पर ही आता जाता था। अध्यक्ष महोदय, जहां पर वह डूबा था, वही पर उसकी साईकल भी मिली है। इस बस के बावजूद हमने फिर डी0 जी0 को कहा है कि वह दोबारा से सारी जांच करके हमें बताएं।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने सदन मे बताया था कि राजकुमार की लाश 09.08.93 को मिली थी। तो इनहोने मेरे कहने के बाद यहां पर कहा था कि अगर 09.08.93 की बजाए लाश 11.08.93 को मिली है तो जिस अफसर ने इनहें गलत इन्फर्मेशन दी होगी, उस अफसर के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। आज मेरी बात ठीक निकली है। अब सदन में यह बात साबित हो गई है। कि लाश 09.08.93 को नही बल्कि 11.08.93 को पता चलाहै कि लाहरोदा पम्प हाउस के पस एक लाश पड़ी हुई है। हमें भी इस बात का खदसा था, मैने तीन पत्रकारों को कहा कि आप गांव वालों के साथ वहां पर जाएं।

स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि डाक्टरों की जो रिपोर्ट है, उसमें डाक्टरों ने यह कैसे मान लिया कि उसको तैरना नही आता था? स्पीकर साहब, डाक्टर्ज यह कैसे कह सकते है? स्पीकर साहब, मेरी बात सही निकली कि उसकी लाश 11 तारीख को मिली। अब ये उस आफिसर के खिलाफ क्या कार्यवाही करेगे जिसने इनको गलत रिपोर्ट दी थी? इन्होने जुडिशियल इंक्वायरी कराने की बात को तो माना नही हैं

लेकिन अब उस आफिसर के खिलाफ ये क्या कार्य वाही करने जा रहे है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब जहां हाउस में चर्चा भुारू हुई तो हमारे अधिकारियों ने टेलीफोन से पूछा है। होसकताहै, टेलीफोन सुनने में, समझने में या कहने में कुद दिक्कत आयी होगी। यह बात सही है लेकिन फिर भी हम डी0 सी0 से इसकी जांच करवएंगे कि सही इतलाह क्या है? हम हाउस को सही बात बाना चाहते है। हाउस को गुमराह करने वाली कोई बात नही हैं हम गलत बात कहेगें। हमने उस दिन एक बात कही थी कि हम आज के दिन सही रिपोर्ट दे देगें ओर बतलायेगे कि असलियत क्या है? जब उन्होने उसके बाप से पूछा तो मालूम हुआ कि वह तैरना नही जानता था। (ाोर) फिर भी हम इसी जांच करवायेगे ओर दोशी आफिसर के खिलाफ कार्यवाही करेगे। आप कहते है कि वह पुलिए को गोली से मरा। स्पीकर सहाब, जिसके गोली का कोई नि ाान ही न हो, कोई भारीर पर चोट नही आयी हो, तो क्या वह गोली से मर सकता है? वह डूबकर मरा है। पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट में डाक्टर्ज कहते है कि वह 48 और 72 घंटे के बीच मरा है। यह रिपोर्ट लिखा हुआ हैं मै आपके पास यह रिपेर्ट भेज देता हूं, आप इसे पढ़ लेना। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि उसकी गोली से मृत्यु नही हुई हैं अगर वह गोली से मरता तो क्या वह वहां पड़ा रहता क्या वह नहर के किनारे उठकर जासकता था? उसका वहां तक जाने का सवाल ही

नही हैं इसके अलावा उसकी साईकित भीवही पर मिली। उसको अगर कोई गोली करता तो उसको गोली लगी होती लेकिन उसके गोली लगने का, उसके भारीर पर कोई नि ाान ही नही है, न भारीर के बाहर और न भारीर के भीतर। जहां तकम उसकी गुम ाुदगी की बात है, मै आपको ंयह रिपोर्ट पढ़करसुना देता हूं। इसमें लिखा है कि सज्जन सिंह पुत्र हर लाल, गांव डालावास गुलाबपुरा, जिला रिवाडत्री का रहने वाला है जैसा कि इन्होनें भी बताया। इस संबंध में पाया गया कि वह अपनी नौकरी की तला ा में तिथि 02.08.93 को गया और 09.08.93 को गांव चांदपुर गया तथा 30.08.93 को वह गांव बरहोड में देखा गया। नारनौल के पहाड़ी उर्फ नेपाली के गुम ाुदा के बारे में तला ा जारी है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा उसके बाप का ब्यान है उसने यह कहा है कि उसे साईकिल कम चलानी आती थी तथा पानी में तैरना भी कम आता था। यह मै अपनी तरफ से नही कर रहा, यह उसके बाप का ब्यान है ओर वही मै आपको बात रहा हूं। उसके घरवालों को यह पता था कि वह तैरना नही जानता था। वह साईकिल पर से फिसल सकता है, अगर पानी पीने के लिए गया हो तो भी पानी में गिर सकता हैं उसकी मृत्यु पानी में गिरकर डूबने से हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा बहनचन्द्रावती जी ने एस0 डी0 एम0 दादरी के बारे में कहा। कल भी इस पर बहुत चर्चा हो गई थी इसलिए बार–बार उसी बात को कहना हमें अच्छा नही लगता। कल भी हमने इनसे एक ही बात कही थी कि कमी ानर की रिपोर्ट आएगी। उस पर हम आपसे

बात करेगे। अगर आपको तसल्ली नही होगी तो किसी दूसरे अधिकारी से जांच करवाएंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः वह तो ठीक है लेकिन अगर मै इस बात को नही कहती तो आप कह देते कि आप इसके लिए इंट्रैस्टिड नही हो। जब तक यह अन्डर कंसीड्रेशन है, तब तक इस बात को उठाना मेरा फर्ज हैं

चौधरी भजन लालः ठीक है। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, आप हमारे कस्टोडियन है। मुख्य मंत्री जी ने एक आश्वासन दिया था। स्पीकर सर, मै आपके एक ही बात की गुजारिश करना चाहता हूं कि इस सदन में मुख्य मंत्री जी ने यह फर्माया था कि 9 तारीख को राजकुमार की लाश यदि नही पाई गई................(विध्न)

श्री अध्यक्षः वह तो इन्होने कह दिया है कि फिर भी पता करेगे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, इन्होने जांच भी कर ली औरमानभी लिया कि लाश 11 तारीख को मिली। अब ये उस आफीसर, जिसकी गलती है, उसके बारेमें और क्या जांच करेगे? स्पश्ट करे कि उसको यह सजा देगे? बाकी दूसरी बात है कि डाक्टर्ज ने तैरने की बात कह दी, साइकिलिग की बात भी कह दी...................। (विध्न)

श्री अध्यक्षः डाक्टरों ने कोई तैरने की बात नही कही।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर सर। वही मारने वाले, वही रिपोर्ट लिखने वाले। इस बारे में मै आपसे गुजारिश करना चाहता हूकि इससदन में एक आश्वासन दिया जाए.......................
(शोर एवं व्यवधान) (इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए।)

श्री अध्यक्षः वह इन्होने पहले ही दे दिया है You are repeating the same things.

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकरसर, जांच में यह बात पाइ गई जो अपने कही। अब आप गलत सूचना देने वाले अफसर को क्या सजा दे रहे है, यह मै जानना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः वह इन्होने आलरेडी कह दिया है। it is over now. (विध्न) आप सभी बैठ जाइए। अब वन–वाई–वन चलेगे (शोर) राम बिलास जी आप बैठ जाएइए। इसकी ओर भी रिपोर्ट बगैरह आयेगी, उसके बाद ही कार्यवाही करेगे। यह बात आप ही बोल रहे है कि डाक्टर ने कहा है कि वह साइकिल चलाना भी नही जानता थ। That is not the thing. Please do not take it lightly. That is enough (व्यवध्याान)

चौधरी भजन लालः डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस से इसकी जांच करवाएंगे। (विध्न) भार्मा जी, आपने कहा है कि वह

पुलिस की गोली से मरा है, पुलिए की गोली से नही मरा है। जब पुलिस की गोली से नही मरा तो मामला ऐन्ड हो जाना चाहिए।

विभिन्न ध्यानकर्शण सूचनओं सम्बन्धी मुख्यमंत्री/मंत्रियों द्वारा संक्षिप्त वक्तव्य

श्री अध्यक्षः भार्मा जी आप बैठिए।

डा0 राम प्रका ाः स्पीकर सर, मेरे चुनाव क्षेत्र में लाडवा के पास नवारसिया गांव है, जुलाई महीने के आखिरी सप्ताह में................(विध्न)

श्री अध्यक्षः क्या आपने कोई काल अटै ान मो ान दिया है?

डा0 राम प्रका ाः जी हां, मै काल अटै ान मो ान की ही बात कर रहा हूं। जुलाई महीने के आखिरी सप्ताह में पीने के पानी के पाईप टूटने की सजअ से नाली का गन्दा पानी मिलने से गांव में बीमारी फैली है, बहुत सी बीमरियों के केसिज हुए है।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए। That is all.

डा0 राम प्रका ाः स्पीकर सर, मेरी प्रार्थना आप सुनें। वहां कोई क्लोरीन डीजर का प्रबन्ध नही है, किसी भी टयूबवैल में कोई Orthotobudine टैस्ट का प्रबन्ध नही है।

श्री अध्यक्षः आप लैक्चर न दे, काल अटैशन मोशन का रैफरेंस दे दीजिए। आप बैठिए, I will reply, I will ask all one by one.

श्री अमर सिंह ढांडेः स्पीकर सर, छीकाडेरा गांव पंचायत में हरिजनों को बेदखल करके बी0 डी0 ओ0 गुहला ओर चीका के सरपंच ने पंचायत की 70 एकड़ जमीन की बिक्री करवा के कब्जा करने की कोशिश की है।

श्री अध्यक्षः क्या आपने काल अटैशन मोशन दिया है?

श्री अमर सिंह ढांडेः स्पीकर सर, मैन काल अटैशन मोशन परसो से दे रखी है वह करीब 2 करोड़ की जमीन के बारे में है। वहां बड़ा घपला हुआ है। दो करोड़ रूपये का घपला बी0 डी0औ0 और चीका सरपंच ने मिलकर कियाहै।

श्री अध्यक्षः आप बैइिठए में जवाब दे दूंगा।

चौधरी जिले सिंह जाखड़ः स्पीकर सर, मेरी एक काल अटैशन मौशन है। पी0 डब्ल्यू0 डी0 के कांट्रैक्टर ने सड़कों के बनाने में बड़ी हेरा–फेरी कर रखी है। सांपला बाई पास काठेका पिछले महीने हुआ था। उसमें डेढ करोड़ रूपये का घपला हुआ हैं दूसरे ठेकेदारों को जिन्होने हाईऐस्ट बिड़ दिया था, किसी को आने नही दिया और दूसरी फर्मो के नाम मंगा के उनसे ज्यादा ठेका उठवा दिया। धर्मपाल सिंह जो डांगी साहब काबड़ा भाई है, उसने सारा ठेका ले लिया। (शोर) एस0 ई1 के दफ्तर में किसी

दूसरे 'ए' क्लास ठेकेदार का घुसने नही दिया गया। मै आपकी एक और बात बताना चाहता हूं। इसके अलावा जितने भी और काम है, उनमें से 80 प्रति ात काम धर्मपाल और उसकी एलाईड सोसाइडीज के नाम के अलाट हो रहे है। सारे के सारे काम बोगस कर रहे है।

श्री अध्यक्षः यह काल अै ान मो ान आपने कब दिया था?

चौधरी जिले सिंह जाखड़ः आज सुबह साढ़े आठ बजे दिया था

श्री अध्यक्षः मै इसके बारे में जवाब दूंगा, अभी आप बैठ जाइये। जिस जिस मैम्बर साहेबान काल अटै ान मौ ान दिए हुए है, केवल वही बोले। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी बलवन्त सिंह मायनाः स्पीकर साहब, मेरा भ एक काल अैट ानमो ान है।

श्री अध्यक्षः क्या आप की भी वही काल अै ान मो ान है, जो श्री जिले सिंह की हैं

चौधरी बलवन्त सिंह मायनाः जी हो।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए। में इसका जवाब दे दूंगा। (व्यवधान व भाोर)...........

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैने तीन काल अटै ान मो ान्ज दिए हुए है। एक नील गाय के प्रकोप के बारे में ह। पलवल के इलाके में नील गाय का बड़ा भारी प्रकोप है। वे सारी खड़ी फसलें खा रही हैं दूसरी, भाूगर मिल से निकली दवाईयों किसानों को देने के बारे में है। ईख की फसल पर, वे दवाईया छिड़कने से, ईख की फसल खराब हो रही हैं तीसरा पलवल के इलाके में बिजली की बड़ी भारी कमी है, जिसकी वजह से खेतों में खड़ी फसलें सूख रही है। एक और बात है जो मै कहना चाहता हूं। रोहतक यूनिवर्सिटी के अन्छर अप्वायटमैंट के ऊपर बैन लगा दिया गया है वहां पर अप्वायंटमैंटस ने होने की वजह से यूनिवर्सिटी का सारा काम रूका हुआ है। इसके साथ ही कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी में कोई बैन नही है, वहां अप्वांटमैंट हो रही है। मेरी प्रार्थना यह है कि रोहतक यूनिवसिटी के बैन को हटाया जाए ताकि जो काम रूका हआ है, वह ठीक तरह से हो सके। (व्यवधान व भाोर)

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, कल आपने रूलिग दी थी कि मेरा काल अटै ान मो ान आज के लिए एडमिट किया है। मै इस बारे ें पूछना चाहता हूं कि ईख की फसल और जीरी की फसल जो मेरे इलाके में खराब हो रही हे, उसके बारे में सरकार का क्या कहना है?

श्री अध्यक्षः आपकी काल अटै ान मो ान तो एडमिट नही की गयी।

साथी लहरी सिंहः कल मिनिस्टर साहब ने तो यह कहा था कि मेरा काल अटै ान मो ान कल के लिए एडमिट कर लिया गया है। आपक सामने इरीगे ान मिनिस्टर बैठै है, आप बे ाक उनसे पूछ ले। वहां पर गन्ने की फसल खराब हो रही है।

श्री अध्यक्षः यह उन्होने नही बताना कि एडमिट किया है या नही। यह तो मैने बताना है। (व्यवधान एव भाोर).............लहरी सिंह जी, आप बैठिए। आपके लिए यह अच्छा नही है कि आप चेयर को डिफाई करे।

श्री राम कुमार कटवालः स्पीकर महोदय, मैने आपकी सेवा में एक काल अटै ान मो ान सफीदों ब्लाक में पंचायत की जमीन नाजायज तौर पर हथियाने के बारे में दिया था।

श्री अध्यक्षः कब दिया था?

श्री राम कुमार कटवालः कल दिया था।

श्री अध्यक्षः नही, आज सुबह 9 बज कर 34 मिनट पर आपका काल अटै ान मो ान आयाहैं (व्यवधान व भाोर) कटवाल साहब, आप बैठिए, मै जवाब दूंगा। (व्यवधान व भाोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मैने भी एक काल अटै ान मो ान आज सुबह साढ़े आठ बजे आपकी सेवा में दियाथा।

श्री अध्यक्षः आपका काल अटै ान मो ान किया बारे में था?

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मेरा काल अटैन् ान मो ान यह था। हरियाणा प्रदे ा में आर0 एम0 पी0 डाक्टर्ज पर पानीपत में पुलिस रेड कर रही है जिससे उन डाक्टर्ज के अन्दर बड़ा असंतोश है। आज हालात यह है कि सरकारी अस्पतालों में डाक्टर्ज नही है और लोगों को दवाई नही मिलती। वे डाक्टर्ज कोई यू0 पी0 से रजिस्टर्ड है और कोई बिहार से रजिस्टर्ड हैं इनको रेड से बचाया जाए और पब्लिक को सस्ता इलाज कराने दिया जाए। मेरा कहना यह है कि इन छोटे–छोटे डाक्टर्ज को रेड से बचाया जाए।

Mr. Speaker: I have received you calling attention motion. I will reply, please sit dosn.

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, 31 तारीख को हरियाणा विकास पार्टी के सारे एम0 एल0 एज0 की ओर से तीन काल अटैन् ान मो ान दिया गए थे। एक भिवानी में ड्रिकिग वाटर का भाार्टेज के बारें में, दूसरा इरीगे ानल फैसीलिटीज के बारे में ओर तीसरा इलैक्ट्रिसिटी के बारे में है। इनमें से सिर्फ एक पर कल विचार हुआ है। और बाकी आपके अन्डर कंसीड्रे ान है।

श्री अध्यक्षः अमर सिह जी आप बैठिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतबरी सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मेरा एक और काल अटैन्शन मोशन है। पानीपत थर्मल प्लांट की राख उड़ती है जिसके कारण लोग परेशान है। लोगों को वहां पर जीना दूभर हो गया है। एक–एक इंच राख घर के सामान पर और कपड़ों पर छाई रहती है। यह सरकार दूसरी फैक्टरीज का तो प्रदूशण के बारे में चालान कर रही है लेकिन अपनी फैक्टरीज के बारे में कोई एक्शन नही ले रही हैं यह बड़े अफसोस की बात है।

श्री राम भजन अग्रवालः स्पीकर साहब, मेरे तीन काल अटैन्शन मोशन हैं एक ताक महसूल चुंगी के बारे में पिछले सैशन में आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने और श्री मांगे राम जी ने कहा था कि वे एक सब कमेटी बना रहे हैं मुझे पता लगा है क सरकार स्टेट में माल की कीमत पर चुंगी महसूल लगाने जा रही हैं स्पीकर साहब, पडौस की किसी भी स्टेट में चुंगी कर नही है।

Mr. Speaker: I have received it. I will reply.

श्री राम भजन अग्रवालः दूसरा मेरा काल अटैन्शन मोशन प्रोसैसिग आईटम जैसे कपास, सरसों, चना ओर मूंग आदि पर विकास कर लगाने के बारे में है। स्पीकर साहब, तीसरा मेरा काल अटैन्शन मोशन मार्किट फीस के बारे में ह। सरकार से मै कहना चाहता हूं कि मार्किट फीस दो प्रतिशत की बजाय एक प्रतिशत होनी चाहिए। मुख्य मंत्री जी ने कालका चुनाव से पहले डिक्लेयर किया था कि पशु आहार से सेल्ज टैक्स हटा लिया

जाएगा। लेकिन उस डैक्लेरे ान का इम्पलोमैंट नही किया है। मुख्य मंत्री ने पब्लिकली ऐलान किया था क प ाु आहार पर से सेल्ज टैक्ट खत्म कर देगे, इसलिए उस डिक्लेरे ानहो इम्पलीमैंटे ान होनी चाहिए।

Mr. Speaker: I have received it, I will reply.

प्रो0 छतर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, कल मैने और विकास पार्टी के दो सदस्यों ने एक काल अटै ानं मो ान दिया था कि भिवानी में लोहारू, बाढड़ा और दादरी ट्यूबवैल फैड एरियाज है, इसलिए इन एरियाज में इरीगे ानल फैसीलिटीज के लिए ट्यूबवैल कनैक ान प्रायरिटी पर दिए जाए।

स्पीकर साहब, आज मैने एक प्रिविलिज भी दी हैं यह मो ान मैने आज सुबह ही दी है। मै प्रार्थना करता हूं कि उस पर मुझे बोलने की इजाजत दी जाए।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा बड़ी कुर्बानी और संघर्श के बाद बना था।......................

श्री अध्यक्षः क्या आपने कोई काल अटै ान मो ान दिया है?

प्रो0 सम्पत सिहः जी हां, मैने दिया है। मै कह रहा था कि हरियाणा बड़े कुर्बानी और संघर्श से बना है। मुख्य मंत्री जी बार–बार ब्यान दे देत`है। कि महा पंजाब बनाया। स्पीकर साहब,

हम महां पंजाब में कभी भी हरियाणा को नही मिलने देगे। महा पंजाब हमारी ला ों पर बनेगा। हम इस बोर में बहुत चिन्तित हैं हरियाणा के लोग इस बात को बिल्कुल बर्दा ात नही करेगे क महां पंजाब बने इस बारे में मुख्य मंत्री जी अपना स्पश्टीकरण दे दें।

स्पीकर सर, दूसरा काल अटै ान मो ान कई एम0 एल0 एज0 एज ने मिलकर दिया थाकि करनाल, सोनीपत और फरीदाबाद में बड़ा भारी टैक्स इवेजन का कोंड उजागर हुआ है। केस भी रजिस्टर हुए है। आफिसर्ज ने इनवैस्टीगे ान के दौरान ब्यान भी दिया है। कि इस सारे कांड में हाई–अप लोग इंनवाल्वड हैं इस बारे में आज हरियाण प्रदे ा के लोग बहुत ही चिन्तित है। करोड़ों रूपये का टैक्स इवेजन हुआ है। जिससे हरियाणा के एक्सचैकर को बहुत लौस हुआ है। इस बारे में, मै सरकार कहूंगा कि व इस संबंध में अपना स्पश्टीकरण दे, और तुरन्त कार्यवाही करने जा रही है? अब तक इस बारे में कोई कार्यवाही न हो, यह बहुत ही अफसोस की बात हैं स्पीकर सर, केस रजिस्टर हो जाएं, इनवैस्टीगे ान में ब्यान आ जाएं, केवल इतने से ही बात नही बनती या किसी मंत्री को केवल महकमाबदल दिया जाए। महकमा बदलने से कोई बात बन जाएंगी, ऐसी बात नही हैं सरकार को चाहिए कि इस सारे कांड को हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज से इंक्वायरी करवाएं तो पता चलेगा। (ाोर) सी0 बी0 आई से करवाएं या फिर हाउस की कमेटी से जांच करवाए। यह हमारा सब

का मोशन था जोकि मैने अभी यहां पर ऐक्सप्लेन किया है। आप कृपया बताए कि इसका क्या बना है?

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, ठीक है आप बैठिए। (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश बेरीः अध्यक्ष महोदय, कल एक काल अटैशन मोशन मैने दी थी कि हरियाणा के अन्दर नील गायों की बढ़ती हुई आबदी के कारण, न केवल इन्सान के जीवन को ही खतरा है बल्कि किसानों के खेतों को भी खतरा पैदा हो गया हैं इसके लिए किसान बड़े ही चिन्तित है। यह बड़ा ही महत्वपूर्ण ध्यानकर्शण प्रस्ताव है, सर। इस बारे में सरकार को अपनी स्थिति स्पश्ट करनी चाहिए। सरकार को हर बात का पता होना चाहिए कि उनके कारण किसानों की फसलों का भारी नुक्सान हो रहा है। स्पीकर साहब, वाइल्ज लाईफ प्रीजरवैशन एक्ट के तहत इसको हैटिग से अलग रखा गया है। इसलिए इस बारे में सरकार को दोबारा विचार करना चाहिए और अपनी ाय केन्द्र सरकार को भेजनी चाहिए ताकि इससे किसानों को छुटकारा दिलाया जो सके। स्पीकर साहब, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मसला हैं हाउस के सारे मैम्बर्ज इस बात से चिन्तित है। इन्सानी जिन्दगी की बहुत सी खतरनाक घटनाएं इन नील गाओं की बढ़ती हुई आबादी से हो चुकी हैं (शोर) इसके अलावा स्पीकर साहब, पिछले सैशन में भी मैने एक प्रश्न दिया था.........(शोर)

श्री अध्यक्ष: बेरी साहब, दूसरी बात जिस पर आप बोल रहे हो,वह क्या है?

चौधरी ओम प्रकाश बेरी: वह यह है कि मैने 26.02.93 को पिछले सैशन में 471 नम्बर सवाल दिया था। जो इरीगेशन विभाग से सम्बन्धित था। उस सवाल का जवाब विभाग को एक महीने के अन्दर अन्दर देने के लिए कहा गयाथा लेकिन आज 6 महीने हो गये, उसकस कोई जवाब नही आया है।

श्री अध्यक्ष: बेरी साहब, आप बैठिए। इस समय बहुत से मैम्बर्ज बोलने के लिए खड़े हुए है। सभी मैम्ब्र साहिबान से मेरी रिक्वैस्ट है कि वे बैठे। हरेक के प्रश्न का मै जवाब दूंगा। हरेक अपना–अपना जवाब सुन लें। (शोर).........कटवाल साहब, आप भी बैठ जाओ.................पहले यहां के कायदे कानून तो सीख लो कि कब बोलना चाहिए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यहां पर दो तीन मुद्दे उठाए गए हैं। एक तो हमारे मंत्री जी के बारे में कह दिया गया कि उनका भाई ठेकेदारी का काम करता है। (शोर) चलो में इसको टच नही करता, मुख्य मत्रीं जी खुद इसके बारे में बता देगे। दूसरे अध्यक्ष महोदय, कादायान साहब ने कहा कि हमने आर0 एम0 पी0 डाक्टरों पर पूरी पाबन्दी क्यों लगा लगा दी। मै बताना चाहता चाहता हूं कि ऐसे डाक्टर को चैक करना जरूरी है। जो इन्सान की जिन्दगी के साथ खिलवाड कर रहे है।

कई बार लोग फर्जी डाक्टर बन कर किसी को गलत इंजैकशन लगा देते है, जिस से बहुत सी जाने गई हैं इस बात को देखते हुए उसे चैक करना जरूरी है। कि वह डाक्टर है या नही। ये जो आर0 एम0 पी0 बने हुए है, उनके पास डाक्टरी का लाइसैस नही है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, जो आदमी दस साल तक कम्पाउंडरी करता है, उनको पेशा डाक्टर का हो जाता है। जो इनकी नर्सरी पैदा करते है, उन डाक्टरों को चैक क्यो नही करते?

चौधरी भजन लालः क्या बिना लाईसैस के आप अपने गले में रिवालवर डाल सकते है?

श्री सतबीर सिह कादयानः उनके पास बिहार का लाईसैस है, आप उनको मान्यता दीजिए।

चौधरी भजन लालः अगर उनके पास बिहार का लाइसैंस है, आप उनको मान्यता दे सकते है। या नही। अगर हरियाणा और पंजाब की कंडीशन के मुताबिक वह पूरा उतरता है तो हम उनको बकायदा मान्यता देगे। जहां तक पानीपत के प्रदूशण की बात है, उनकी जितनी आपको चिन्ता है, उससे ज्यादा हमें चिन्ता है। हम भी चाहते हैं कि प्रदूशण बिल्कुल नही होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः अगर आपको इसकी चिन्ता थी तो आपको चाहिए था कि इस बारे में पहले दिन ही काल अटैन्शन मोशन देते लेकिन आपने आज सुबह दिया हैं

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम कोशिश करेगे कि फैक्टरी से राख न उड़े। इसमे जो पुर्जा लगता है, हम उसको जल्द लगाने की कोशिश करेगे ताकि राख न उड़े इसके अलावा, सम्पत सिंह जी ने कहा कि बड़ी कुर्बानियों के बाद हरियाणा बना था। हम और आप तो उस सम यबहुत छोटे थे, पता नही वह कुर्बानी किस ने दी थी। इतनी बात मै कह सकता हूं कि आज हमारे सामने कितने मसले है, पानी का है, टैरेटरी का हैं हिमाचल प्रदेश में दस हजार मैगावाट से ज्यादा बिजली पैदा हो सकती है, इतना पानी उनके पास है लकिन साधन न होने की वजह से वे बिजली नही बन सकते है। मैने पांजाब और हरियाणा को ही मिलाने` लिए नही कहा, बलिक मै तो कहता हूं कि पंजाब, हरियाण और हिमाचल तीनों स्टेटे इकट्‌ठे होनी चाहिए। हमारा भाशा के आधार पर जो बंटवारा हुआ है, इसने देश का सत्यानाश कर दिया है ंअगर आज से 12–13 साल पहे पंजाब हरियाणा और हिमाचल इकट्‌ठे होते तो खालिस्तान की बात कसी के दिमाग में नही आ सकती थी। इन प्रान्तों के अलग होने की वजह से ही यह सत्यनाश हुआ हैं आज इतनी भयंकर समस्या पानी की क्यों हो गई? यदि पंजाब और हरियाणा अलग न होते तो कम से कम 5 एम0 ए0 एफ0 पानी, जहां जरूरत थी, वहां

जाता चाहते वह सिरसा, हिसार, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, फरीदाबाद और गुडगांव का इलाका ही क्यो न होता। हमें फिर एस0 वाई0 एल0 का पानी मांगने की जरूरत ही न पड़ती, सारा पानी अपने आप वहाी जाना था जहां उसकी जरूरत थी। हमारे अलग होने की वजह से ही सारा माहौला खराब हुआ है। अगर अलग न होते तो न बिजली की समस्या रह सकती थी और न भाशा के आधार पर हम भाई भाई आपसे में लड़ते और जो पंजाब में हालता हुए, वे भी नही होने थे। लेकिन मै यह मानता हूं कि इस समय इन तीनों स्टेटस को मिलाना प्रैक्टिकल नही है। अब यह बात हो नही सकती। जब उग्रवाद भाुरू हुआ था, मैने उस समय यह बात कही थी कि इन तीनों स्टेट्स को मिला दिया जाए और महां पजाब के हालत खराब न होते। अध्यक्ष महोदय, दे ा का क्या हाल हो गया, यह सोचने की जरूरत है। पंजाब के मुख्य मंत्री बड़े दे ाभग्त हैं उनहोने पंजाब को बडत्रे भाानदार तरीके से कंट्रोल कियाहै। पंजाब के मुख्य मंत्री जो भीयह बात कहते है क पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदे ा एक हो जाएं तो पंजाब के हालात और भी अच्छे हो सकते है, कोई झगड़ा नही रहेगा। अगर एक हो जाए तो राजधानी भी चण्डीगढ़ रहेगी न पंजाब वाले कुछ कहेगे, वे हरियाणा वाले कुछ कहेगे और न हिमाचल प्रदे ा वाले कुछ कहेगे। गमियों मे ंराजधानी ि ामला में हो जाएगी और सदियों में यहां चण्डीगढ़ में हो जाएगी। आपस मे ंपानी के बारे में भी कोई झगड़ा नही रहेगा, सभी जगह पानी आराम से जाएगा। भाई भाई में जो दरार पड़ गई थी, उनका आपस में भाईचारा कायम हो

जाएगा। अगर पंजाब, हरियाणा और हिमाचल एक हो जाएगा तो कीाी न कीाी आपको भी मुख्य मंत्री बनने का मौका मिल जाएगा। (हंसी)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने अपनी स्टेटमैंट दे दी। मै भी एक बात कहना चाहता हूं। पंजाब और हरियाणा अलग अलग होने से उग्रवान की समस्या खड़ी नही हुई इसके ओर कई कारण है, मै उनके बारे में डिस्क ान नही करनाच ाहता। जे0 एंड के0 भाुरू से इक्टठे है, वहां पर उग्रवाद पंजाब से ज्यादा हैं दूसरी स्टेटस में भी उग्रवाद है यू0 पी0 में भी यह ट्रबल हुई थी। यह बात नही है कि पंजाब हरियाणा अलग अलग होने से पंजाब में उग्रवाद की समस्या खड़ी हुई थी। एक बात मुख्य मंत्री जी ने यह भी कही कि पंजाब में उग्रवाद कीसमस्या खड़ी ुई थी। एक बात मुख्य मंत्री जी ने यह भी कही कि पंजाब हरियाणा इकटठे होने से पानी ओर बिजली की समस्या नही रहती, विकास के काम ज्यादा होते। स्पीकरसाहब, इनकी यह बात बिल्कुल मिथ्या है। हरियाणा इसलिए बना था कि जितने क्षेत्र में इस समय हरियाणा है, उसमें बिजली नही मिलतीथी, पानी नही मिलता था, सड़कें नही होती थी औश्रयदि थोडत्री बहुत सड़के हाती थी तो टूटने पर ठीक नही कराया जाता था। दूसरे विकास के काम नही हाते थे। इसलिए स्पीकर सहाब, हरियाा की जनता ने और चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा स्टेट अलग बनाने के बारे में लड़ाई लड़्यी, इसलिए यह हरियाणा बना था। मै एक बात यह

कहना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश का अस्तित्व किसी भी कीमत पर खत्म नही होने देगे। हरियाणा प्रदेश के अन्दर जितने भी विकास के काम हुए है, वे सारे हरियाणा बनने के बाद हुए है, वे विकास के काम चाहे किसी भी मुख्य मंत्री के समय में हुए हो। ऐट ऐनी कोस्ट, चाहे हमें अपनी लाईफ सैक्रीफाइस करनी पड़े, हम हरियाणा प्रदेश का अस्तित्व खत्म नही होने देगें।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरी गुजारिश है कि आज का दिन नान–औफिशियल डे हैं अगर हाउस चाहे तो आज के लिए जो रैजोल्यूशनप है, उस पर डिस्कशन न होकर, इस मुद्दे पर हो जाये। मुख्य मंत्री जी ने भी इस पर लम्बी चौड़ी तकरीर दे दी ओर लीडर औफ दि अपोजीशन ने भी दे दी। मै समझता हूं कि न उनकी पार्टी का डिसीजन है और न ही हमारी पार्टी का डिसीजन है। कि हम यहां पंजाब बनाने की बात करें या न करें। स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय के ये अपने विचार हो सकते है और पिछले ही दिनों अपने इन विचारों को इन्होने व्यक्त भी किया है। आज का दिन नॉन–औफिशियल–डे है। और आज कोई और काम न करके, इसी बात के ऊपर चर्चा करवा ली जाए ओर इस बारे में हाउस को ओपीनियन ले लिया जाए। स्पीकर साहब, यह कोई छोटा मसला नही हैं, इसलिए मेरी गुजारिश है कि इस पर कोई फैसला करने से पहले हाउस की सैस ले ली जाए ओर इस पर पूरी बहस करवा ली जाए। Let the House passa resoluation whether they wish to be an independient state or they want to be a part of Punjab. We will not tolerate any statement from any one that we want Maha Punjab. We do not want Maha Punjab.

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दि औपीजी ान ने जा कहा है, वह बिल्कुल सही बात हैं मुख्य मंत्री जी का यह व र्न कि तीनों स्टेटों के होने से बहुत फायदा होगा, सही व र्न नही है इस का कारण यह है कि जब पंजाब–हरियाणा अलग हुए थे तो पंजाब के कुछ इलाके हिमाचल में गए थे (विध्न) अध्यक्ष महोदय, भाशा के आधार पर ये स्टेटस अलग हुईथी दिल्ली की सरकार बहुत दिनों तक यह कोि ा ा करती रही कि ये स्टेट्स अलग न हो लेकिन अन्त में दिल्ली की सरकार की इसके लिए एग्री होना पड़ा था। स्पीकर साहब, आल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने एक बार यह प्रस्ताव करांची में पास कया था क आजादी के बाद भाशा के आधार प्रदे ा बनेगे परन्तु हालात के हिसाब से सब कुछ बदल जाता है। पंजाब और हरियाणा का अलग होने का सबसे बड़ा कारण यह था कि यूनाईटिड पंजाब में जो इस वक्त हरियाणा प्रदे ा है, यह इलाका कम्पलीटली बिल्कुल इग्नोर था। आज का जो हरियाणा है, यहां से केवल एक मंत्री हुआ करता था, उसके कारण यह हिस्सा बिल्कुल पिछड़ा हुआ था। यहां पर न सड़के थी, न बिजली थी, न अस्पताल थे, न स्कूल कालेजिज थे और न ही डंगरों के अस्पताल थे। इस हिस्से का एक्सप्लायट किया जाता था। हरियाणा अलग स्टेट बनने का यही सबसे बड़ा कासरण थ। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने दसूरी बात यह कही कि हिमाचल में बिजली में पैदा हो सकती है लेकिन हिमाचल में

बिजली पैदा होने का, पंजाब–हरियाणा और हिमाचल का इकट्ठा होने का आपस में कोई लिक नही है। आप जानते है। कि जितने बड़े बड़े प्राजैक्ट्स लगते है,वे सैट्रल प्रौजैक्टस होते है। बिजली के प्रोजैक्ट्स में से ग्रिड के हिसाब से सभ स्टेट्स को भोयर मिलेगा। आज नेपाल में, 30 हजार मैगावाट बिजली पैदा करने का हाईडल प्रोजैक्ट लगाने का फैसला भारत सरकार ने किया हैं इसी तरह से भूटान के साथ एग्रीमैंट हो गया है। कि रूपया हमारी सरकार लगाएगी और जो बिजली होगी उस पर भूटान को रायल्टी मिलेगी। नेपाल और भूटान तो बाहर के मुल्क है, फिर हमारी समझ में नही आता कि हिमाचल प्रदेश की बिजली हरियाणा में क्यो नही आ सकती और इस कारण पंजाब हरियाणा और हिमाचल एक कैसे हो सकते है? मुख्य मंत्री जी का यह अपना निजी विचार हो सकता है, हमारी राय मे तो पंजाब ओर हरियाणा इकट्ठे नही हो सकते है। (विध्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले ही कहा था कि यह बात होने वाली नही है, यह बात प्रोक्टिकल नही है। (विध्न) अगर ऐसा होता हाते पंजाब के हालात खराब नही हो सकते थे। अभी चौधरी बंसी लाल ने बहुत लम्बे उपदेश दे दिए। अध्यक्ष महोदय, पानी की बिजली का रेट 20 पैसे यूनिट पड़ता हैं अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा का विकास बहुत होना था परन्तु लीडर तो देवी लाल और बंसी लाल जैसे थे। (शोर एवं व्यवधान) दूसरे, अध्यक्ष महोदय, इन्होने टैक्स ईवेजन के बारे में कहा। यह

ईवेजन जहां मर्जी हो, चाहे पानीपत में हो, चाहे करनाल में हो ओर चहो हिसार में हो, हम जांच करवाएंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, केस रजिस्टर्ड होने के बाद भी जो अफसर वहां पर बैठे हुए थे, वे अब भी वही परबैठै हुए है।

चौधरी भजन लालः आप जाकर पता कर लेना कि वे वहां पर है या नही।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, पानी से जो बिजली तैयार होती है उसके बारे में मुख्य मंत्री जी ने बताया कि उसकी कौस्ट 20 पैसे प्रति यूनिट पड़ती है। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हमारी पी0 यू0 सी0 हिमाचल में गई थी और हम वहां पोंग डैम पर गए थे। उनहोने पानी की बिजली को रेट दो रूपया पर यूनिट का बताया।

श्री फूलचन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, चमेरा का प्रौजैक्ट अभी अन्डर कंस्ट्रक ान है। उस प्रोजैक्ट की लागत बढ़ गई लेकिन बिजली के रेटब बढत्र गए है, ऐसा नही है, और न ही उन्होने दो रूपए बताए है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो 20 पैसे प्रति यूनिट कहा है, मै उससे सहमत नही हूं।

चौधरी भजन लालः आज किसी टैक्नीकल इंजीनियर से पूछ ले कि पानी की बिजली किस भाव में पड़ती है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मै इसे कलीयर कर देता हूं। भजन लाल जी, भाखड़ा की बिजली 7 पैसे प्रति यूनिट पड़ी थी। परनतु अब भाव ज्यादा हो गए है। 20 पैसे प्रति यूनिट नही हो सकती, इससे ज्यादा होसकती है परन्तु इसके जो रेटस है, थर्मल से कम है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह हो सकता है। अगर अलग–अलग प्रोजैक्ट पर अलग–अलग खर्चा होता है तो रेट ज्यादा हो सकते हैं लेकिन दो रूपये पानी की बिजली नही पड़ सकती।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्षम होदय, मै इस बात से सहमत हूं कि टाईम टू टाईम ज्यादा रेट हो सकता है परन्तु मै इनकी पहली बात से सहमत नही हूं।

चौधरी भजन लालः वह मैने अन्दाजे से कहा था कि 20 पैसे पड़ती है। महंगाई की वजह से कुछ ज्यादा हो सकता हैं

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मत्री जी अन्दाजे से बात कहे यह ठीक नही हैं

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा नील गायों के बारे में बात की गयी कि वह फसलों को उजाड़ रही हैं इसके लिए हम देखेगे।

श्री अध्यक्षः अब सबकी बातें सुन ली गयी है। आज कालिक अटै ान मो ान 5 आये है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(i) लोक निर्माण मंत्री द्वारा–

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): स्पीकर साहब, मै पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरे कुछ साथियों ने सांपला बाई पास की चर्चा की और कहा मंत्री जी के भाई का डेढ करोड़ रूपये का टैन्डर छोड़ाहैं अध्यक्ष महोदय, इन * का सभी * नजर आते है। ये सबकों अपने जैसा ही मानते है। अध्यक्ष महोदय, ये टैन्डर 25 तारीख को हुई हैं और इसमें पांच पाटियां दिल्ली, फरीदाबाद, गुडगांवा और रोहतक से आयी थी। इन सभी ने टैन्डर दिए हैं यह सारा काम 90 लाख रूपये का है जबकि ये मोरे भाई 1.5 करोड रूपये का बता रहे है। अध्यक्ष महोदय, ये ओपन टैन्डर हुए हैं मै खुला चैलेन्ज करता हूं कि मुख्य मंत्री जी इस बात की जांच करवा लो और अगर कही भी सिी तरह की अनियमितताएं मिल जाए, तब ये कहे।

चौधरी जिले सिंह जाखड़ाः अध्यक्ष महोदय, आन एं प्वायंट आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने कहा कि ओपन

टैन्डर हुए है और इन्होनें कुछ जहों के नाम भी बताए। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली, फरीदाबाद, गुडगांव आदि की सब बोगस फर्म है। जब टैन्डर छूटे थे, तो वहां पर बन्दूकों वाले खड़े हो गये थे तथा किसी भी 'ए' क्लास ठेकेदार को वहां पर जाने हनी दिया। मै आपको बताना चाहता हूं कि डांगी साहब कोआप्रेटिव सोसायटी, साहलावास का उदघाटन करने गये थे तो लोगों ने कहा था कि कौसली के अन्दर सड़क टूटी पड़ी है। (ाोर एव व्यवधान) तब इन्होने कहा 'मै देख लूंगा'। लेकिन आज इन्होने मेरे क्वै चन के जवाब में कहा कि सड़क अन्डर रिपेयर है। जबकि इस की रिपेयर हो चुकी है। इन्होने ठीक जवाबद नही दिया। स्पीकर साहब, वह सड़क तो छेठे महीने में ही रिपेयर हो चुकी थी। यह ठीक है कि वह सोसायटी इनके भाई की थी।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, इन्होने सांपला बाई पास के बारे में कहा है। इस बारे में मेरा फिरखुला चैलेन्ज हैं मै इनको बता देना चाहता हूं कि जब तकमै इस पद पर हूं, अगर कोई भी आदमी किसी भी तरह की ऊंगली मेरे ऊपर उठा देगा तो मै यह पद छोड़कर चला जाऊंगा। स्पीकर साहब, इनको तो सभी * * * नजर आते है जैसे ये खुद * * * है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह * * * वाला भाब्द रिकार्ड न कया जाए। (ाोर एवं व्यवधान) आप सभी बैठिए।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, इनको एक बात मै और बताना चाहता हूं। जो टैन्डर काल किये गए थे उसमें केवल क्लास ‘ए’ के ठेकेदार ही टैन्डर दे सकते थे जिसेन 50–50 लाख रूपये को दो काम पहले कर रखे हो। यह काम भी 50 लाख से लेकर एक करोड़ रूपये तक का है, इसलिए इस में भी ‘ए’ क्लास ठेकेदार रहा हैं उसेन सभी डिपार्टमैंटस में काम किया है और फिर टैन्डर भी ओपन में हुए है। (शोर एवं व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, साहलावास की जो बात जिले सिंह जी ने कही है, वह सड़क अंडर रिपेयर की, मैनु क्षुद जाकर साइट पर इंस्पैशन किया था। वह सड़क किसी टैन्डर से रिपेयर नही हुई है, डिपार्टमैंट से रिपेयर हुई हैं ये तो हाउस को गुमराह करने वाली बात कर रहे है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतबीर सिंह कादायान: स्पीकर सर, हम यह जानना चाहते है कि अन्डर किसको दिया गया (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कादयान साहब, आप बैठ जाइए।

व्यक्ति स्पश्टीकरण

(ii) बिजली मंत्री द्वारा

बिजली मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): स्पीकर साहब, मै आपका आभारी हूं। दरअसल मैने आपसे पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन की इजाजत मांगी थी। अपनी बातों के हवाले से आदरणीय भाई

सम्पत सिंह जी ने एक सरकाास्टिक रिमार्कस मुझे पर छोड़ा था। सी0 एम0 साहब ने उनकी बात का अधूरा जवाब तो दे दिया कि जहां तक किसी किस्म की भी कोई मिस एप्रोप्रिए ान या कोई कंप्लेन्ट है, स्टेट के किसी भी हिस्से में, उसकी इंक्वायरी करवाई जाएगी लेकिन भाई सम्पत सिंह जी ने चलते चलते एक बात और कह दी थी मि मंत्री का विभाग बदलने से उस पर पर्दा पड़ गया। इन्होने मंत्री के विभाग का जिकर किया है, क्योंकि मै इस विभाग से संबंधित हूं। स्पीकर सर, आज हाउस में मुख्यमंत्री जी भी सामने बैइे हैं जिस दिन यह वाक्तय हुआ, उस दिन मैने कुछ प्रैस स्टेटमैंट भी दी थी कि ये बातें गलत है, किसी दोशी को नही बख्भाा जाएगा। लकिन अगर रैवेन्यू अरनिग डिपार्टमैंट के किसी आफीसर डिमोरेलाइज नही होने चाहिए। साथ ही जो लफ्ज बदलने की बात है, वो बदल चुके है मैने बाकायदा उसके ऊपर प्रपोजल दिया था लेकिन आपने यह बात कह दी कि मंत्री का विभाग बदला हैं मुख्यमंत्री जी गवाहै कि मैने खुदआफर दिया, रिजाइन करने के लिए लिखकर दिया था कि करनाल के मामले में कोई सिटिग जज, सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट का इंक्वायरी करे। अगर इसमें मेरी कनाइवैस या मेरी इन्वौल्मैंट या मेरी किसी तरह से लापरवाही, तीनों चीजें साबित हो जाएं तो मै हर तह के कानून के सामने, अखलाक के सामने भी तसल्ली करवाने को तैयार हूं। आज, मै एक बात भई संपत सिंह जी से कहूंगा कि भी ो के महल में रने वाले दूसरे पर पत्थर नही फैका करते। मै इन पर भरोसा करके इनकी आत्मा पर छोड़ता हूं अगर आदरणीय मेरे

भाई संपत सिह जिन्होने यह सवाल उठाया है, इस बात की अपने तौर पर इंक्वायरी करके मुझे तथ्य भी न बताएं ओर यह कह दें कि मेरी इन्वोल्वमैंट थी, मेरी इन्वोल्वमैंट सात जन्म भी साबित नही होसकती। अगरयह मेरी लापरवाही से हुआ है। तो मै संपत सिंह के टेलीफोन पर न सिर्फ इस्तीफा दे दूंगा, बल्कि आगे से पौलिटिक्स भी छोड़ दूंगा साबित न हो तो संपत सिंह हाउस से यह बात जरूरत कहे कि कोई ऐसी बात जो वो पसन्द नही करते, कोई ऐसी बात जो कोई जमीर वाला आदमी पसन्द नही करता, इस किस्म की अपोजी ान फोर दी सेक आफ अपोजी ान के लिए करके अपने लिए कांटे न बोये, क्यों 'जुबान' भगवान ने हरेक को दी है ओर उसी जगह भी मुंह–दांतों के अंदर है क्यौंकि 'जबान' दांतों के अन्द ही अच्छी लगती है। अगर दांतों से बाहर निकलती है तो कट जाती हे, इस बात को ख्याल रखे।

प्रो0 संपत सिंहः स्पीकर सर, मै इनकी बात से ऐग्री करता हूं इन्होने कहा कि इन्होने रिजाइन भी कर दिया था। बाद में मुख्यमंत्री जी ने इनके इस्तीफ को स्पीका नही किया। बाद में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जज की इंक्वारी की आफर दी।

अब इन्होने मुझे यह कह दिया कि आप इस बोर में जजमैंट दे दें। तो स्पीकर साहब, मै यह बात आपके ऊपर छोड़ता हूं कि आप ही इस बोर में फैसला कर सकते है। इन्होने दो बातों की आफर दी हैं एक आफर तो हाई कोर्ट के या सुप्रीम कोर्ट के जज से इंक्वारी की है। और दूसरी मेरी जजमैंट की आफर इन्होने

दी हैं स्पीकर साहब, मेरी इस बोर में आपसे गुजारिश ा यह है कि आप दोनों में से कसी बात को एक्सैप्ट कर लो। आप या तो हाउस की कमेटी कांस्टीयचूट कर दें या फिर आप हाई कोर्ट के यासुप्रीम कोर्ट के जज से इन्कवायरी करा लो। दोनों में से किसी भी इन्कवायरीका आज आर्डर कर दे उसके बाद जो रिजल्ट सामने आये, उसके बारे में ए0सी0 चौधरी जी का कमिटमैंट हैं हव कमिटमैंट तो रिजल्ट के बाद देखी जायेगी। ये श्रीमान जी मेरे ऊपर छोड़ रहे है। सारी बात का हमें कोई रिकार्ड नही दिखाता जब तक हमें रिकार्ड का पता नही लचेगा, तब तक बात कोई नही होसकती। इसलिए तथ्यों का पता चलेगा? हाउस की कोई अथोराईज्ड कमेटी इसके लिए आप बना दें। जब हाउस की तरफ से एकक कमेटी कांस्टीच्यूट की जायेगी तो उसको इन्वेस्टीगेशन करने औरसारी बातों को चैक करने के राईट्स भी होगें इसलिए करो कहना यह है कि आप हाउस की एक कमेटी बनादे या फिर हाई कोर्ट के या सुप्रीम कोर्ट के जज से इंक्वायरी करा दें। हमारी तसल्ली हो जायेगी।

श्री ए0 सी0 चौधरीः सर, मेरे भाई ने एक बात कह दी और इसको एक सियासी इश्यू के मामले में एक बात कही थी और अभी भ कहता हूं एस0 पी0 करनाल ने ट्रक वाला कोई केस पकड़ा और उस बारे में कह दिया कि कोई गबन किया गया है। मैने उससे कुछ महीने पहले अपनी एक स्टेटमैंट दी थी कि स्टेट का तकरीबन 100 करोड़ रूपया, रेल और ट्रांसपोर्ट द्वारा, गलत

किस्म के लोग जो आपरेट कर रहे है, वह चोरी करते है। अगर मैने यह नही कहा होता तब तो बात थी अब जिस केस का रैफरैंस दिया है, उसकी रिपोर्ट मे ंएक आदमी को इन्वाल्व कियागया। उसने जो ब्यान दिय, उसकी कापियों ये कोर्ट में से ले सकते हैं आज विभाग के मंत्री तो बीमार है। मै उनमें सभी आग्रह करूंगा कि वह इन्को दे दें। मैने तो अन–कंडीशनली श्री संपत सिंह जैसे पढ़े लिखे आदमी की मान्यता दे दी है। अगर आपकी आत्मा यह कहती है, अगर आपकी तसल्ली हो जाती है तो तसल्ली कर ले कि उसमें मेरी इन्वाल्वमैंट है तो संपत सिंह जी मुझे सिर्फ फोन कर दें, मै रिजाईन करने के लिए तैयार हूं। मेरे से और कौन सी अथौरिटी यह मांगते है?

श्री अध्यक्षः क्या यह मामला सब–जुडिस है? (व्यवधान व भाोर)

श्री ए0 सी0 चौधरीः यह केस तो सबजुडिस है, इसलिए मै इस बारे में नही बोल रहा था, लकिन जब इन्होने एक ऐसा इश्यू उठा दिया कि डिपार्टमेंट इसलिए बदला गया क्योंकि मेरी उसमें इन्वाल्वमैंटथी तथा मुझे कुछ बोलना पड़ा यह डिपार्टमैंट तो मेरी मर्जी से बदला गया। मुख्य मंत्री महोदय का यह प्रैरोग्रटिव भी है। कि जिसको मर्जी विभाग दे। बिजली के हालात को देखते हुए मुझे एक बड़ी ही जिम्मेवादी का काम इन्होने सौंपा हैं मुझे किसी ओर कारण से हटाया नही गया हैं अब मैने फिर आप में विश्वास

व्यक्त किया है। इसलिए अब तो आपका इम्तिहान है कि अगर कोई कमी हो तो आप मेरे को बोल दें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इस मामले को चौधरी सम्पत सिंह ने वैसे ही तुल दे दी। महकमा किसी भी वजीर के पास हो, इससे फर्क नही पड़ता इस देश का या किसी भी प्रदेश का कोई भी आदमी यह कह दे कि सब जगह 100 परसैंट आदमी बेईमान नही हैं और सारे ही अधिकारी ईमानदारी नही है। यह बड़ा भारी गलत बात होगी। किसी के पास भी यह महकमा हो सकता है संपत सिंह जी खुद होम मिनिस्टर रहे है। क्या उनके जमाने में कोई थानेदार पैसे नही लेता था? क्या वे सम्पत सिंह को पैसे भेजते थे? क्या अब हम इन पर यह इल्जाम लगाये कियह पैसा इनकी जेब में आता था? इनके पास सेल्ज टैक्स का महकमा भी रहा है। उस समय क्या टैक्स का इवेजन नही होता था? हरहालत में होता था लेकिनये ही बात का बतगड़ बना देना कोई अच्छी बात नही हैं अगर किसी व्यक्ति के नोटिस में ऐसी बात आये कि मंत्री जी ने पैसा ले लिया हो तो बताये। श्री ए0 सी0 चोधरी निहायत ही ईमानदार मंत्री हैं मैने इन्हे बिजली बोर्ड का काम दिया। यह काम इलिए इनके जिम्मे लगाया क्योंकि बिजली के हालता बहुत खराब हो गये थे। इनसे पूछ कर यह काम इनको दिया हैं मैने कहा कि आप काम करने वाले निहायत इन्टैलीजैंट और नौजवान व्यक्ति हैं आप डट कर इस काम को करें। इन्होने मेरी इस बात को एक्सैप्ट कर लिया। यह भी एक

खांडे की धार हैं जब सारा प्रदेश मुसीबत में हो, इन्होने ऐसे समय में इस महकमें को संभाला है। थोड़े दिनों में ही इन्होने इस बारें में काफी काम करने की कोशिश की हैं किसी मंत्री पर यह इलजाम लगाना कि उसका विभाग इसलिए बदला गया कि उसने बेईमानी की है, यह कोई मुनासिब बात नही है।

मैने पहले ही आपसे कह है कि जिस अधिकारी को फाल्ट है, उसकी जांच कराएंगे ओर उसके खिलाफ ऐकशन लेगे। इसमें कोई चैलेन्ज की बात नही है ओर न ही कोई कमेटी बनाने की बात है। अगर किसी का दोश होगा तो उसके खिलाफ ऐकशन लेगे।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री ने कहा कि इंक्वायरी करवाऐगे। करराएंगे, ठीक है, लेकिन जिस डी0 ई0 टी0 ओ0ने अदालत से जमानत करवाई है, उसने अदालत में दरखास्त दी है। और अपने ब्यान में कहा है कि महकमें के चेतावनी देने के बाद भी ये लोग इसलिए गड़बड़ करते थे कि इफिलुऐन्शन आदमियों के साथ इनके ताल्लुकात थे। इस वजह से ये नही रूके। यह बेल ऐप्लीकेशनल में आपका कोई डी0 इ0 टी0 ओ0 अरोडा है, उसने अदालत में अपने ब्यान में कही है।

चौधरी भजन लालः लोगों के बारें में कहा होगा न।

श्री बंसी लालः इंफिलुऐन्शन महकमें में कौन होता है, आप जानते हैं

चौधरी भजन लालः आप एक बात में दो बात कह गए कि जमानत कराते समय इन्होने यह कह कि ये पहुंच वाले लोग हैं इसलिए रूकते नही। कौन नही करूकते, अफसर या लोग? व्यापारी की बात कहो या तो आप............

श्री बंसी लालः व्यापारी।

चौधरी भजन लालः यह कहो फिर। आप तो एक बात में दो बात कह गए जिसका कोई सार नही।

श्री बंसी लालः कहो तो मै उसने कोर्ट में दरखास्त दी है। वह पढ़कर सुना देता हूं।

चौधरी भजन लालः मै तो आपके ऊपर एतवार करता हूं लिखा होगा।

श्री बंसी लालः उसने कहा है कि जो इंफिलुऐन् ान आदमी है उनसे ये मिले हुए हैं

चौधरी भजन लालः जो कुछ आपने कहा है, मैने ता उसको संवारा है। अगर वे पहुंच वाले होते तो क्या मैल्ट टैक्स को रेड उन पर होसकती थी? हमने वाकायदा रेड की। रेड करने के बाद कोई आदमी कुछ भी कहे, इसलिए हम इसकी तह में जाएंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः आपने एस0पी0 को क्यो बदल दिया? वह ईमानदार आदमी था। ईमादनारी आदमी का ट्रांसफर नही करनी चाहिए।

चौधरी भजन लालः स्टील में अफसरों की ट्रांस्फर होती रहती हैं सिी की शिकायत पर ट्रांसफर नही की गई हैं पता लगाकर ही बदली की जाती है।

श्री बंसी लालः आप एक काम कर दो, इस एस0 पी0 को इंक्वायरी का इंचार्ज लगा दो।

श्री भजन लालः उसको डी0 आई0 जी0 बना दिया हैं अगर कोई शिकायत होती तो क्या उसको हम डी0 आई0 जी0 बनाते?

श्री बंसी लालः इंक्वायरी कराने में क्या एतराज है? जब आप कहते ह कि वह एक अच्छा आदमी है तो उसी से इंक्वायरी करा दो?

चौधरी भजन लालः उसको डी0 आई0 जी0 बनाया है। और वह एक अच्छा आदमी है लेकिन इंक्वायरी मेंएतराज हैं आप तो वकील रहे है ओर बहुत काबिल वकील रहे है लकिन मै आपसे इतनी बात कहता हूं कि किसीकेस में अगर कोई पार्टी हो जाए, जैसे उन्होने कहा है कि एस0 पी0 ने हमारे साथ ज्यादती की हैं उनका कहना बेअसर हो जाएगा। इसलिए उसके लिए जिम्मे

इंक्वायरी नही लगासकते। इंक्वायरी कोई तीसरा आदमी करे, तब तो बात समझ में आ सकती है।

श्री बंसी लालः उस एस0 पी0 को, जो डी0 आई0 जी0 बना दिया गया, फिर भी उसको इंक्वायरी देने में कोई लीगल या मैरल हिच नही है।

चौधरी भजन लालः लीगल या मोरल हिच कासवाल नही हैं दरअसल जिनके खिलाफ इंक्वायरी होनी है, उनमें लिए भी जरूरी है। कि आदमी न्यूटरल होनाचाहिए। अध्यक्ष महोदय, आप तो जानते है कि जब आदमी न्यूटरल नही होगा और थोड़ा सा भी वह पार्टी के साइड पर हो, तो हम उसे इंक्वायरी पर कैसे लगा सकते हैं लेकिन इस मामले में सारा कुछ देखेगे और ईमानदार आदमी, ठीक आदमी को इंक्वायरी पर लगाएंगे ओर आप भी कह देगे कि यह आदमी ईमानदारी है, वही आदमी इंक्वायरी करेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतबीर सिह कादियानः उसऐक्यूज्ड ने, जो टैक्स की चोरी करता था, ऐलीगेशन लगाया हैं कि एस0 पी0 ने मेरे से जबरदस्ती दस्तखत कराए। दो बातें हो गई, या तो वह चोर नही है और अगर एस0 पी0 ने जबरदस्ती दस्तखत कराए और यह बात कोर्ट मे प्रूव हो जाए तो एम0 पी0 को क्या सजा दोगे जिस ने डंडे मारकार हां भरवाई। चोरी की है या नही कही है, यह दो प्रश्न पैदा हो गए।

Mr. Speaker: Now let me proceed on the agenda.

(At this state several members rose to speak)

Mr. Speaker: Please take your seats, I will reply to every member. (Noise & interruptions)

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना): स्पीकर साहब, धीरपाल जी ने कहा कि कमेटी ने हिमाचल में विजिट किया था और साथ में कहा कि बिजली की कास्ट दो रूपये बतायी हैं स्पीकर सहाब, हमने तीनयूनिट विबजिट किये थे जिनममें एक तो था चमेरा, वह अन्डर कंस्ट्रशन हैं उसके बनने पर ही पता चलेगा कि उसकी कितनी कास्ट आएगी? दूसरा यूनिट था बेरासयूल, जिससे हमें 40 परसैन्ट बिजली आती है। मैने कमेटी की सारी प्रोसीडिगज मंगवाई है, उसमें उन्होने आन दी स्पाट पूछने पर बताया है कि Tantative cost of generation per unit was 45 pasise.

श्री अध्यक्ष: यह तो सभी को पता है कि थर्मल का रेट ज्यादा होगा और हाईडल का कम। यह बिल्कुल क्लीयर है। (शोर)

श्रीमती चन्द्रावती: जनाब स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटैन्शन मोशन जो डीजल के अन्दर मिट्टी को तेल मिलाने के सम्बन्ध में था, आपने रिजैक्ट कर दिया, लेकिन मै आपको बताना चाहती हूं कि सारे हरियाणा के पेट्रोल पम्पत वालों से, हर महीने का 10–10 हजार रूपया मिट्टी का तेल, डीजल में मिलाने के

लिए लिया जाता हैं स्पीकर साहब, लो ंके ट्रक चलाते है, ट्रैक्टर्ज चलते है। सरकारी बसे चलती है, लोगों की जीप्स चलती है। औश्र लो लड़के बेचारे बेकार है, उनकी जीपे चलती है। डीजल में मिट्टी का तेल मिलाने का कारण उन सब लोगों के व्हीकल का सत्याना ा हो रहा है। अगर एक आदमी के चार पैट्रोल पम्पास है, तो उससे एक पेट्रोल पप्म को 10 हजार रूपये को हिसाब से विभाग वालों ने 40 हजार बांध रखा है। इसलिए मै चाहूंगी कि इस सारे कांड की जांच करवाई जाए। मै आपको क्या बताऊ हमारी एक कमेटी ने यह कहा कि इन पर छापे डालने जाएंगे इसलिए मेरी आपको द्वारा सरकार से रिक्वेस्ट है। कि आप इस बारे में कोई न कोई इन्तजमा करवाएं ताक गरीब किसानों के ट्रैक्टरों, अन इम्लायड यूथ की जो जीपे चलती है, लोगों के ट्रैक्टर जो चलते है, बसे है ट्रक्स है, उनका सत्याना ा न हो सके। जो लोग ऐसा गलत काम करते या करवाते है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह): अध्यक्ष महोदय, बहन जी की और से इस बारे में कोई लिखित ि ाकायत तो नही आई है, फिरभी उन्होने ि ाकायत की है, उस बारे में कुछ कहना चाहूंगा। भाई सम्पत सिंह जी भी कह रहे है थे कि दो अढ़ाई साल हो गये, जब हमारी पिछली सरकार थी, तो उस वक्त फूड डिपार्टमैंट के रोजना कबाड़े बवाल इकट्ठे होते थे, और भी कई किस्म की घटनाएं होती थी। हाउस में भी आने के

बाद छीछलेदारी होती थ्भ कि तुम बड़े खुशकिस्तम हो। मैने कहा भाई इससे जाहिर होता है। है कि जो शिकायत पिछली सरकार के जमाने में हुआ करती थी, हमारे साथी को इस बात से तसल्ली है कि वह शिकायत अब नही हैं लेकिन अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने अपनी शिकायत के मुताल्लिक जो चिन्ता जाहिर की है, उस बोर में कहना चाहूंगा, जैसा मुख्य मंत्री महोदय ने भी कहा ओर आप थ्भ जानते है कि आज कही भी पूरी तरह से ईमानदारी की उम्मीद करना मुमकिन नही। यह सभी जानते है। लेकिन अध्यक्षम होदय, मै कहना चाहूंगा कि मिट्टी कातेल मिलाने की जहां तक बात है, बहिन जी ने खास तौर पर भिवानी के बारे में यह सवाल किया। काफी समय से मिट्टी के तेल की मिलावट डीजल में होने की शिकायते आती रही है। आज भी है, चाहे वह कम है। इसलिए यह सरकार बनते ही हमने कोशिश की कि ऐसा काम न हो पाए। जहां तक मिट्टी के तेल के डाइवर्शन की बात है। अम्बाला व हिसार, हमारे दो डिपोज जहां से हर जिले का मिट्टी का तेल भेजा जाता है। होल सैल्र यह तेल टैंकर से हर जिले में ले जाते है। हमने दोनों डिपोज पर इन्सपैक्टर लैवल के कर्मचारियों की व्यवस्था की ताकि रास्ते में कोई इाडकर्शन न हो। अगर ऐसा होता है तो वे उसे चैक करे। इन टैंकर के रवान होने की सूचना डी0 एफ0 एस0 ई0 को दी जाती है। इसके बाद सेल डिपों से मिट्टी का तेल लेकर, रिटेलर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी डी0 एफ0 एस0 ई0 की है। इसको चैक करने के लिए पीछे हमने काफी कम्पेन चलाया। मै आपको 1988–89 तक की फिगर देता

हूं। हमने बहुत से पैट्रोल पम्पस पर रैड्स किए। अब यह सरकार बनी तो उस समय 315 सैम्पल लिए और रैड्ज किए। जब यह सरकार बनी तो उस समय 235 सैम्पल लिएथे। अब तीन चार महीनो में 101 रेड किए है। रैड करने के बाद उनके खिलाफ केस रजिस्टर किए है। बहिन जी, भिवानी के बारे में कह री थी कि उनहोने जब एस्टीमेट्स कमेटी में इस बात का जिक्र किय तो विभग वालो ने एक हफ्ता पहले उनको बता दिया कि हम आपे ऊपर रैड डालेगे। आपकी रिपोर्ट हमें भी मिली थी ओर हमने फौरन इंतजाम करके रैड करवाए और केस रजिस्टर कैसें होते? भिवानी में किजन पर हमने रैडकिए है, उनके नाम है संजीव फिलिग स्टे ान और मित्तल आटो सर्विस स्टे ान। एक रैड 12. 05.93 को किया गया और दूसरा 04.06.93 को दिया गया हमने बाकायदा उनके खिलाफ केस रजिस्टर करवाया है। अगर फिर भी कोई खास केस बहिन जी के नोटिस मे हो तो वे हमें बताए, हम फौरन कार्यवाही करेगे। हमने एक स्पै ाल कम्पेन चालने का प्रोग्राम बनाया है। अगर फिर भी कोई खास केस बहिन जी के नोटिस में हो तो वे हमें बताएं, हम फौरन कार्यवाही करेगे। हमने एक स्पै ाल कम्पेन चालने का प्रोग्राम बनाया है। और भारत सरकार से कई बार मामला उठाया है। कि इस मिलावट को कैसे रोका जाए। उनके पास यह मामला अंडर कंसिड्रे ान है। मिट्टी के तेल और डीजल के रेट में काफी अन्तर है, इस वजह से व्यापारी बेईमानी करने के लिए मजबूर होते है। हमने भारत सरकार से कहा था कि या तो मिट्टी के तेल के रेट बढाए जाएं

या मिलावट को रोकने के लिए कोई कैमिकल वगैरह हस्तेमाल की जाए जिससे डीजल के रंग में फर्क आ जाए। हमने अम्बाला और करनाल के डिपोज को लिखा है और उन्होने कहा है कि हम ऐसीा कैमिकल तेल में मिलाने की कोशिश कर रहे है। इस बारे में जल्द नैगोसिएशन हो रही है। वह कैमिकल मिलाने से सारी समस्या का समाधान हो जाएगा। मिट्टी के तेल में वह कैमिकल मिला देगे औ अगर फिर भी कोई व्यक्ति उस तेल की डीज में मिलाएगा तो डीजल का रंग पिक हो जाएगां उससे यह साबित हो जाएगा कि इस डीजल में मिलावट है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ सरकार पूरी तरह से ईमानदारी के साथ जागरूक हैं मै सारे हाउस को तसल्ली देना चाहता हूं कि सिस्टम में काफी हद तक सुधार करने की कोशिश की है और सुधार हुआ भी है। आप सभी इस बात को महसूस भी करते होगे कि पहले शिकायत बहुत होती थी, उसमें व्यवस्था का भी दोश हो सकता है। और हलात का भी दोश हो सकता है। पहले इस बारे में भी मै सभी मैम्बर्ज को कहता हूं कि आप मुझे बताएं, हम इन्कवायरी कराएंगे। मैने इन्कवायरी कराई भी है अैर इंस्पैक्टर्ज तक को सस्पैड भी किया हैं मिट्टी के तेल में एक बीमारी है, यह बात आप भी जातने है, और मै भी जानता हूं और सारे देशवासी मानते है। इसके भी दो तीन कारण है। तेल की खपत भी पूरी नही है। लोगों की जरूरत को पूरा करने के लिए हम ईमानदारी के साथ भरसक प्रयास करेगे। अभी रीसैटली 5–6 दिन पहले हमने एक कम्पेन चलाया था और 12000 लीटर मिट्टी का तेल ले जा रहे एक ट्रक को पकड़ा था।

किसको दोश दे? नीयत तो किसी की भी खराब हो सकती है। वह आदमी मेरा भी हो सकता है और अपोजी ान के किसी माननीय सदस्य का भी हो सकता है। लेकिन उस आदमी का अपोजि ान के किसी माननीय सदस्य को भी होसकता है लेकिन उस आदमी का अपोजी ान पार्टी से संबंध था मुझे इस बारें में ज्यादा नही कहना। हमने उस होल सेल डीलर के खिलाफ केस दर्ज करवाया हैं कुछ गिरफ्तारियों भी हुई है। इस तरह के केसों में आप सभी लोगों के सहयोग की जरूरत है।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मेरे पास प्रो0 सम्पत सिंह, श्री कृशण लाल, श्री जिले सिंह, श्री सतबीर सिंह कादिया और श्री राम कुमार अटवाल की ओर से बिजली के बारे में, पीने के ानी के बोर में ओर ड्राउट के बोर में एक काल अट ान मो ान के नोटिस पहले से ही आए हुए हैं रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 73 के मुताबिक, हम एक दिन में एक काल अटै ान मो ान ले सकते है लकिन हमने एक दिन में दो दो काल अटै ान मो ान लिए है। रूल 73 में यह लिखा हैः–

"ow more than one such matter shall be raised at the same sitting."

यह जितनी भी काल अटै ान मो ान है, they all are disallowed इसलिए काल अटै ान मो ान के बारे में बोलने की आव यकता नही है।

वि ोशाधिकार भंग का प्र न

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of breach of privilege from sh. Chhattar Singh Chauhan regardings misbebehaviour by the I.B. and C.I.D. officers of Haryana with him. It is under my consideration. Even if the House is not in session, the Speaker is competent to take appropriate action in the matter. Let me thoroughtly examinit it first.

स्थगन प्रस्ताव की सूचना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received an adjournment motion from Sh. Sampat Singh and 9 other MLAs. regarding tax evasion in the Excise & Taxation department. I have disallowed this motion.

कार्य सूची की मंदों में परिवर्तन

Mr. Speaker: Hon'ble Members, discussion on motion under rule 84 has been included as item no. 4 of list of busines and discussion on Non-Official Resolution as item No. 3. If the House agres, we can take item no. 4 first and item No. 3, i.e., discusionon non official reselution later, in order to have uninterrupted discussion. No more discussion on the calling attention metions.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Irrigation Minister will move the motion under Rule 16.

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): Sir I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Motion moved

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried.

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice under rule 84 from Smt. Chandravati, MLA with regard tothe discussion of 18the Annual report and accounts for the year 1991-92 of the Haryana Seeds Development Corporation Limited, which was laid on the Table of the House on 30the August, 1993. Now, Smt. Chandravati may move her motion.

Smt. Chandravati: Sir, I beg tomove—

That the 18the Annual Report and Accounts for the year 1991-92 of the Haryana Seeds Development Corporation Limited, which was laid on the Table of teh House on 30th August, 1993, be discussed.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the 18the Annual Report and Accounts for the year 1991-92 of the Haryana Seeds Development Corporation

Limited, which was laid on the Table of teh House on 30th August, 1993, be discussed.

अब श्रीमती चन्द्रावती बोलेगी।

वाक आउट

श्री राम कुमार कटवाला: स्पीकर साहब, मेरी भी काल अटैशन मोशन थी, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्ष: अब आप बैठिए। मैने सभी काल अटैशन मोशन डिस अलाउ कर दी हैं यदि आपने वाक आउट करनाहै तो आपकी मर्जी है।

(इस समय श्री राम कुमार कटवाल सदन से वाक आउट कर गये।)

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुरनारम्भ)

श्रीमती चन्द्रावती (दादरी): स्पीकर साहब, यह तो रिपोर्ट हमारे सामने है, मै इसके बारे में कहना चाहती हूं। यह सरकार की रिपोर्ट है और इस पर डिस्कशन होनी चाहिए। (इस समय सभापतियों की सूचि में में से एक सदस्य चौधरी वीरेन्द्र सिंह पदासीन हुए) चेयरमैन साहब, सीड्ज पर सारी कृशि डिपैड करती हैं हमारी सारी इकोनामी सारे देश का आर्थिक ढांचा, देश की मशीनरी, देश की खेती पर डिपैड करती है। चेयरमैन साहब, अगर किसान को खेतों के लिए समय पर बीज औरखाद नही दिया

जाएगा या बिजली समय पर नही दी जाएगी तो चिन्ता जनक बात है। यह डायरैक्टर्र की अपनी रिपोर्ट है, इसमें उन्होने खुद माना है कि खरीफ के बीचज की प्रोडक्शन में सैटबैक इनिशियली मौनसून की देरी की वजह से हुई है। In this report it is also mentioned—

"Thought the production during the year under review was higher than previous year but in case of who at the targetted Qty. of seed could not be procurred as the market prices showed increasing trend at the time of procurement. The Corporation increased the procurement price to the exient possible, even then some of the growers with held the produce due to price factor. There was set back in production programme of the required varieties because of preference shown by groweres for selected varieties."

जो व्हीट है, ग्राम है, पैड्डी हैं उस पर असर हुआ है क्योंकि बीज समय पर नही दिया गया। डायरैक्टर्ज ने कहा है कि रबी की प्रोडक्शन को इससे सैटबैक पहुंचा हैं इन्होन`सनफलावंर का प्रैफरैंस दी है लेकिन सन फलावर के बारे में बहुत ज्यादा शिकायत थी कि किसान को बीज नही मिला। इसी वजह से आटिडटर की जो रिपोर्ट है, उसमें भी उन्होने एतराज किया है। चेयरमैन साहब, पेजन नं0 10 पर आडिटर की रिपोर्ट में लिखा है। :For issue of shares, the ratio prescribed in Clause 5(a) of the Articles of Association is not maintained. चेयर मैन शिडयूल 14 पर इसकी डिटेल दी हैं अगर मै इसको भी पढ़ने लगी तो ज्यादा टाईम लग जाएगा। इम्पोटैंट लाइर्न पढ़ देती हूं। इस में

लिखा है— “Similarty it is writen that there is non provision of comitment charges of Rs. 25000/- of 1990-91 and Rs. 31,800.70 Ps. for 1991-92 charged by New Bank of India.” चेयरमैन साहब इसके अन्दर भी जो सीट की टैस्ट रिपोर्ट लिखी है, उसमें उसकी कमी नही बताई हैं जो आडिटर की रिपोर्ट में दो रखी है। इसी के साथ मै यह बताना चाहती हूं कि 28 क्विंटल सन—फलावर का बीज गायब हो गय, उसका भी कोई पता नही हैं कि वह कहां गया है। चेयरमैन साहब अगर ऐसा हाता है तो इससे ज्यादा खराब बात और क्या हो सकती है? इसमें किसी कि जिम्मेवारी नही ठहराई गई और न ही किसी को चार्जशीट किया गया। चेयरमैन साहब, कई बार बीज इतना घटिया होता है कि कुछ नही कहा जासकता। बाजारे का बीज उगा ही नही या उसमें कबे पड़ गए, काला हो गया। यह भी कहा जाता है। कि बाजरे कोड़िया हो गया है। इसी के सथ चेयरमेन साहब, सरसो का बीज नही मिलता, चेने का बीज भी नही है। अगर परमाप्तमा ने बारिश कर दी तो अलग बात है। मै सरकार से आश्वासन चाहती हूं कि सरकार भविश्य में चने का ओर सरसों को अच्छा बीज देगी। इसी के साथ व्हीट का भी यही हाल है। व्हीट का बढ़िया बीज ही नही है। पता नही खाद में क्या मिलते है? सर, पी0 एल0 40 गेहूं आई, उसके साथ कांग्रेस घास क्यों होती है? क्या खाद में ही उसके बचीज होते है जिससे कांग्रेस उग जाती हैत्र इसी तरह से काटन पर भी किसान तीनबार स्प्रे करते है, तब जाकर कीडे मरते है। क्या यह खाद के कारण होता है या बीज ही ऐसे है? चैयरमैन

साहब, मरे हल्के में रापत नाम का आदमी है, उन्होने मुझे बताया कि वे हमेशा देसी खाद डालते है। उनकी कपास में कभी कीड़ा नही लगता। चेयरमैन साहब, एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट की तरफ से किसानों को सुझाव देने चाहिए जिससे उनकी फसल को कीड़ा न लगे। जिस दवाई का ये दावा करते है कि बहुत ही बढ़िया है, उसके छिडकने से भी कीड़े नही मरते है। इसके बारें में एग्रीकल्चर वालों की तरफ से जांच होनी चहिए। चेयरमैन साहब, मै कहना चाहती हूं कि किसानों को सोईग सीजन है, उनको अच्छा बीज मिलना चाहिए At page 38 against Sr. No. 19 or the Report it is also memtioned that some of the growers have filed claims of lodged complaints with the Consumer Forum against the sale of sunflower seed No. provision has been made against these complaints/claims since in some cases, the Corpooration has already retained certain amount and also taken indemnity Bond from the concerned supplier against any present or future liability चेयरमैन साहब, जब इस तरह की शिकायतें आती है, इन शिकायतों को दूर करने का कुछ इन्तजाम होना चाहिए।

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह): चेयरमैन साहब, मै इनको बताना चाहूंगा कि सीड्स कारपोरेशन ने बहुत अच्छा काम किया है। जब इस कारपोरेशन ने शुरू में काम किया था, तब वह लौस में चल रहा था लकन उसके बाद, पिछले दो तीनसाल से लगातार प्रोफिट में जा रही है और मुनाफा कमा रही है। इस साल भी इस कारपोरेशन ने 76 लाख का मुनाफा कमाया है और 93–94 के

बारे में अनुमान है। कि इस का मुनाफा लगभग एक करोड़ रूपये होगा। कारपोरेशन किसानों के लिए जो सीड्स तैयार करती है, अब उसकी मात्रा भी काफी बढ़ा दी गयी हैं अब ज्यादा सीड तैयार होते है, सर्टीफाई होत है। हम किसानों को ज्यादा बीज सप्लाई करने की कोशिश करते हैं जहां तक आपका यह कहना है कि पेस्टीसाईड्स और इनसैक्टीसाईड्स ठीक नही है। चेयरमैन सर, इनकी शिकायते हमारे पास भ आयी है। इन्होने यह भी कहा कि जो दवाईयां किसानों को मिलती है, उनकी क्वालिटी अच्छी नही हैं इसमें दो कारण हो सकते हे, एक यह हो एकता है कि एक ही दवाई का बार बारयूज करने के बाद उसका इतना प्रभाव नही रहता। जैसे कोई आदमी अगर एक ही दवई लेता रहे तो उसकस उतना असर नही होता। लेकिन फिर भी हमने इनको चैक करने के लिए एक डिसीजन लिया है। कि पहले जो सैम्पल लेना होता था। लेकिन अब हमने चैकिग पावर्स, हैड क्वार्टर के सीनियर औफिसर को दे दी है। अब ये सीनियर आफिसर्ज ही सैम्पल लिया करेगे। ये औफिसर रेड कर रहे हैं हम यहफैसला सख्ती से लागू कर रहे है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री मनी राम केहरावाल पदासीन हुए) अब आपकी यह शिकायत नही मिलेगी। लेकिन 100 परसैट ठीक करना तो हमारे लिए असंभव है, फिर भी हमारी पूरी कोशिश है। कि किसानों को जो भी पेस्टीसाईडज, इनसैक्टीसाईडज या इनपुट्रस दिए जा, उनकी क्वालिटी ठीक हो। इसके लिए हम पूरा प्रयास कर रहे है। इसके अलावा, उन्होने चोरी के बारे में कहा कि 1991–92 में पटौदी में सीड के प्लांट से

28 किवटला सन फलावर का बीज चोरी हो गया मै इनको बताना चाहूंगा कि कारपारेशन इने इसके लिए पुलिस में केस रजिस्टर कर दिया है और जांव चल रही है। इसका चालान कोर्ट में पुट अप है। इसके लिए कारपोरेशन के एक इम्पलाई क अरैस्ट किया गया हैं उसके इसमें हेराफेरी की थी, अब वह बेल पर हे। कोर्ट में चलान पुटअप हो गया है।

शिक्षा प्रणाली में सुधार संबंधी गैर सरकारी संकल्प

Mr. Chairman: Hon'ble Members, now the discussion on non official resolution will take pleace. Sh. Hari Singh Nalwa will continue his speech.

श्री हरि सिल नलवा (सभालखा): चेयरमैन सर, यह जो नॉन ऑफिशियल रिज्योल्यूशन है, मै इसकी हिमायत में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सौभाग्य से इस रिजौल्यूशन को अपने ही मूव किया था। यह एक बहुत अहम मुद्दा है और सारे देश का ढांचा एजूकेशन के ऊपर डिपैन्ड करताहै। वर्ल्ड के अन्दर किसी भी देशको ले लीजिए। जिस देश ने भी तरक्की की है,वह पहले अपने एजूकेशन सिस्टम में सुधार लाया है। देश के लोगां की एजूकेशन प्लैन्ड ढंग से होनी चाहिए। जो लोग सही किस्म की शिक्षा पो है और जब वे अपनी वास्तविक ओर प्रैक्टिकल लाईफ में आते है तो उनके मास्तिख्क में जब कोई स्कीम आती है, वे तोड़–फोड़ और गलत किस्कम के कार्यो की ओर ध्यानदेने के बजाए देश को बनाने की जो कार्य शैली होती है, उसमें सें लग

जतो है। देश की तरक्की के लिए, देश को बनाने की जो कार्यशैली होती हे, उसमें लगा जतो है। देश की तरक्की के लिए, देश को आजाद रखने के लिए रेश को गाईड करने के लिए अच्दे एजूकेशन सिस्टम का होना बहुत जरूरी है। इसलिए चेयरमैन सर, मै आपसे यह अर्ज करना चाहूंगा कि हमारा आज का एजूकेशन सिस्टम है, उसमें सुधार होना चाहिए। जिस वक्त हमार देश गुलाम था, उस वक्त तो लोग डर कर काम करते थे लेकिन आजाद होने के बाद भी हम गुलामी की जेहनियत क्यों रखे? अगर आदमी अपनी जिम्मेदारी समझकर चलेगा तो इससे हमारी आजादी भी कायम रहेगी। इस देश में जितने भी नर–नारी बसे हुए है, उनको रोजगार भी मिल पाएगा। वर्तमान में हमारा देश जो दिन–दुगनी रात चौगनी तरक्की करता जा रहा है, उस में कोई बाधा नही आएगी। अगर एजूकेशन का सिस्टम इसी तरह से डिटेरियारेट होता रहा है तो देश फिर से गुलाम हो सकता है, कई बुराईया पैदा हो सकती है। साइंस के जमाने में एजूकेशन को सिस्टम जाब औरिएन्टेड न होने की वजह से रोजगार की कमी है। साईस का बढ़ता हुआ जमाना है, 24 घंटे टी0 वी0 चलता है, उसमें कई बातें हमाी सम्भयता से मेल नही खाती है, उनको देखकर हमारे नौजवानों को दिमाग पलटियां खाने लगता हैं उनको देखकर वे वैसा ही ड्रामा करना चाहते है, जैसा पिक्चरों को देखते है। पैसा कमाने के लिए ऐसे सीन दिए जाते है कि वे उसे असलियत मान कर इस तरह से चलते हैं कि वे अपनी जिन्दगी बर्बाद कर लेते है। ओर साथ ही अमन के साथ जो

समाज चल रहा होता है देश के अन्दर जो उन्होने काम करना होता है, उसमें खलल न पड़ता हैं हमारा एजूकेशन सिस्टम वही पुराना है। पुराने जमाने मेंयह देश सोने की चिड़िया कहलाता था। संस्कृत का बोलबाला था। (विध्न)

श्री पीर चन्दः चेयरमैन सर, मेरा प्वायट ऑफ आर्डरह। सदन में कोरम पूरा नही है और सदन चल रहाहै।

श्री सभापतिः कोरम पूरा है, आप बैठ जाइए। आप तो बहुत पुरान मैम्बर है। आपको तो पता होना चहिए कि कोरम के लिए कितने मैम्बर होने चाहिए? कोरम के लिए 9 मैम्बर चाहिए।

श्री हरि सिंह नलवाः चेयरमैन सर, मै आपके माध्यम से इस देश के, इस प्रांत के लोगों को ध्यान दिलाना चाहता हूं कि हिन्दुसतान सोने की चिडिया कहलता था पाटलीपुत्र इस देश की राजधानी होती थी, उस समय शिक्षा का बोलबाला था लोगों का कैरिअर था। उस समय हमारी संस्कृति आसमान को छूती थी। सारी दुनिया के लोग हिन्दुस्तान की तरफ देखते थे। हमारी साईन्सभी उस समय कबहुत डिवैल्पवड थी। आप महाभारत में देखे। उस साईन्स ने कितन तरक्की की हुई थी। आज तो उसके मुकाबले में एक रूपये में से चार आने भी नही है। महाभारत के समय तीर कमान और पुश्पक विमान चलते थे। यह इस बात का दर्शाते है कि हमारी साईन्स उस समय किनी डिवैल्पड थी। जब लंका जीत कर भगवान राम अयोध्या वापस आये, उस समय हमरे

वेद भाास्त्र किनते सम्मान से देखे जात थे। जो विद्या उस वक्त हमारे टीचर्ज पढ़ाते थे, उसके रहते हुए किसी भी शिश्य की यह हिम्मत नही होती थी कि वह टीचर के सामने जाकर उस से नजर मिला कर बात करें। टीचर का जा आदेश होता था, वह परमात्मा का आदेश होता था। उस समय टीचर और शिश्य का रिश्ता ही ऐसा था। आज यह रिश्ता बिल्कुल गायब है। इस एजूकेशन सिस्टम में हमें ऐसा रिश्ता लाना है। जहां तक टीचर का ताल्लूक है, आजकल आपको पता ही है कि वह क्या करता है? कैसे जमाना आ गया है? जैसा राजा वैसी प्रजा। इस बात का फर्क तो पड़ता है। जैसे टीचर होगा वैसा ही शिश्य होगा। इसलिए हमें इस सारे सिस्टम को बदलना होगा। इसके लिए मै कुछ सुझाव आपकी सेवा में रखना चाहता हूं। अगर आपे देश को तरक्की की रहा पर लाना है या हमारे नौजवान साथियों को आगे बढ़ाना है, तो मेरे सुझावों की तरफ ध्यान देना होगा। देश क्या होता है? देश के नर और नारियों से देश बनता है। अच्छे सिटीजन्ज ही देश को आगे ले जा सकते है तभी देश एक अच्छा और सम्पन्न देश कहलायेगा। अगर उस देश के अन्दर गन्दी किस्म के लोग पैदा हो जाएंगे, नकारा, भ्रश्ट और इन एफीशीयैंट होगे तो वह देश निकम्मा कहलायेगा। ऐसा देश कभी तरक्की नही कर सकता, ज्यादा सयम तक आजाद नही रह सकता। इसलिए हमें आपनी आने वाली औलाद के इन्ट्रैस्ट को देखते हुए, देश की आजादी के इन्ट्रैस्ट के लिए और देश की एकता तथा अखंडता के इन्ट्रैस्ट के लिए आपने एजूकेशन सिस्टम की तरफ ध्यान देना

चाहिए। उपको यह तो पता ही है कि हरेक काम के लिए धन चाहिए। धन के बगैर कुछ नही हो सकता। आपने देखा होगा कि नार्थ कोरिया जब आजाद हुआ और उसके दो टुकड़े हुए तो वहां की सरकार ने यह आर्डर कर दिया क बाहर के देशों से न कोई चीज लायेगो ओर न ले जायेगे। टीचर्ज इन्जीनियर्ज और डाक्टर्ज को बुलाकर सरकार ने यह बोला कि आपकी इज्जत, मान और आर्थिक कंडीशन्ज का ध्यान रखना हैं इसलिए देश को वह चीज मुहैया कर दो जो आज के मार्डन जमाने में देश को चाहिए। आपने देखा कि चन्द्र सालों के अन्दर ही देश के इंजीनियर्ज, डाक्टर्ज और टीचर्ज ने उस देश को वर्ल्ड के नक्शो पर ला कर खड़ा कर दिया। आज वह एक बड़ा भारी उन्नत देश है। इसलिए मै आपके माध्यम से सरकार को यह सुझाव देना चाहूंगा कि हमें एजूकेशन सिस्टम को सुधारना चाहिए। आज एजूकेशन का क्या हाल हैत्र जब हम लड़कियों को शिक्षा की बात करते है या उनके पढ़ने के लिए एफीलिएशन मांगने के लिए जाते हैं तो हमें एफीलिएशन नही मिलती। एजूकेशन के मामले में मै इस प्रांत के मुख्य मंत्री को इस बात के लिए मुबारिकबाद देना चाहता हूं कि उनहोने लड़कियों की बी0 ए0 तक की शिक्षा फ्री कर दी है। यह एक बहुत अच्छा कदम है। इस कदम की जितनी भी सरहाना हम कर सके, हमें करनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही हमें उनकी पढ़ाई के लिए स्कूलों और कालेजों में पूरी फेसिलिटीज देनी चाहिए। वहां पर पूरे टीचर्ज दे और जो दूसरी कमिया है, उनकी तरफ सरकार ध्यान दे जिनकी तरफ ध्यान देने की जरूरत है।

ऐसा अगर हो जाये तो इससे सिस्टम में सुधार होगा। मै समझता हूं कि एक लड़की को पढ़ाने से दो परिवार सुधरते है। जब दो परिवार सुधरते है तो धीरे धीरे देश के अन्दर चारों तरह रौनक आती है। इसलिए लड़कियों की शिक्षा को होना अति आवश्यक है। हमारे एजूकेशन सिस्टम के अन्दर जो नकल करने की बात आ गयी है, बच्चे कापिया करते, यह गलत है। टीचर्ज और प्रोफैसर्ज जो पढ़ाते है, वे जिस सब्जैक्ट को स्कूलों या कालेजों मे पढ़ाते है।, पहले तो उनको कम्पलीटैट होना चाहिए। आज हालत यह है कि जिस क्लास को वह पढ़ाते है, और जिस सब्जैक्ट को वह पढ़ाते है, अगर उनका ही टैस्ट ले लिया जाये, तो पोजीशन पता चलती है। अगर कोई टीचर 10वी क्लास का मैथ्स पड़ता है तो वह बी0 ए0 बी0 एड0 तो होगा ही। मै यह स्कीन के साथ कह सकता हूं कि अगर उनका अपना टैस्ट ले लिया जाए जाये, जिस क्लास को जो किताब वह पढ़ाते है, वे उसमें से 60 प्रतिशत मार्क्स भी नही ले सकते । मुझे तो इस बात में भी शक है कि वह शायद पास भी न हो। ऐसी हालत में वह क्या पढ़ायेगे? इसलिए मैं सरकार को एक सुझाव देना चाहता हूं। टीचर्ज को एक साल का या छः महीने का समय दिया जाए ओर जहां ये पोस्ट होनाचाहे, वहां पोस्ट कर दिया जाए। अगर से लोग ट्रांसफर्ज से बहुत ज्यादापरेशानहै। जितना दवाब हम लोगों के ऊपर ऐजूकेशन डिपार्टमैंट का है, उतना शायद ही किसी और विभाग का हो। मेरा सरार को सुझाव है कि एक बार इनकी छूट कर दो और जो टीचर जहां पोस्ट होना चाहे, उसे उसकी मर्जी की जगह

पोस्टिग दे दो। जहां जाना चाहे वहां लगा दो और फिर इनकी एक कांफ्रैस बुलाओं, उससे उनसे यह कहा जाए कि जो टीचर जो सबजैक्ट पढ़ाताहै, उस टीचर का ऐग्जाम होगा ओर उस ऐग्जमा में जो टीचर 95 प्रतिशत माकर्स नही लेगा, उसको नौकरी से हटा दिया जाएगा या उसके खिलाफ कोई ऐक्शन होगा। इस काम के लिए इनको एक साल का समय दिया जाएं मैन साहब, इससे बच्चों परभी कंट्रोल होगा। क्योंकि जो टीचर काबिल होगा, तभी वह बच्चां पर कंट्रोल कर सकेगा। अगर उसको कुछ आता ही न हो तो वह कंट्रोल नही कर सकता। उसका दबदबा बच्चों पर नही हो सकता। बच्चों पर आज जो कंट्रोल नही है, इसमें पेरैन्ट्स का भी कसूर हैं बच्चे फेल हो जात है तो पेरन्ट्स सिफारिश कराते है कि हमारे बच्चों को पास कर दो। अगर बच्चे नकल करते है तो पेरेन्ट्स कहते है। कि किसी ओर न उनके पास कागज फैंक दिया था अगर पेरेन्ट्स चाहते है कि उनके बच्चे गुंडे न बनें ओर एक अच्छे कामयाब इंसान बने तो बच्चों को स्कूलों में अच्छी शिक्षा दिलानी होगी और बच्चों के किसी गलत काम को स्पोर्ट नही करना होगा। आज जो शिक्षा का सिस्टम चला रहा है, वह बच्चों के जीवन के साथ एक खिलवाड़ है। बच्चों की शिक्षा के साथ चाहे पेरैन्ट्स खिलवाड़ करे चाहे टीचर्जस करें और चाहे अधिकारी करे, ऐसे लागों के साथ सख्ती से बरता जाना चाहिए। ऐसे लोगों के साथ सख्त कदम उठाने चाहिए। यह शिक्षा का ही प्रभाव है कि कही हिन्दू मुसलमान का झगड़ा है, कही हिन्दू सिख का झगड़ा है। आज पंजाब मं जो आग लगी हुई हे, वह शिक्षा

का ही कुप्रभाव है। सारा कसूर शिक्षा का है। सब कुछ शिक्षा की वजह से ही हो रहा है। अगर सही किस्म की शिक्षा बच्चों को मिल तो ये झगड़े बिल्कुल नही होगे। पहले जमाने में भी तो तरह तरह के धर्म के लोग रहते ही थे। छत्तीस किस्मत की जातियां एक साथ रहती थी। आपस में बड़ा प्रेम था। एक दूसरे के दुःख दर्द में लोग काम आते थे। विभिन्न धर्मों के लोग इकट्ठे रहते थे। लोग एक दूसरे की सभ्यता से जुडे हुए थे। उस वक्त जो टीचर कह देता था, वही होता था। मठो में बैठकर सरकार चलती थी। गुरू ने कुछ भी कह दिया तो सरकार हिल जाती थी। उस वक्त का टीचर सियासत में हिस्सा नही लेता था लेकिन आज का टीचर सियासत में हिस्सा लेता है। थोड़ा बहुत हिस्सा ले लिया जाए तो कोई हर्ज नही हैं लेकिन बहुत ज्यादा सियासत में हिस्सा लेना उचित नही हैं जब इन टीचर्ज से बात करते है कि आप बच्चों को क्यो नही पढ़ाते हो तो उनका जवाब हाता है कि भ्रश्टाचार का जमाना हैं हर मुलाजिम अपनी तनखाह से ज्यादा कमाता है। वह साईड बजनैस करता है वे खेती बाड़ी करता है या कोई दूसरा काम करता है वे कहते कि अगर दूसरा काम नही करेगे तो गुजारा कैसे होगा। जब एक टीचर साइड बिजनैस करेगा तो वह बच्चों को क्या पढ़ाएगा। चेयरमैन साहब, यह सोच कोई अच्छी नही हैं अगर यही सोच चलती रही तो इस देश का भगवान ही मालिक है। ऐसी बातों से देश को खतरा है देश के लोगों की इस बारे में सोचना होगा। सरकार को सोचना होगा। चेयरमैन साहब, मै प्रार्थना करूंगा कि इस देश में एजूकेशन

सिस्टम को सुधारना चाहिए। हर आदमी को चिन्तित होकरसोचनाचाहिए और एजूकेशन के लिए जितने पैसे की जरूरत हो और जहां पर स्कूल खोलने की जरूरत हो वहां स्कूल खोलने चाहिए ओर जहां पैसे की जरूरत हो वहां अधिक से अधिक पैसा लगाना चाहिए। चेयरमैन साहब, एजूकेज्ञन में खराबी आने के लिएपोलीटिशयन भी जिम्मेवार है ओर ये काफी हद तक जिम्मेदार हैं इलैक्शन के समय जब ये कहे है कि पहले सौ रूप्या पैन्शन मिलती थी, आप हमें वोट दो हम दो सौ रूपया पैन्शन कर देगे। वोट लेने के लिए इस प्राकर के हथकण्डे अपनाना ठीक नही है। चेयरमैन साहब, यह सब कुछ हमारा ऐजेकेशन में खराबी आने के लिए पोलीटिशयन भी जिम्मेवार है और ये काफी हद तक जिम्मेदार है। इलैक्शन के समय जब ये कहते है कि पहले सौ रूप्या पैन्शन मिलती भी, आप हमें वोट दो हम दो सौ रूपया पैन्शन कर देगे। वोट लेने के लिए इस प्राकर के हथकण्डे अपनाना ठीक नही हैं चेयरमैन साहब, यह सब कुछ हमारा ऐजूकेटिड आदमी है, जो राईट थिकिग आदमी है, वह इस तरह की बात करके जनता से वोट बटोरने की बात नही करता। ऐसा आदमी देश के साथ गद्दारी करके, गल्त किस्म के नारे लगाकर वोट बटोरने की बात नही सोचेगा। गल्त किस्म के नारे लगाकर देश की जनता को गुमराह करना कहां का इन्साफ है, कहां लिखा है कि बार–बार एक ही आदमी देश प्रदेश का मुखिया बनेगा? एक ही आदमी प्रदेश या देश का एम0 एल0 ए या एम0 पी0 बनेगा? अगर हम सही तरीके से, दिन से अपने देश प्रदेश

की सेवा नही करते तो हमें दोबारा रिपीट करने का लोगों को हम नही है। ऐसे लोगों की मंजी जनता को ठोकनी ही चाहिए जोकि सही तरीके से दिल से लोगों की सेवा नही करते। मै आपने हल्के और दूसरे हल्कों में जहां भी लोगों से मिलता हूं यही कहता हूं कि सही आदमी लाओं। आज गांव का हरेक आदमी तरह तरह की शिकायतों से पीड़ित है और हम उन से कहते है कि इस सब के लिए आप भी जिम्मेवार हो। आप सही किस्म के लोगों को क्यो नही लाते? हम लोगों को यह भी कहते है क आप यह मत देखों कि यह आदमी किस जात का है, कहां से आ रहाहै, किस ने खड़ा किया है, जिस ग्रुप का है, किसी धर्म का है, हम जब तक इन सारी बातों को नही त्यागेगे, तब तक हमारी सभी दिक्कते दूर नही होगी।

चेयरमैन साहब, इन बातों कके अलावा, मै यह भी कहना चाहता हूं कि आज देश के अन्दर पैसे की कमी है। बिजली के बारे में जब हम पूछते है तो आगे से कहते है कि पैसा नही है। बिजली कहां से पैदा करेत्र अगर पैसा नही होगा तो बिजली कहां से होगी? हमें देश के लोगों को कमाना सिखाना चाहिए, न कि देश के लोगों को बेकार बनाना चाहिए। चेयरमैन साहब, मै आपके माध्यम से हरियाणा प्रांत की जनता से, हरियाणा प्रांत के हर पार्टी के लीडर से यह पूछना चाहूंगा कि क्या यह देश के बच्चों के साथ गद्दारी नही है जो हम उनकी ऐजूकेशन की ओर ध्यान नही दे पा रहे है और उन्हे सही रास्ते पर चलाना

नही सिखा रहे हैत्र मै समझता हूं कि इन सब बातो ंसे हम पोलिटी ायन्ज को दूर रहना चाहिए, बाज आना चाहिए और ऐजूके ान के सिस्टम को सुधारने की ओर अग्रसर होना चाहिए। झूठे नारों को हमारे पोलिटी ायन्ज को छोड़ देना चाहिए और लोगों की सेवा करनी चाहिएं लोगों को लालच दिखाकर के, सिर पर बैठाकर के लोगों से वोट मत मांगो। लोगों की सेवा करके, उनके दिलों में राज करके वोट मांगो ओर इस तरह से लोगों को अपने पीछे लगाओं। वह जमाना याद करो जब कृश्ण भगवान बांसुरी बजाया करते थे और लोग पागलों की तरफ उनके पीछे भागे चले जाते थे। जो आर्य समाजी भाई है, वे ऋशि दयानन्द जी को याद करे। उन से लोगों ने पूछा कि तुम्हारे पीछे लोग क्यों आते है तो उन्होने कहा कि मै दे ा ओर इन्सानियत की बात करता हूं, इसीलिए लोग मरी बात सुनते है ओर मेरे पीछे आते है, लकिन यहां पर क्या हो रहाह। सुबह से भााम तक हाउस का समय वेस्ट हो रहा है। एक दिन का काम नही थ, चार दिन हाउस चला गया। काम का पता नही। एक दूसरे को क्रिटीसिजम करते है, ऐसा नही होना चाहिए। सरकार का क्रिटीसिजम होना चाहिए। किसी का करैक्टर असैसीने ान मत करो। इस दे ा की जानता अनपढ हो सकती है, गरीब हो सकती है, भोली नही है, वह हरेक बात को अब अच्छी तरह से समझती हैं इसलिए मेरा कहने का मतलब यह है कि आप चोट मारों, अव य मारों लकिन जब लोहा गर्म हो ओर अगर टंडे लोहे पर चोट मारोगे तो हाथें में फुलके पड़ेगे। आज किसी का करैरैक्अर असैसिने ान करके

भाासन में कभी कामयाब नही हो सकते। लोग हरेक बात को समझते है। इसके लिए आपकीो ऐजूके ान में जो ईवलज है, उनको दूर करना होगा। एजूके ान सिस्टम को बदलना होगा। जब बच्चों को हम भाुरू से ही, स्टूडैन्ट लाईफ से ही काम करने की आदत नही डालेगे, और चोरी व नकल की आदत डाल देगते ता वह बडा होकर कर ान नही करेगा तो क्या करेगा? यह जो भ्रश्टाचार आज आप देख रहे हो, यह सब कुछ हमारे ऐजूके ान सिस्टम में कंमियों के कारण से ही है। अबर हम उसको सुधारे, अपने बच्चों को सही तरह की ि ाक्षा दे तो बड़ा होकर अगर आप उसको गोली भी मारों तब भी वह भ्रश्टाचार की बात नही करेगा। वह काम करेगा। जहां तक इनऐफी ीऐन्सी का सवाल है, वह तो हर जगह पर है, हर विभाग में है। एक कागज एक मेज पर पड़ा है। अगले मेज पर वह कागलत जाने पर कम से कम 6 महीने लग जाते हैं। लोग पागलों की तरह अपने कामों के लिए भागे भागे फिरते है। हम 10–10 नोट्स देते है, तो हमें उनका पता ही नही चलता, वे किधर चले गये। यह सारा हमारे ऐजूके ान सिस्टम का ही कसूर है। इसलिए चेयरमैन साहब, मै आपके द्वारा प्रार्थना करूंगा कि सरकार को सारा पैसा ऐजूके ान सिस्टम को सुधारने में लगाना चाहिए। फिलूल के दूसरे कामों में पैसा लगाना ठीक नही हैं आंगनवाड़ी खोलने से, प्रौढ़ ि ाक्षा चालू करने से बार–बार जो पैसा खर्च हो रहा है, वह उचित नही हैं हमारे लड़के लड़कियों को तो किसी भी इंस्टीच्यू ान के अन्दर दाखिला नही मिलता है और ये चले है बूढद्यों को पढ़ाने। यह जनता के साथ

मजाग नही तो और क्या हैं मेरे अपने विचाचर में चेयरमैन साहब, इस आंगन वाड़ियों और प्रौढ़ शिक्षा का कोई लाभ नही है। इसके द्वारा गांव के अन्दर इतना माल जाता था ओर लोग उस सारे माल को अपने डंगरों को खिलाते हैं वह माल जहां जाना चाहिए वहां नही पहुंचता। चने और भूबड़े जाते है, वे सारे इनकी गाएं और भैसे खाती हैं सब कुछ ऐजूकेशन में खराबी के कारण ही हैं मै यह कहता हूं कि भगवान के लिए देश पर रहम खाओं, ऐजूकेशन सिस्टम को सुधारों। यह सारा पैसा इस देश की भोली–भाली जनता का हैं इस देश के अन्दर जितने नर–नारी रहते है, उस की कमाई का हिस्सा,वह जो भी चीज खरीदता है, उस पर टैक्स के रूप में हर आदमी की खून पसीने की कमाई का हिस्सा सरकार के खजाने में जाता है। पब्लिक के चुने हुए नुमाइंदे जो आते है सरकार के जो सरकारी कर्मचारी है, वे जब दफ्तर के अन्दर बैठै है। तो गांव के गरीब आदमी की बात नही सुनते। बहिन चन्द्रावती जी ने सवाल उठाया, ये शर्मनाक बाते है। ओर इस किस्म की बातें रूकनी चाहिए। अपने लोगों के साथ यह खिलवाड़ रूकनी चाहिए। हमें इन्सानियत और देश कोसामने रख कर कुछ करना चाहिए। आज फिजूल की स्कीमों पर खर्च हो रहे है। जब हम किसी काम के लिए फंड मांगते है तो कहते है फंड नही हैं आप हर महकमें में देख ले, सभी में यही हाल है। एक हमारा मिनरज एंड माइन्ज डिपार्टमैंट हैं उसका 40 करोड़ रूपए से ऊपर उनके लिए आ जाए तो हमारी बिजली की समस्या हल हो जाएगी। इसी प्रकार से एकसाइज एंड टैक्सेशन डिपार्टमैंट है।

यहां पर बड़े–बड़े व्यापारी आते है ओर कई करोड़ रूप्ए डिपार्टमैंट के उनकी तरफ पैडिग पड़े है। जब उनसे यह पैसा रिकवर कने की अफसरों के पास पावन है तो क्यो नही उनसे पैसा लिया जाता और इन अफसरों के खिलाफ क्यो नही एक ान लाया जाता। इसी प्रकार से लोन की बात हैं यहां पर एच0 एफ0 सी0 की बात चल रही थी। इसके भी कई फ्रांड होते है। लोग लोन ले जाते है ओर लोन लेकर साल या 6 महीने के अन्दर अपना ड्रामा दिखाते है और पब्लिक का पैसा खाकर चलते हबनते हैं फिर उनके वारन्ट निकले फिरते है। न उनके नाम पर कोई मकान मिलता है न कुछ और मिलता है। उनसे रिकवरी नही होती। तो यह सारा हमारा ऐजूके ान सिस्टम को दोश है। भगवान के लिए इसको सुधारों और अगर हम इसको नही सुधारेगे तो हरि सिल नलवा आज फिर इस हाउस के अन्दर ललकार कर कहता है कि दसा साल के बाद इस दे ा के हालात खराब हो सकते है और ये जो पोलेटिि ायंज और अफसर है, जो अपने आप को खुदा समझे बैठे है, इनको लोग सड़कों पर पीटेगे।

साथी लहरी सिंह (रादौर–अनुसूचित जाति): सभापति महोदय, मै आपका बहुत अभारी हूं कि आपने यह चर्चा पिछले सदन में भाुरू की कि हमारे एजूके ान सिस्टम में, हमारे चरित्र में ओर हमार`नै ानल मोरल करैक्टर में सुधार आना चाहिए। यह वास्तव में आज के युग का तकाजा हैं जैसे मेरे से पवू वक्ता नलवा साहब ने बोला कि आज हम कहां चले गए है, कितनी

हमारी सम्भयता थी। यह वह भारत ार् है जिसमें देसरे दे ों के लोग, दूर द ार्क आते थे ताकि वे भारत वर्श की सम्भयता से कुछ सीख कर आए। वास्ता वमें इस दे ज्ञ में भगवान ने जन्म लिया था। हिन्दुस्तान ने सारी दुनिया के जन आंदोलन में ऐसी आग फैंकी थी लकिन आज हमउतने ही पीछे चले गए। जिस रफ्तार से हमारे पूर्वजों और ऋशियों ने इस दे ज्ञ की प्रतिश्ठा बढ़ाई थी, इस दे ज्ञ की सभ्यता को आगे ले कर आए थे, वह उसी रफ्तार से नीचे चली गई। आज किसी भी दे ज्ञ में हमारे अफसर या पोलिटि ायंज जाएं तो वे लोग कहत है कि यह हिन्दुस्तान से आया है, जहां नकल उतरती है। यह कितने भार्म की बात है। मै आपनी ओर से कुछ सुझाव देना चाहता हू कि अगर ऐजूके ान सिस्टम को ठीक रना है तो मातृ ाक्ति बढ़ानी होगी। मातृ भाक्ति वह भाक्ति है जो अपने लिए कुछ नही मांगती। मां करवा चौथ का व्रत रखती है और कहती है कि मेरा सुहाग जिन्दा रहे, मेरे सुहाग को परमात्मा बुद्धि दे जिससे हमारा सारा खानदान सुधरे। इसी तरह से मां होई का व्रत रखती है और झकरिए का व्रत रखती है जिसमं यह मन्नत मांगकती है उसकी सन्तान अच्छी बने, बुद्धिमान बने। अपना नाम रो ान करे ओर हिन्दुस्तान की प्रतिश्ठा का प्रतीक बने। मातृ भाक्ति में इतनी ताकत है, इसलिए उसका ि ाक्षित होना बहुत जरूरी हैं चैयरमैन साहब, लड़की सभी के होती है। मेरे भी लड़की है। लड़किया घर का कमा भी करती ओरअपनीक्लास में पढ़ाई के अन्दर फर्स्ट आती है यानी लड़ों से ज्यादा नम्बर लेती है। लड़का ओर लड़की में यह फर्क है। कि

लड़का स्कूल से ओ ही अपना बस्ता गिरा कर गुल्ली डण्डा खेने लगा जाएगा लेकिन लड़की अपनी मां के सािा उसके काम में हाथ बंटाती है। आटा गुंदवाएगी, रोटी बनवाएगी। सारे घर की साफ सफाई का काम करेगी। उसके बावजूद भी लड़की पढ़ाई में लड़के से ज्यादा नम्बर लेकर फर्स्ट आती हैं इसलिए आज यह तकीजा है। कि अगर आज हम वास्तव में मातृ भाक्ति को शिक्षित करेगे ताक हमारे देश की, हमारे समाज की बहुत तरक्की होगी। महारानी झांसी और शिवाजी मराठा मातृ भाक्ति की ही देन है। इसी तरह से स्वामी परमहंस और स्वामी विवेकानन्द जी मातृ भाक्ति की ही देन है। इसलिए मै कहता हूं कि आज मातृ भाक्ति की ही देन है। इसलिए मै कहता हूं कि आज मातृ शिकत का शिक्षित होना बहुत ही जरूरी है। आज साईस का युग है। आप इलैक्ट्रोनिक्स और कम्पयूटर साईस दोनों सबजैक्टस का आज इंडिया का रिजल्ट उठा कर देख ले जितनी लड़कियों फर्स्ट आई है उतनी लड़के नही आए। इसी तरह से डाक्टर्ज में है। और अब तो इंजीनियरिग साइड में भी लड़किया लड़कां से आगे आ रही है। एक लड़की के पढ़ने से तीनखानदार सुधरते हैं लड़की का अपना खानदान सुधरेगा। उसकी सुसुराज काखानदान सुधरेगा ओर उसकी पीढ़ी होगी वह सुधरेगी। चेयरमैन साहब, हिन्दुसतान में मातृ भाक्ति ने ही डाक्टर्ज पैदा किए है, इंजीनियर पैदा हिए हैं पी0 एच0 डी0 पैदा किए हैं ये कम्प्यूअर साईस ने पैदा नही किए। इसलि मै कहता हू कि लड़कियों को शिक्षित करने की तरफ विभाग ओरसरकार को ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना चाहिए आज

बच्चों पर कापियों और किताबो ंका जो बस्ता लादा जाता है। वह बच्चे के वनज से ज्यादा भारी होता है लोग कहते हैं कि हम अपनी संतान को आई0 एण एस0 और आई0 पी0 एसण बनाएंगे। मेरा तो यह ख्याल है कि उस बस्ते में जितन बोझा होता है उससे बच्चो आई0 ए0 एस0 ओर आई0 पी0 एसण ने बने लेकिन वह कुल की ट्रेनिग जरूर ले रहा है। यदि बच्चे का वनज 10 किलोग्राम है। तो उसके ऊपर 20 किलोग्राम कापियों ओर किताबों का बस्ता लदा होता है। इसलिए बच्चा आई0 ए0 एस0 और आई0 पी0 एसण नही बन सकता कयोंक उसके दिमाग पर बर्डन हे। आज हर घर मे ंटी0 वी0 है और जब हम राज को खेत क्यार के काम काज से आ कर खाना वगैरह खा कर सो जाते है तो बच्चे जी0 टी0 वी0 लगा लेते है। चेयरमैन सर, जी0 टी0 वी0 पर क्या आताहै, आपको मालूम ही है, 10 क्विंटल का आदमी 10 किलो के आदमी के ऊपर गिर जाता है। और उसका कचूमर निकल जाता है।, इसमें ि ाक्षा वाली कौन सी बात है, यह चीज समझ में नही आती। मै नम्र निवेदन करूंगा कि इस प्रकार के जो प्रोग्राम टी0 वी0 पर दिखाए जाते है, उनके ऊपर रोक लगाई जानी चाहिए। ताकि बच्चों का चरित्र हनन न हो। दे ा को कौन बनता है, दे ा तो नई पनीरी और लई पीढ़ी बनाती हैं इस प्राकर से उनका चरित्र हनन किया जाएगा तो दे ा को हम आगे कैसे ले जाएंगे। अगर नई पनीरी ठीक नही होगी तो दे ज्ञ गर्त में जाएगा। आज हरसमय बच्चों की आंखे टी0 वी0 पर लगी रहती है। चेयरमैन सहाब, आज समय की जरूरत है। कि हम इस ओर ध्यान दे जिससे हम अपने दे ा के

बच्चों का चरित्र बना सकें। बच्चों का चरित्र तभी बनेगा जब हमारा चरित्र ठीक होगा। अगर बाप खुद भाराब पी करघर आए तो वह बच्चों से क्या उम्मीद करेगा कि बच्चा लायक बनेगा। सभापति महोदय, ऐसा नही हो सकता इसलिए आज हम सब को इसमें अपना योगदान देना है। और यह हम सबकी जिम्मेदारी है। हमारा कर्त्तव्य है कि अपनी आने वाली पनीरी को अच्छा बनाए तभी देश का मौरल करैक्टर बनेगा। अगर हम चाहे है। कि देश बने तो सबसे पहले हमें अपने मौरल करैक्टर का ध्यान रखना चाहिए। अगर हम अपना करैक्टर अच्छा पेश करेगे तभी बच्चों को करैक्टर अच्छा बनेगा। मेरा कहना यह है कि आज हम जो भी शिक्षा देते हैं उससे हम चाहते है कि हमारे बच्चे आई0 ए0 एस0 ओर आई0 पी0 एस0 बने लेकिन देश में कितने आई0 ए0 एस या आई0 पी0 एस0 बन सकते हैं हमें अपने बच्चों को स्कूल में दाखिला के समय से ही टैक्नीकल ट्रैनिग देनी चाहिए ताकि उसका दिमाग टैक्नीकल बन सके। चेयरमैन साहब, आज जापान को नाम सारी दुनियाके अन्दर इसी कारण है कि वहां पर टैक्नीकल ट्रैनिग की तरह पूरा ध्यान दिया जाता है। जापान के लोगों में देशभक्ति की भावना कूट कूट कर भरी हुई हैं इसका एक उदाहरण मै हयां पर बताना चाहता हूं। हमारे यहां का कोई विद्यार्थी अमरीक में वाशिंगटन में पढ़ने चला गया। यूनिवसटिी में जापान के भी छात्र थे और उनका कमरा नजदीक ही पड़ताा था हमारे कुरूक्षेत्र के रहने वाल लड़के ने वाशिंगटन के बाजार से एक ट्राजिस्टर खरीद था और 2–4 दिन में ही यह खराब हो गया है। साथ ही नजदीक

मे जापान का लड़का उनकी बातचीत सुन रहा था। उस ने अपने जापान के दो–तीन और साथियों से बातचीत की और वे सभी उस लड़के के पास आए जिसने ट्रांजिस्टर उससे वापिस ले लिय। उस लड़के ने वह ट्रांजिस्टर जो कम्पनी थी उसको वापिस भेजते हुए उसके बारे तें बतया। कक्पनी ने उस लड़के को ट्रांजिस्टर वापिस करते हुए उसे उसकी कीमत भी दी और उस लडत्रके का धन्यवाद भी किया जिसने उस कम्पनी को ट्रांजिस्टर वापिस भेजा था। इस प्रकार का करैक्टर जापान के लोगों में है और हमारे यहां तो ऐसी कोई बात हो जाए तो दुकानदार ही कह देगा कि यह चीज मेरी दुकान से नही खरीदी गई। हमें जापान जैसे मिसाल अपने बच्चों कों सिखानी चाहिए। आज हमें अपने दे ज्ञ मं ऐसी स्थिति पैदा करने की जिरूश्रत हैं जिससे जापान की तरह हमारी साख भी बन सके जिस तरह से जापानका नाम देख कर ही लोग जापान की बनी चीज ले लै है है वैसा ही आज भारत का भी होना चाहिए। भारतवर्श ने जिस सभ्यता और संस्कृति को जन्त दिया, आज हम लोग उस को भूल चुके है। हमें उस पुरानी सभ्यता और संस्कृतत को वापिस लोने की कोि ा ा करनी चाहिए। जिस भारतवर्श में महार्शि बाल्मीकि ने जन्म लिया, डाक्टर अम्बेदकर ने जन्म लिया, स्वामी विवेकानन्द और महात्मा गांधी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया, जिन्होनपे सारी दुनिया को बताया कि यहां पर जो सच्चे ओर ऊंची विचारधारा के लोग रहते है। उसी भारतवर्श की नई पनीरी जो तैयार हो रही है उसकस कोठ मोरल करैक्टर हो नही है। आज हम इस बात को तो तकाजा है। इसमें में कई चीजें

ओर भी आपको बता देना चाहता हूं जैसे किसी भी दफ्तर में कोई फाईल चलती है तो वह काम उसी भााम को पूरा हो जाना चाहिए लेकिन वह फाईल दब जाती है। वह भगे क्यों नही चलती? वह इसलिए नही चलती क्यों वहां पर लालची लोग बैठे हुए हैं

श्री सभापतिः लहरी सिंह जी, आप रैजोल्यूशन पर ही बोलें।

साथी लहरी सिंहः सर, मै एजूकेशन सिस्टम की ही बात कर रहा हूं। इससे हमारी छवि नजर आती है कि हम क्या सीख कर आए है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः छवि आपको नजर आती होगी, आप सिर्फ रेजोल्यूशन पर ही बात कहे।

साथी लहरी सिंहः चेयरमैन साहब, आज हमारे बच्चे स्कूल जाते है। एक बच्चा स्कूल से पैसिल चोरी करके लाता है। ओर उसके मां–बाप ने भी वह घर पर रख ली तो इसका मतलब यह हुआ कि हम बच्चे को अच्छी शिक्षा नही दे रहे है।

श्री सभापतिः आप कोई कंकरीट सुझाव दीजिए। क्या आपतैयाहर होकर आए है। हमें ऐसा नही लगता कि आप तैयार हो कर आए है।

साथी लहरी सिंहः चेयरमैन साहब, आप ही मुझे बताएं कि मैने कौन सा गलत सुझाव दिया है। चेयरमैन साहब, अगर एक

बच्चा नकल करते हुए पकड़ा जाता है। तो मां–बाप बच्चे को स्कूल में दाखिल न करे उसके लिएउन्हें सजा होनी चाहिए कि वे बच्चे को क्यो नही पढ़ाते है। आज 5–5, 7–7 साल के बच्चे नौकरी करते है। यह इसलिए है कि उसके मां–बाप को मैनटेलिटी ही ऐसी है क बच्चे को पढ़ाना नही हैं मेरा सुझाव है कि वास्तव में जो पांच साल के बच्चे है उन्हें स्कूल में पढ़ना पड़ेगा। जिसका बच्चा स्कूल में नही पढेगा उसकसे बाकायदा कन्वीकशन होनी चाहिए। चेयरमैन साहब, साथ ही हम जो भी शिक्षा बच्चों को दे, वह टैक्नीकल होनी चाहिए ताकि वह पढ़ने के बार रोटी खा सके।

श्री सभापतिः लहरी सिंह जी अब आप बैठ जाए। (इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिए खड़े हो गए।) कांग्रेस की तरफ से ओम प्रकाश बेरी, जो पहले कांग्रेस में थे बोल चुके है। और हरि सिंह नलवा भी बोल चुके है। अब चन्द्रावती जी की बारी है। बाकी आप सब बैठ जाए।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): चेयरमैन सर, यह जो गैर सरकारी संकलप हमारे समाने है, मै इसके बारे में बोलने चाहती हूं मै कहती हूं कि एजेकेशन को जीव ओरियन्टेड किया जाए। लेकिनन यह किस तरह से किया जाए, किस कतरह से नकल कम की जाए।सबसे पहले बात यह है कि जिन प्राइमरी स्कूलों में अध्यापकों की कमी है। मैने अभी लोहारू के हल्के में जाकर देखा था, वहां पर अध्यापकों की बहुत कमी है। वहां पर अध्यापक डैपुटेशन पर होते है, इसलिए ये कभी स्कूल में आते है ओर

कभी नही। मेरी सरकार को सुझाव है। कि ब्रांच स्कूलों के बजाए, इंडिपैन्टैट स्कूल होने चाहिए। साथ ही इन स्कूलों में पढ़ाई भी होनी चाहिए। चेयरमैन साहब, बच्चे तभी नकल करते है। जब उनको कोई पढ़ाता नही है। इसलिए आज कल गांवो में तो गैर सरकारी स्कूलों की ओर इंगलिश मीडियम स्कूलों की बाढ़ आ गयी है। मां—बाप यही ऐफर्ट करताहै ओर यही चाहता हैं कि उसका बच्च इंगलिश मीडियम स्कूल में पढ़े क्योंकि इन्ही स्कूलों मे पढ़कर उनके बच्चे को नौकरी मिल सकती हैं चेयरमैन साहब, इसलिए सबसे ज्यादा जोर प्राईमरी एजूकेशन पर दिया जाना चाहिए। पिछले दिनपो यह प्रचार चला था कि हर एक आदमी हर एक हो पढ़ाएगा। चेयरमैन सर, इसमें बुरा माननेवाली बात नहीहै लकिनयह सच है कि चाहे वह मुख्य मंत्री जी का जलसा हो या वह शिक्षा मंत्री जी का जलसा हो, उन जलसों में इन्होने यह कभी नही कहा कि पढाई करनी चहिए। वैसे तो यह साल पढ़ाई का साल मनाया जा रहा है। और कहा जा रहा है कि सारे बच्चे स्कूल में जाए। लकिन इन्होने अपने जलसों में यह कभी भी नही कहा कि सारे बच्चों को स्कूल में जाकर पढत्राई करनी चाहिए। अगर ऐसा इन्होने कभी भी कहा हो तो यह मुझे बता दे। चेयरमैन साहब, ऐसे किस तरह से शिक्षा में सुधारहो सकता है? इसलिए मै यह बात कहना चाहती हूं कि आपको स्कूलां में नकल रोकनी चाहिए। जिस तरह से यू0 पी0 ने प्रस्ताव पारित किया है कि नकल करने और करवाने वालों को सजा होगी,उसी तरह से हरियाणा को भी इसतरह का प्रस्ताव पारित करने में क्या दिक्कत

है? चेयरमैन साहब, अगर प्राईमेरी एजूकेशन आठवी क्लास तक हो जाएगी तो यह बहुत ही अच्छा होगा। मुझे यह पता है कि चाहे गांव के मैट्रिक पास बच्चे हो या बी0 ए01 पास हो, आप उनसे हिन्दी में या अंग्रेजी में एक सैन्टैन्स भी नही लिखवा सकते। उनको कुछ पता ही नही होता, वे धक्के से पास होते है। चेयरमैन साहब, इसमें किसका दोश है? मै तो इसमें सरकार का दोश मानती हूं। आज किसी स्कूल में भी पढ़ाई नही है। वैसे स्वदेश भक्ति की बात करते है लेकिन आज अंग्रेजो मीडियम स्कूलों के बच्चों की अगर आप किताबों को उठा कर देखे तो उनमें आपको इटली का हरक्यूलिए का नाम मिल जाएगा। लेकिन हमारे जो साईनटिस् हुएहै उनके नाम नही मिलेग। इससे बुरी ओर क्या बात हो सकती है? आज लाग रिश्वत लेते है क्यों उनके अन्दर देश भक्ति का अभाव है। वे लोग भी सिफारिशों से लगते है। इन अंग्रेजी मीडियम स्कूलों की किताबें विदेशो की किताबों की नकल है वही से किताबे उठा लेते हैं और उनकी ही नकल करके हिन्दी और अंग्रेजी की किताबे इन स्कूलों में लगा देते है। चेयरमैन साहब, मै जो बात कह रही हूं। उसको अगर आप प्रैक्टिमली लागू करवायेगो तो यह बहुत ही अच्छा होगा। मेरे पास कम्पट्रोलरन एण्ड आडिटर जनरल की रिपोर्ट है। इस रिपोर्ट में शिक्षा पद्धति के अपमान की बाते कही गयी हैं इसमें आपरेशन ब्लैक बोर्ड के बारे में कहा गया है ओर बताया गया कि आपरेशन ब्लैक बोर्ड के लिए जो पैसा रखा गया था, उसका सारा मिस यूज किया गया है। इस तरह की बातें, इससे ज्यादा मै और क्या कह सकती हूं?

शिक्षा जीव औरिएन्टेड किस तरह होगी? यहां तो प्राइमरी एजूकेशन नही बच्चों को ठीक नही दी जाती हैं उनको डिक्टेशन नही दी जाती है न उनसे पढ़कर सुना जाता है। आई0 टी0 आई0 के स्कूलों में स्किल लेबर कैसे होगी वहां मशीने ही नही है। सरकार प्रताप सिंह कैरों से कहकर हमने आई0 टी0 आईज0 खुलवाए थे, आज वहां मशीने भी नही है जो एकआध मशीन पहले का पड़ी है वह भी खराब पड़ी है। बिना मशीन के आई0 टी0 आई0 में बच्चों को क्या सिखाएंगे, सिखाने के लिए भी जो कुछ चाहिए? शिक्षा मंत्री जी और उनके महकमें के अधिकारी यहां बैठे हुए है, वे इसकी प्रैक्टिकली करके दिखाए। जो पढ़े–लिखे देश है। वहां गरीबी नही रह सकती। जिस भाशा में आप सपना नही ले सकते, उस भाशा में आविश्कार कैस कर सकते है? आविश्कार भी तो एक सपना होता है। तभी वह प्रैक्टिल रूप लेता है। मैने भी अंग्रेजी का बहुत साहित्य पढ़ा है लेकिन भाायद आज भी मै अंग्रेजी में ठीक से लिख न सकूं। आज देश में आप कैसे आविष्कार करसते हैं आज भी आप एच0 सी0 एस0 की परीक्षाओं से अंग्रेजी की अनिवार्यता समाप्त करे दे, तो अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खत्मक हो जाएंगे। फौज में भी अच्दी अग्रेंजी वाले बच्चों को कमीशन मिलता है।, यह ठीक है। कि उसमें फिजीकल फिटनेस भी देखी जाती है। (विध्न) चेयरमैन साहब, नकल किए हुए टीचजरों को लगाएंगे तो वे बच्चो को कया पढ़ाएगे? दूसरी बात यह है कि आप सबकों हाउस रैन्ट अलाउन्स देते है, टीचर्ज को क्यो नही देते, स्कूल मास्टर को क्यो नही देते?

कालेज के टीचर्ज को ए–बी ग्रेड दे रखा है। महेन्द्रगढ़ और लोहारू में जो पूरा स्टाफ भी नही हैं भिवानी में हाउस अलाउन्स ज्यादा मिलता है और लोहारू नही मिलता है। मै समझती हूं कि लोहारू जसैसे बहुत कालिज होगे जिनमें स्टाफ नही होगा। मेरे लोहारू हल्के में हैडमास्टर भी नही हैं आप ि ाक्षित टीचरों को नही लगाएंगे तो राश्ट्र के बच्चे जो राश्ट्र की निधि है। दे ा का काम किस तरह से चलेगा। मै यहां पर कुछ सुझाव दे रही हूं। लेडी टीचर्ज के बारे में मेरा कहना यह है कि उनको या तो उनके गांव में ही लगा दो या फिर उनको ससुराल के नजदीक लगाना चाहिए। वि ोशकर जे0 बी0 टी0 लेडी टीचर्ज जो लगी हुई है,उगर वे इतनी इतनी दूर जायेगी तो वे कैसे पढ़द्यायेगीत्र मेरा हल्का तीन जिलो में बंटा हुआ है। जब भी सरकार बदलती है तोसबसे पहले जोर मेरे लोहारू हल्के पर चलता हैं हिसार, महेन्द्रगढ़ ओर भिवानी, तीन जिलों में मेरा हल्का पड़ता है। पहले जैस ब्लाक लैवल होते थे, जब उस तरह के जिसले बना दिये गये हैं फिर अब यह कहते है कि हम इन्टर डिस्ट्रिक्ट ट्रांसफर्ज नही करेगे। जो लेड़ी टीचर्ज दूर दूर लगी हुई है या कपल केसिज है, कम से कम उनको तो एडजस्ट करें। मै ऐसी कई जे0 बी0 टी0 भाास्.त्री, मास्टर्ज ओर होम साईंस की टीचर्ज को जानती हूं, जो इसी वजह से दुःखी है। एक हमारे यहां पर एक्स0 ई0 एन0 है, उसको मिस्ट्रैस को बराड़ा लगा रखा है जबकि वह खुद दादरी लगा हुआ है। इसी तरह से एक लड़की जींद लगा हुई है जबकि उसका हस्बैड हमारे यहां दादरी में इलैक्ट्रि ीियन लगा हुआ है।

श्री सभापतिः मैडम, अब तो आप इस बोर में मुलाना साहब से मिल ले। उन्होने इन्टर डिस्ट्रिक्ट ट्रांस्फर्ज को प्रोवीजन किया हैं आप तो बहुत पुरानी सदस्या है। आप से तो हम इस बोर में कोई कन्क्रीट सुझाव एक्सपैक्ट करते है।

श्रीमती चन्द्रावतीः मै टीचर्ज को सुविधा देने ओर एडजस्ट करने की बात कह रही हूं। यह सकरार अब एप्रोप्रिएशन बिल लेकर आती तब हम बोल सकते थे लेकिन आप को पता ही है। कि 1987–88 की डिमाड के लिए एप्रोप्रिएशन बिल लेकर आये। अब हम किस बात पर बोले। जो सरकार की कमिया है, वह तो कहनी ही चाहिए। मै एजुकेशन की बात ही तो कह रही हूं। मै किसी ओर सब्जैक्ट पर तो बोल ही नही रही हूं। आप बेशक लास्ट में कम्पैरीजन कर लेना। दूसरे साथियों ने सुझाव दिये है, मेरे सुझाव उन सबसे अच्छे होगे। मेरे से अच्छे सुझाव आपको उनके नही मिलेगे। इसलिए मै तो अब खत्म करने लगी हूं। जो कुछ मैने कहा है क्या यह शिक्षा से सबंधित नही है? मास्टर्ज को रहने के लिए मकान देना, क्या जरूर नही है? जब आप दूसरो को देते हो तो इनको भी रहने के लिए मकान दो। क्या इसका एजूकेशन से सम्बन्ध नही है? आप हैडमास्टर्ज की स्कूलों में भेजे, कालेजिज में पूरा स्टाफ भेजे। क्या यह शिक्षा से संबंधित चीज नही है? अगर आपको शिक्षा को जोब औरिएन्टिड करना है तो आपको इस ओर भी ध्यान देना होगा। आप तभी ऐसा कर सकते है जब आप प्राइमरी लैवल से ही बच्चे को एजूकेशन का

ध्यान रखेगे। छोटे छोटे बच्चों को आप कोई भी शिक्षा आसानी से दे सकते है। टैक्नीकल शिक्षा अगर आप उनको देगे तो वह जल्दी सीखेगे। मगर पांचवी तक के बच्चों के लिए आपने इम्तिहानऐसे ही बना रखे है जिसकी वजह से हालत आज यह है क पांचवी के बच्चों को 100 तक गिनती हीाी नही आती हैं इसका कारण यह है कि मास्टर्ज उनको पढ़ाते ही नहीहैं उनको कुछ तो पढ़ान चाहिऐ। मै यह नही कहती कि आप ऐसे बच्चों को क्लर्क भी न लगाआं लकिन कम से कम उनको मास्टर्ज या मिस्ट्रैसिज न लगाओं। ऐसे लोग बच्चों को पढ़ाते नही है। इस वजह से फिर नकल को बात ज्यादा होती हैं नकल के लिए तो कानून अवश्यक ही बनाना चाहिए दूसरे आप ऐसे लोगों को टीचर्ज लगाये जिनकी कुछ पढ़ाई–लिखाई का ज्ञान हो। अगर उनको आपने को ज्ञान होगा तभा तो वह आगे पढत्राएगे। अगर उनको खुद को पता नही होगा तो वह नकल ही कराएंगे। आज कल क्याहोत है। कुछ थोड़ा सा चन्दा इक्ट्ठा करके सुपरवाईज को पैसा दे दते है ताक वह पासहो जाए। इस सारी बीमारी की जड़ रिश्वत है। रिश्वत लेना, चाहे रिश्वत लेने वाला कोई भी आदमी हो, चाहे पालीटीशियन हो, चाहे व बयूरोक्रेट हो, मै उसकसे समाज का दुश्मन नही नही कहती बल्कि मै तो उसको गद्दारी की श्रेणी में लाती हूं। जो भी रिश्वत लेता है, उसकसे आप सजा दे। अगर ऐसा होगा तो आप एक अच्छा उदाहरण पेश करेगे। तभी शिक्षा का स्तर सुधरेगा। यही बात कहते हुए मै आपका शुक्रिया आदा करती हूं। धन्यवाद।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला (बल्लभगढ़): चेयरमैन साहब, सदन में बहुत ही महत्वपूर्ण नान औफिशियल रेजोल्यूशन जो आपके द्वारा पेश किया गया था, पर चर्च चल रही है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण विशय है। जो सदन के विचारधनी हैं इस विशय को हम सभी साथियों को चाहे वे ट्रेजरी बैन्चिज के है या अपोजीशन के है। बहुत गम्भीरता से लेना चाहिए। मुझे कह कहने में संकोचज नही है कि चार दिन की जो इस सैशन की अवधि रही है, उसमें बिजली और पानी के बारे में हम सभी साथियों ने बड़ी गम्भीरता से लिया है मै कहना चाहता हूं कि बिजली ओर पानी को जितनी गम्भीरता से लिया गयाहै। शिक्षा को उससे भी ज्यादा गम्भीरता से लेना चाहिए। आज सारेदेश मेंऔर हमारे प्रदेश में शिक्षा की जो खस्ता हालत है। वह किसी से छिपी हुई नही हैं आप द्वारा पेश किए गए रेजोल्यूशन में जोब ओरियन्टिड ऐजूकेशन पर जोर दिया दिया गया हैं साथियों ने बोलते हुए शिक्षा से बाहर अपने ज्यादा विचार रखे हैं मै मुख्य मंत्री जी का आभारी हूं कि उन्होने स्वय कई विधायकों और मन्त्रियों की प्रजैन्स में मुलाना साहब को शिक्षा विभाग सौपते हुए कहा था कि आप केवल अध्यापकों का ट्रांसफर करने वाले शिक्षा मंत्री नही हो, हमने भी कहा था कि अपोजीशन के साथियों को मिलाकर विचार विर्मश किया जाए और जो शिक्षा पद्धति है, आज जो ऐजूकेशन पौलिसी है उसकसे चेज किया जासए। चेयरमैन साहब, आज हम स्वयं अनुभव करते है कि जिन नौजवान को हम कहते है कि वह बी0 ए0 पास है या एम0 ए0 पास है उसके मुकाबले गांव का

मजदूर और अनपढ़ ज्यादा सभ्य है। हम जितने भी पोलिटी ायन है सभी जानते है। कि हमें नौकरी दिला दो। चेयरमैन साहब, आज हमारी जो यूनिवसिटीज है ओर ि ाक्षा संस्थान है। वे बेरोजगार पैदा करने की फैक्टारिया है। आज हमारी सरकार के सामने और दे ा के सामने बेरोजगारी पर सबसे बड़ी चुनौती है, एक सब से बड़ा चैलेन्ज हैं हमारे राजनतिक ओर एडमिनिस्ट्रेटिव सैट–अप के सामने बेरोजगारी का समस्या मुंह बाय खड़ी है ओर इसका कोठ न कोई हल हमें निकलना है। हमारे पास बेरोजगारों की बहुत बड़ी फौज है और हम महसूस करते है कि अगर यह फौज इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो आने वाले सालों में दे ा के अन्दर एक भंयकर स्थिति पैदा हो जाएगी। जब हमारे पास नौजवान लड़के आते है और नौकरी की बात करते है तो हम उनमें कहते है कि भई तुम एम0 ए0 पास जरूर हो लेकिन हम आपकों कंडक्टर नही लगवा सकते हैं उस वक्त उन पढ़े लिखे नौजवानों में एक भावना आती है। और वह भावना लड़ने और मरने की आती है। आज हमारा युवक पढ़ा लिखा हैं लेकिन वह किसी के प्रति आदर सम्मान नही करता ओर धीर धीरे उसके अन्दर फस्ट्रे ान उभरती है। मै मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि एजेके ानिस्टस ओर दूसरे बड़े लोगों की एक कमेटी बनाकर प्रदे ा की ि ाक्षा पद्धति में ड्रास्टिक चैज करनी चाहिए।

चैयरमैन साहब, साथ ही नकल की जो बुराई है। वह बड़ी भारी भंयकर है। कोई एग्जामिने ान सैन्टर ऐसा नही हैं जब

वहां परीक्षाएं होती है तो सैकड़ों और हजारों की तादाद में लोग इकट्ठे हो जाते है। उनके पास जेलिया और दूसरे अनअथराईज्ड हथियार होते है। चेयरमैन साहब, नकल कराने में हम पोलिटीकल लोग भी सहयोग देते हैं आपने स्वयं अनुभव किया होगा कि हम जब अपने बच्चो को हाई स्कूल या कालिज की स्टेज पर दाखिला कराते हैं तो पहले दिन से ही बच्चे के मन में यह इच्छा होती है कि वह नकल करके अच्छे मार्क्स ले और मास्टर की भी यही इच्छा होती है कि वह बच्चे को कुछ भी नही पढ़ाएगा बल्कि नकल कराकर पास कराएगा ओर बह जो झूठा गीदड़ फर्राह हमें मिलता हैं कि हमारे बच्चों ने नौवी, दंसी व बी0 ए0 की परीक्षा पास कर ली है। इसके कोई मायने या सो ाल हालता में उनके कोई मायने नही हैं मै हरियाणा ऐजूके ान बोर्ड के पिछले चेयरमैन श्री गोयल को बधाई देता हूं कि जिन्होनें इस नकल के सिलसिले में काफी सुधार किया था और बोर्ड के कार्य को भी बड़ी निपुणता के साथ चलाया था। वे बड़े योग्य व्यक्ति थे। मैने एक–दो मीटिगज उनके साथ अटैण्ड की है, पता नही वे कस मजबूरी के साथ छोड़ कर चले गए, हें उनके कार्यो को ऐप्री ीएंट करना चाहिए। पहली दफा जो यह हमारे आठवी और दसवी के पेपर्ज हुए है उसको बड़ा ही सीरीसयली लिया गय है और इस बार उसके लिए मुख्य मंत्री महोदय की सभी एस0 पीज0 व डी0 सीज0 को यह हिदायते थी कि चाहे हमें फोर्स भी क्यो न यूज करनी पड़े चाहे कुछ भी करना पड़े हमें नकल को अ यक ही रोकना है। इससे नकल थोड़ी रूकनी भाुरू हुई हैं इसलिए मै मुख्य मंत्री महोदय से

निवेदन करूंगा कि नकल को हमें पूरी तरह से रोकने का प्रबन्ध करन चाहिए चाहे इसके लिए कोढ ऐक्ट या लेजिस्लेशन क्यो न बनाना पड़े, चाहे कुछ भी हो नकल का सिलसिला बन्दा होना चाहिए। नकल करवाने में चाहे कोई टीचर हो, चाहे पुलिटीकल आदमी हो, चाहे कोई बड़ा आदमी भी हो, उन लागों के इसके लिए डेटरैन्ट पनिशमैंट देनी चाहिए। चेयरमैन साहब, आपको पता होगा कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने इस ओर काफी ध्यान दिया है ओर नकल का सिलसिला हमेशा के लिए बन्द कर दिया हैं इसका सारा श्रेय वहां के मुख्य मंत्री को जाता है। नकल जैसे कलंक को खत्म करने के लिए वहां के मुख्य मंत्री ने अपनी पावर का इस्तेमाल किया है। चेयरमैन साहब, ज्यादा समय न लेते हुए मै यही कहूंगा कि इस नकल को जल्दी रोका जाना चाहिएं इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

श्री रमेश कुमार (बड़ौदा—एस0सी0): चेयरमैन साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। आज इस हाउस में जो शिक्षा से सम्बन्धित प्रस्ताव रखा गया है मै इसका अनुमोदन करते हुए मै आपने विचार इस पर रखना चाहात हूं। चेयरमैन साहब, स्कूलों में स्टाफ का पूरा न होना यह किसी एक हल्के की समस्या नही है आप चाहे किसी भी गांव को ले लीजियेगा, जब तक किसी गांव के स्कूल में पूरा स्टाफ नही होगा, तब तक उस स्कूल का और शिक्षा का स्तर ऊपर नही उठा सकेगा। और न ही शिक्षा का सुधार हो पाएगा। बच्चों की

शिक्षा बगैर टीचर्ज के, बगैर दूसरे साधनों के अधूरी है। इसलिये मेंरा यह कहना है कि हरेक स्कूल में स्टाफ का होना अत्यन्त आवश्यक है। ताकि बच्चों की पढ़ाई खराब न होने पाए। चेयरमैन साहब, मां बाप द्वारा अपने बच्चों को प्राईवेट स्कूल में क्यो भेज दिया जाता है। ओर वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में नही भेजते है क्योंकि प्राईवेट स्कूलों में शिक्षा की और स्टाफ की ओर विशेष ध्यान दिया जाता है। और सरकार स्कूलों में सदा ही स्टाफ का अभाव रहता है। जिसके कारण बच्चो का भविश्य उज्ज्वल नही हो पाता है। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का प्रबन्ध अच्छा न होने के कारण मां बात को अपने बच्चों को प्राईवेट स्कूलों में भेजना पड़ता है। इस तरह की समस्याओं को देखते हुए मां बाप को भारी बजन उठाना पड़ता है, काफी पैसा देना पड़ताहै। सरकारी स्कूल और कालेजों में अच्छी प्रकार का शिक्षा प्रबन्ध करे। टीचर्ज पर बच्चों की ओर ज्यादा ध्यान देने के लिए दबाव डाला जाए तो मां बाप को काफी खर्चा भी बच जाएगा। सरकार को चाहिए कि वे सरकारी स्कूलों और कालेजों में प्राइवेट स्कूलों व कालेजों की निस्बत अच्छे टीचर्ज प्रोवाइड करें ताकि मां–बाप बच्चों की पढाई के सम्बन्ध में चिन्तित न हो और उन्हें प्राईवेट स्कूलों में और कालेजों में बच्चों को भेजने के लिए अधिक धन भी न देना पड़े। इस तरह से मां–बाप को बच्चों का जीवन बनाने के लिए, अच्छी शिक्षा देने के लिए ज्यादा धन खर्च नही करना पड़ेगा, यदि सरकारी स्कूलों व कालेजों में अच्छे

टीचर्ज उपलब्ध होगे। इसलिए सरकार को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए।

Mr. Chairman: Ramesh Kumar Ji, please take your seat.

Now the House stands adjourned sine-die.

13.30 बजें

(The Sabha then adjourned sine-die.)